नई दिल्ली
गुरुवार 12 नवंबर 2026
कार्तिक मास शुक्ल पक्ष,
तृतीया वर्ष : 30, अंक : 205
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 27
न्यून. 11

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

एनडीएमसी स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में देश में दूसरे नंबर पर

लगातार तीन साल टॉप रैंकिंग के बाद भी दबदबा बरकरार

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 की नई रैंकिंग में नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया है। 50 हजार से 3 लाख की आबादी वाली श्रेणी में एनडीएमसी ने देश में दूसरा स्थान हासिल कर अपनी स्वच्छता की प्रतिष्ठा को बरकरार रखा है। पिछले तीन वर्षों से लगातार टॉप रैंकिंग हासिल करने के कारण निकायों को 'सुपरलीग रैंकिंग' से सम्मानित किया गया था। इस बार भी ▸▸शेष पेज 5 पर



स्वच्छता सर्वेक्षण में हरियाणा में करनाल फिर नंबर-1 पर

लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति पुरस्कार

देश के सबसे बड़े शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के 10वें संस्करण में करनाल ने एक बार फिर हरियाणा में पहला स्थान हासिल किया है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्रालय की ओर से बुधवार को घोषित परिणामों में करनाल को प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर चुना गया। इसके साथ ही करनाल लगातार दूसरी ▸▸शेष पेज 5 पर



स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार वितरित, राष्ट्रपति बोलीं- हर नागरिक, परिवार और शहर की भागीदारी से ही हासिल होगा स्वच्छता का लक्ष्य

स्वच्छता केवल अभियान नहीं, नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि स्वच्छता का लक्ष्य किसी एक संस्था या सरकारी एजेंसी के प्रयासों से हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए प्रत्येक नागरिक, परिवार, समुदाय और शहर की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता और साफ-सफाई बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिकों के स्वास्थ्य, सामाजिक संवेदनशीलता और



प्रशासनिक जवाबदेही का भी प्रतिबिंब है। इसका सीधा संबंध लोगों की रोजमर्रा की घरेलू आदतों से भी है। राष्ट्रपति बुधवार शाम नई दिल्ली में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न शहरों और स्थानीय निकायों को स्वच्छता के क्षेत्र में उनके प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने इस वर्ष स्वच्छ सर्वेक्षण में शुरू की गई 'स्वच्छ शहर जोड़ी' पहल की सराहना करते हुए कहा कि इसने शहरों के बीच सहयोग और साझेदारी का नया आयाम जोड़ा है। उन्होंने कहा कि यदि स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी शहर दूसरे शहरों को अपने स्तर तक पहुंचने में मदद करें, तो उनकी उपलब्धियां ▸▸शेष पेज 5 पर

छोटे शहरों के लिए भी विकसित हों सस्ती और सुरक्षित तकनीकें

राष्ट्रपति ने स्वच्छता के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के सहयोग से पश्चिम बंगाल में स्वच्छ भारत टेस्ट बेड एवं इनोवेशन सेंटर की स्थापना की गई है। इसे स्वच्छता के क्षेत्र में तकनीकी प्रशिक्षण और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संस्थागत पहल बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता प्रबंधन के लिए ऐसी तकनीकों का विकास ▸▸शेष पेज 5 पर

2014 से स्वच्छता बना जनभागीदारी का उत्सव : मनोहर लाल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि स्वच्छता महज एक अभियान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत के बाद स्वच्छता देशव्यापी जनआंदोलन और जनभागीदारी के उत्सव में बदल गई है। उन्होंने स्वच्छता के क्षेत्र में हासिल उपलब्धियों को आगे बढ़ाने और शहरों में साफ-सफाई की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए नागरिकों तथा स्थानीय प्रशासन की निरंतर भागीदारी पर जोर दिया।

Ninh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अमूल-मदर डेयरी ने बढ़ाए दाम, दूध होगा महंगा



नई दिल्ली। महंगाई के बीच आम उपभोक्ताओं को अब दूध के लिए ज्यादा कीमत चुकानी होगी। अमूल और मदर डेयरी ने 12 नवंबर से दूध के दामों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। इससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। कंपनियों के मुताबिक, पशु चारे, पैकेजिंग सामग्री, ईंधन और दूध खरीदी की लागत बढ़ने के कारण कीमतों में संशोधन किया गया है। इससे दूध उत्पादकों को बेहतर भुगतान करने में मदद मिलेगी। दूध की नई दरें गुरुवार से लागू होंगी। वहीं दूसरी तरफ माना जा रहा है कि अब बहुत जल्द पूरे देश में सभी दुग्ध ब्रांड महंगे हो जाएंगे और जल्द ही इसका ऐलान किया जा सकेगा।

मॉर्निंग वॉक के दौरान बेहोश हुए धनखड़, एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की बुधवार सुबह



मॉर्निंग वॉक के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह टहलते समय बेहोश होकर गिर पड़े और कुछ मिनट तक अचेत रहे। सुरक्षाकर्मी उन्हें पीसीआर वाहन से घर लेकर पहुंचे। इसके बाद डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच और उपचार किया। स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उन्हें एंबुलेंस से दिल्ली स्थित एम्स ले जाया गया। 75 वर्षीय धनखड़ को अस्पताल के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती कराया गया है। फिलहाल वह कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टरों की निगरानी में हैं। उनकी विस्तृत जांच और उपचार जारी है।

केंद्रीय कैबिनेट ने किसानों के लिए खोला खजाना, खाद की कीमतों पर ब्रेक, उर्वरक सब्सिडी को मंजूरी

किसानों को खाद पर 62,370 करोड़ की सब्सिडी डीएपी का 50 किलो बैग 1,350 रुपये में ही मिलेगा



एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- कैबिनेट ने रबी सीजन 2026-27 के लिए नई दरों को दी मंजूरी
- मुद्रा योजना की ऋण गारंटी निधि भी पांच साल बढ़ाई
- 20 लाख रुपए तक के कर्ज पर मिलेगा गारंटी कवर

केंद्र सरकार ने किसानों और छोटे कारोबारियों को राहत देने के लिए बुधवार को दो अहम फैसले किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में रबी सीजन 2026-27 के लिए फास्फेट और पोटाश (पीएंडके) उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) की नई दरों को मंजूरी दी गई। इसके तहत केंद्र सरकार किसानों को करीब 62,370 करोड़ रुपए की सब्सिडी देगी। यह राशि पिछले रबी सीजन 2025-26 की तुलना में लगभग 24,418 करोड़ रुपए अधिक है। सरकार के फैसले से डीएपी (डाय-अमोनियम फास्फेट) की 50 किलो की बोरी की कीमत 1,350 रुपए ही बनी रहेगी।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संकट और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों और उनके कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इसके बावजूद सरकार ने सब्सिडी के जरिए किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ने देने का फैसला किया है। नई सब्सिडी दरें एक अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक लागू रहेंगी। इनके तहत डीएपी और एनपीकेएस सहित पीएंडके उर्वरकों के सभी ग्रेड पर सब्सिडी दी जाएगी। सरकार उर्वरक निर्माताओं और आयातकों के माध्यम से किसानों को रियायती दरों पर 28 ग्रेड के उर्वरक उपलब्ध करा रही है। पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना एक अप्रैल 2010 से संचालित है।



मुद्रा योजना में चार श्रेणियों में मिलता है कर्ज

- **शिशु:** 50 हजार रुपए तक।
- **किशोर:** 50 हजार से 5 लाख रुपए तक।
- **तरुण:** 5 लाख से 10 लाख रुपए तक।
- **तरुण प्लस:** 10 लाख से 20 लाख रुपए तक।

मुद्रा योजना की गारंटी निधि पांच साल बढ़ी

कैबिनेट ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत दिए जाने वाले कर्ज की ऋण गारंटी निधि को भी पांच साल बढ़ाकर 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। इसके लिए 5,000 करोड़ रुपए का कोष स्वीकृत किया गया है। इससे अगले पांच वर्षों में योजना के तहत 12.6 लाख करोड़ रुपए के ऋण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। योजना के तहत राष्ट्रीय ऋण गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) ऋण देने वाली संस्थाओं को कर्ज नहीं चुकाने की स्थिति में गारंटी कवर उपलब्ध कराती है। सितंबर 2026 तक इस योजना के तहत 60.36 करोड़ से अधिक ऋण मंजूर किए जा चुके हैं। इनकी कुल राशि 43.34 लाख करोड़ रुपए है।

सरकार ने ऋण गारंटी शुल्क भी घटाया

सरकार ने ऋण गारंटी शुल्क को सालाना एक प्रतिशत से घटाकर 0.75 प्रतिशत कर दिया है। इससे बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए छोटे कारोबारियों को कर्ज देना कम खर्चीला होगा। योजना के तहत पात्र सूक्ष्म उद्यमों को 20 लाख रुपए तक के ऋण पर गारंटी कवर मिलेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री जनधन योजना के खाताधारकों को बैंकों की ओर से दी जाने वाली 10 हजार रुपए तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा भी इसके दायरे में रहेगी। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को दिए जाने वाले 10 लाख से 20 लाख रुपए तक के पोर्टफोलियो ऋण भी इसमें शामिल किए गए हैं। हालांकि, एसएचजी के लिए गारंटी शुल्क की मौजूदा ▸▸शेष पेज 5 पर

सम्मेलन के समापन पर राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी प्रवासियों को सम्मानित

कोलकाता में होगा प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन



हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

19वां प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन 7 से 9 जनवरी 2027 को पश्चिम-बंगाल के कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे और इसके समापन सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। उनके द्वारा प्रवासियों को प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय सम्मान से भी नवाजा जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण सम्मेलन की वेबसाइट pbdindia.gov.in को बुधवार को विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर और पश्चिम-बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किए गए एक समारोह में संयुक्त रूप से लांच किया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि सम्मेलन का अगले साल के शुरुआती महीने में आयोजन विदेश मंत्रालय ▸▸शेष पेज 5 पर

विदेश मंत्री जयशंकर और कोलकाता के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने संयुक्त रूप से लांच की सम्मेलन की वेबसाइट

गांधी जी की भारत वापसी का प्रतीक

प्रवासी भारतीय दिवस को दरअसल 9 जनवरी को इसलिए मनाया जाता है। क्योंकि 1915 में इसी तारीख पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी दक्षिण-अफ्रीका से भारत वापस लौटे थे। उनकी स्वदेश वापसी की स्मृति में हर वर्ष 9 जनवरी के दिन यह दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। सामान्य रूप से देखें तो यह दिवस केंद्र सरकार के प्रमुख वार्षिक आयोजनों की सूची में शुमार है। क्योंकि इसकी मदद से उसे दुनिया के अलग-अलग देशों में बसे हुए प्रवासी भारतीयों के समुदाय के साथ सीधे जुड़ने का अवसर मिलता है। वेबसाइट के जरिए प्रवासियों ▸▸शेष पेज 5 पर

टॉयलेट के शीशे पर लिखा मैसेज

एयर इंडिया की फ्लाइट में हाईजैक की धमकी

कोलकाता एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप

एजेंसी ▸▸ कोलकाता



कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह एयर इंडिया की मुंबई जाने वाली फ्लाइट में हाईजैक की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के शौचालय के शीशे पर धमकी भरा संदेश लिखा मिला। इसकी जानकारी मिलते ही पायलट ने तत्काल एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को अलर्ट किया। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और विमान को आइसोलेशन बे में ले जाकर तलाशी अभियान शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार, एयर ▸▸शेष पेज 5 पर

मामलों के त्वरित निपटान पर रहेगा विशेष फोकस

लापरवाही, ढिलाई, कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगीः नायब

हिसार, फरीदाबाद, पलवल, रोहतक और भिवानी में स्थापित की जाएंगी स्पेशल न्यायालय

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

हरियाणा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) के नागरिकों को त्वरित न्याय दिलाने और उनके विरुद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि एससी-एसटी से जुड़े प्रत्येक मामले में निर्धारित 60 दिनों की अवधि के भीतर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि शत-प्रतिशत मामलों में इस समय-सीमा का पालन हो। पीड़ितों को न्याय दिलाने के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही, ढिलाई अथवा कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ▸▸शेष पेज 5 पर

किसान,मजदूर,कारपेंटर और मोची हुए शामिल

भाई दूज पर राहुल का अनूठा आयोजन, मेहनतकश और हुनरमंद परिवारों के साथ मनाया त्योहार

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भाई दूज के अवसर पर समाज के मेहनतकश और हुनरमंद तबकों के साथ भाई दूज का त्योहार मनाया। इस मौके पर उन्होंने देश के विभिन्न पेशों से जुड़े ऐसे लोगों को कांग्रेस मुख्यालय स्थित इंदिरा भवन में सपरिवार आमंत्रित किया है, जिनसे पिछले कुछ वर्षों के दौरान अलग-अलग अवसरों पर उनकी मुलाकात और संवाद होता रहा है।



राहुल गांधी के इस आयोजन में बढ़ई, मैकेनिक, नाई, मोची, रेलवे कुली, किसान, खेतिहर मजदूर, सब्जी विक्रेता, छोटे कारोबारी, डिलीवरी वर्कर्स, निर्माण श्रमिक और ▸▸शेष पेज 5 पर

प्रवासियों का आरोप, प्रदर्शनों की आड़ में खालिस्तान समर्थकों, पाकिस्तानी-बांग्लादेशी संगठनों के बीच संभावित सांठगांठ की जांच की जाए

लंदन में हुई भारत विरोधी गतिविधियों से खिन्न प्रवासी भारतीय, राष्ट्रपति मुर्मू को लिखा खुला पत्र

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

एसआईआर में गड़बड़ी के मामले पर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर बीते अक्टूबर महीने में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की अगुवाई में राष्ट्रीय राजधानी सहित देशभर में हुआ विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन तो हर खासो-आम को याद होगा। लगभग उसी दौरान सात समंदर पार लंदन में भी इनकी गूंज सुनाई दी थी। जिसके केंद्र में



और कुछ नहीं बल्कि भारत के विरोध का मुद्दा शामिल किया गया था। लेकिन अब इस मामले में एक नया मोड़ आ गया है। ब्रिटेन स्थित 50 प्रवासी भारतीय और सामुदायिक संगठनों ने लंदन में हुए प्रदर्शनों को ▸▸शेष पेज 5 पर

हिंसा फैलाने की ढाल नहीं बन सकते प्रदर्शन

पत्र में लंदन में हालिया समय में हुए दो प्रदर्शनों का विशेष तौर पर उल्लेख किया गया है। जिसमें पिछले महीने 16 अक्टूबर को भारतीय उच्चायोग के बाहर किया गया वामपंथी दलों के छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) का प्रदर्शन और उसके ठीक अगले दिन यानी 17 अक्टूबर को पार्लियामेंट स्क्वॉयर के बाहर हुआ दूसरा प्रदर्शन शामिल ▸▸शेष पेज 5 पर

औद्योगिक तंत्र की क्षमताएं और अधिक सशक्त बनेंगी

रक्षा मंत्रालय ने सीएसएल संग मरम्मत के लिए किया 500 करोड़ का समझौता

नए डीजल इंजन के साथ समुद्र में कदमताल करेगा नौसेना का बेतवा युद्धपोत

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

चीन-पाकिस्तान की तरफ से मिलती युद्ध की साझा चुनौती के बीच नौसेना अपनी रणनीतिक युद्धक क्षमता को तेजी के साथ मजबूत बनाने में लगी हुई है। इसी कवायद के बीच अब उसके ब्रह्मपुत्र श्रेणी के एक अहम जंगी युद्धपोत आईएनएस बेतवा (गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट) की मरम्मत की जाएगी। जिसके लिए बुधवार को नई दिल्ली स्थित रक्षा मंत्रालय में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के साथ कुल करीब 498.58 करोड़ रुपए के एक समझौते पर ▸▸शेष पेज 5 पर



भाप की जगह पर डीजल इंजन लगेगा

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि युद्धपोत की मरम्मत के दौरान जो सबसे बड़ा बदलाव किया जाएगा। उसमें पूर्व में लगाई गई भाप आधारित इंजन ▸▸शेष पेज 5 पर

4 दर्जन से अधिक एमएसएमई को होगा लाभ

आईएनएस बेतवा की मरम्मत, रखरखाव और नवीनीकरण से जुड़ी इस परियोजना के जरिए स्वदेशी औद्योगिक तंत्र की क्षमताएं और अधिक सशक्त बनेंगी। खासतौर पर इसकी जटिल प्रणोदन यानी इंजन प्रणाली में बदलाव तथा नौसैनिक प्लेटफार्म के आधुनिकीकरण के क्षेत्र में भारत की तकनीकी, औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। युद्धपोत में बदलाव की इस पूरी प्रक्रिया को लेकर मंत्रालय का मानना है कि इसमें कुल 50 से अधिक सूक्ष्म, लघु ▸▸शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में बुधवार को एक ट्रक की चपेट में आने से 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहित के रूप में हुई है। हादसे के समय वह सड़क किनारे चल रहा था। पुलिस के अनुसार ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन भी किया। लोगों का दावा था कि बार-बार फोन करने के बावजूद पुलिस और एम्बुलेंस देर से मौके पर पहुंची। इस दौरान लोगों ने सड़क जाम कर दी और चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह 10.37 बजे हादसे के संबंध में पीसीआर को सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में मृतक की पहचान रोहित के रूप में हुई। उन्होंने यह भी दावा किया कि इलाके में सीसीटीवी कैमरे ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि वाहन की पहचान करने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की पड़ताल की जा रही है।

रिक्शा चालक की हत्या कर शव नाले में फेंका

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में बुधवार को 62 वर्षीय रिक्शा चालक की हत्या कर शव को नाले में फेंक दिया गया। मृतक की पहचान जहांगीरपुरी निवासी गोवर्धन के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी विकास (32) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान पता चला कि गोवर्धन और विकास ने शराब पी हुई थी। बुधवार तड़के लगभग चार बजे दोनों का किसी बात पर झगड़ा हुआ जिसके बाद विकास ने गोवर्धन पर डंडे से हमला किया। इसमें उसकी मौत हो गई। पुलिस ने डंडा भी शव के पास से ही कब्जे में लिया। क्राइम और फोरेंसिक टीमों ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किये। प्रारंभिक जांच में शरीर पर चोट के निशान पाए गए है, जिससे लगता है कि पीड़ित को पीट पीटकर मारा गया और उसके शव को नाले में फेंक दिया गया। मृतक के परिजनों के मुताबिक, गोवर्धन तड़के काम पर जाने के लिए घर से निकला था। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

हत्या के मामले में चार नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के शाहबाद डेयरी थाना अंतर्गत प्रकाश विहार में हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने चार नाबालिगो को पकड़ा है। सोमवार तड़के 24 वर्षीय रोशन शाह को मामूली कहासुनी के बाद चार लोगों ने ईंटों से मारा और चाकू घोंपकर कर जख्मी कर दिया था। रोशन को तुरंत डॉक्टर बीएसए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था। पुलिस के अनुसार एक प्रत्यक्षदर्शी के बयान के आधार पर शाहबाद डेरी थाने में मामला दर्ज कर किया गया था। जांच के दौरान आसपास के इलाकों में लगे 120 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इसके बाद चारों किशोरों को घटना के कुछ ही घंटों बाद पकड़ लिया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू और घटना के वक्त चारों किशोरों द्वारा पहने गए खून से सने कपड़े भी बरामद कर लिए हैं।

दिल्लीभर में जारी रहेंगे औचक निरीक्षण: राजीव भार्गव

बिना लाइसेंस वाले आवासीय परिसर से करीब 14 लाख रुपये मूल्य की दवाएं जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭| नई दिल्ली



दिल्ली सरकार के औषधि नियंत्रण विभाग (ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट) ने दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर बड़ी कार्रवाई करते हुए मादीपुर गांव स्थित एक बिना लाइसेंस वाले आवासीय परिसर से करीब 14 लाख रुपये मूल्य की दवाएं जब्त की हैं। औषधि नियंत्रण विभाग के लाइसेंसिंग अथॉरिटी एवं कार्यालय प्रमुख राजीव भार्गव ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई 4 और 5 नवंबर 2026 को चलाए गए अभियान के दौरान की गई। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। विभाग के अनुसार, संबंधित आवासीय परिसर में बिना जरूरी लाइसेंस के बिक्री और वितरण के उद्देश्य से दवाओं का भंडारण किया गया था। जब्त की गई दवाओं की गुणवत्ता भी संदिग्ध मानी जा रही है। औषधि निरीक्षक ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत दवाओं का स्टॉक जब्त किया है और प्रयोगशाला में जांच के लिए उनके नमूने भी लिए हैं। विभाग ने बताया कि जब्त दवाओं की अभिरक्षा और आरोपियों के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई के लिए अदालत से आवश्यक आदेश लेने सहित कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इस मामले में अधिनियम की धारा 18(सी) और 18(ए) सहित संबंधित दंडात्मक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। विभाग के लाइसेंसिंग अथॉरिटी एवं कार्यालय प्रमुख राजीव भार्गव ने दोहराया है कि दिल्लीभर में दवा प्रतिष्ठानों के निरीक्षण, औचक जांच, दवाओं के नमूने लेने और प्रवर्तन अभियान आगे भी जारी रहेंगे। विशेष रूप से बिना लाइसेंस दवाओं के कारोबार, डॉक्टर के पर्चे वाली दवाओं की अनधिकृत बिक्री और एंटीबायोटिक के दुरुपयोग पर निगरानी रखी जाएगी।

एमटीपी किट की बिक्री और सीसीटीवी व्यवस्था भी जांची

औषधि नियंत्रण विभाग के अनुसार, विशेष अभियान के दौरान मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) किट की अनधिकृत बिक्री और दवा प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने संबंधी नियमों के अनुपालन की भी जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ कानून के अनुसार आगे की नियामक कार्रवाई की जाएगी।

एंटीबायोटिक का गलत इस्तेमाल बन रहा सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा

औषधि नियंत्रण विभाग ने कहा कि एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) तेजी से उभरता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। इसका एक प्रमुख कारण एंटीबायोटिक दवाओं का बिना जरूरत और गलत तरीके से इस्तेमाल है। डॉक्टर की सलाह और चिकित्सकीय निगरानी के बिना ऐसी दवाओं की बिक्री न केवल मरीजों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, बल्कि इससे भविष्य में संक्रमण फैलाने वाले जीवाणुओं पर दवाओं का असर भी कम हो सकता है। विभाग के अनुसार, बिना लाइसेंस दवाओं का भंडारण और वितरण करने से उनकी गुणवत्ता, स्रोत और सुरक्षित आपूर्ति की निगरानी प्रभावित होती है। वहीं, वैध चिकित्सकीय पर्चे के बिना एंटीबायोटिक दवाएं देना उनके जिम्मेदार इस्तेमाल की व्यवस्था को कमजोर करता है। विभाग प्रशासन ने चेतावनी दी है कि दवाओं की खरीद, भंडारण और बिक्री निर्धारित कानूनी नियमों के तहत ही होनी चाहिए। एंटीबायोटिक दवाओं को सामान्य ओवर-द-काउंटर दवाओं की तरह नहीं बेचा जा सकता। ऐसी हर अनधिकृत बिक्री मरीजों के स्वास्थ्य को खतरे में डालती है और एंटीबायोटिक प्रतिरोध के बढ़ते संकट को गंभीर बनाती है।

62 दवा प्रतिष्ठानों की जांच, 37 में नियमों का उल्लंघन

औषधि नियंत्रण विभाग प्रशासन ने बताया कि दूसरी ओर, एंटीबायोटिक दवाओं की मनमानी और बिना अनुमति बिक्री पर रोक लगाने तथा एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर यानी रोगाणुरोधी प्रतिरोध) के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए विभाग ने दिल्ली में विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान कुल 62 थोक और खुदरा दवा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इनमें से 37 प्रतिष्ठानों यानी करीब 60 प्रतिशत में नियमों का उल्लंघन पाया गया। विभाग के मुताबिक, कृष्णा नगर, जीटीबी नगर (किंग्सवे कैंप) और रोहिणी में 41 दवा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इनमें से 25 प्रतिष्ठानों में अनियमितताएं सामने आईं। प्रमुख खामियों में पंजीकृत फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में दवाओं की बिक्री, दवाओं की खरीद-बिक्री का उचित रिकॉर्ड नहीं रखना और वैध डॉक्टर के पर्चे के बिना डॉक्टर की सलाह पर मिलने वाली दवाएं बेचना शामिल है। इसी तरह एम्स और सफदरजंग अस्पताल के आसपास स्थित 21 दवा प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इनमें से 12 प्रतिष्ठानों में नियमों का उल्लंघन मिला। निरीक्षण के दौरान दवाओं की गुणवत्ता की जांच के लिए 110 नमूने भी एकत्र किए गए हैं।

पॉक्सो केस में 63 साल के व्यक्ति को 20 साल का कारावास



नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी जिले में एक नाबालिग लड़की के बार-बार यौन उत्पीड़न और गर्भवती होने के मामले में अदालत ने 63 वर्षीय व्यक्ति को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही लाखों रुपये का जुर्माना भी लगाया है। डीसीपी अमित गोयल के अनुसार व्यक्ति को हाल में अदालत ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया तथा उस पर 1.1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। गोयल के अनुसार मामला छह फरवरी 2025 को सामने आया था। एक गर्भवती नाबालिग लड़की के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी पुलिस को मिली थी। जांच के दौरान लड़की ने खुलासा किया कि आरोपी ने उसे धमकी देकर कई बार उसका यौन शोषण किया था। फॉरेंसिक जांच से पता चला कि आरोपी भ्रूण का जैविक पिता था, जिससे पीड़िता के बयान की पुष्टि हुई और अभियोजन पक्ष का मामला मजबूत हुआ।

चार साल का बच्चा सीवर में गिरा, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭| नई दिल्ली

■ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास टुकड़ों में मिला शव

बाहरी दिल्ली के रनहोला इलाके में चार साल के बच्चे की सीवर में गिरने से मौत हो गई है। बच्चे की खोज में करीब 24 घंटे का समय लगा। बुधवार को शव वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास टुकड़ों में बरामद हुआ।

पुलिस के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 3:21 बजे रनहोला थाने को सूचना मिली कि खेलते समय एक बच्चा सीवर में गिर गया है। इसके बाद दमकल और एनडीआरएफ की टीम ने उसे तलाशना शुरू किया। पुलिस के अनुसार जिस जगह बच्चा गिरा वह जगह नाले के किनारे स्थित है और नाले के साथ सर्विस रोड के पास सीवर लाइन गुजरती है। खोज अभियान के दौरान, बचाव दल बुधवार को नाले और सीवर लाइन के रास्ते आगे बढ़ते हुए निहाल विहार स्थित निलोठी जल शोधन संयंत्र तक पहुंचे, जहां बच्चे का शव कई टुकड़ों में मिला। शव को मौके से सावधानीपूर्वक निकालकर पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल भेजा गया है। मृतक बच्चे की पहचान की पुष्टि के लिए डीएनए जांच कराई जाएगी। पुलिस ने बताया कि चार वर्षीय बच्चा अपनी मां के साथ मोहन गार्डन में सोम बाजार वाली गली से दास गार्डन पार्क आया था तथा नाले की ओर जाते समय वह सीवर में गिर गया।

बस अड्डों व रेलवे स्टेशनों के बाहर यात्रियों को निशाना बनाने वाले चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭| नई दिल्ली



पूर्वी जिला पुलिस ने रेलवे स्टेशनों और अंतरराज्यीय बस अड्डों के बाहर यात्रियों को निशाना बनाने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश कर चार लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम उत्तर प्रदेश के संभल निवासी वीर सिंह (35), खोड़ा कॉलोनी निवासी विजय उर्फ मोनू (40) और विकास उर्फ कालिया (31) तथा दिल्ली के ईस्ट विनोद नगर निवासी किशनपाल (37) बताये गये हैं।

डीसीपी राजीव कुमार के अनुसार विजय उर्फ मोनू पहले भी तीन आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। दो नवंबर को तड़के आनंद विहार आईएसबीटी के बाहर से एक यात्री को साझा टैक्सी में बैठाकर नकदी व सामान लूटा गया था और यूपीआई के जरिए जबरन सात हजार रुपये ट्रांसफर कराए गए थे। इसी तरह पांच नवंबर को भी इसी गिरोह ने इलाके में लूट की दूसरी वारदात को अंजाम दिया था। गिरोह के सदस्य आईएसबीटी और रेलवे स्टेशनों के बाहर खुद को टैक्सी या ऑटो-रिक्शा चालक के रूप में पेश करते थे और यात्रियों को साझा सवारी का झांसा देकर गाड़ी में बिठाते थे। थोड़ी दूर जाने पर यात्रियों से नकदी, मोबाइल व कीमती सामान छीन लेते थे। डीसीपी ने बताया कि साथ ही पीड़ितों से यूपीआई से जबरन पैसे स्थानांतरित करवाये जाते थे। पुलिस ने दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद और स्थानीय गुप्त सूचना के आधार पर खोड़ा कॉलोनी में जाल बिछाकर तीन आरोपियों को पकड़ा। बाद में उनकी निशानदेही पर चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इनकी गिरफ्तारी से पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र थाने में दर्ज लूट के चार मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने इनके पास से वारदात में इस्तेमाल कार, एक लूटा हुआ मोबाइल फोन और 3,800 रुपये नकद बरामद किए हैं। आरोपियों ने एक दर्जन से अधिक अन्य वारदातों में शामिल होने का खुलासा किया है, जिसकी जांच की जा रही है।

दुकान में लगी आग, फंसे चार लोगों का हुआ रेस्क्यू

नई दिल्ली। निलोठी इलाके में बुधवार को एक इमारत के भूतल पर स्थित पंचर की दुकान में आग लग गई। इस बीच दूसरी मंजिल पर चार लोग आग में फंस गये। उन्हें सीढ़ियों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि दोपहर साढ़े 12 बजे निलोठी के शिव राम पार्क एक्सटेंशन-2 में सिलेंडर में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग इमारत के भूतल पर पंचर लगाने वाली दुकान में तीन बाइक और दो कंप्रेशर में लगी थी। आग लगने के कारण इमारत की दूसरी मंजिल से सीढ़ी लगाकर चार लोगों को निकाला गया है। आग पर दोपहर डेढ़ बजे तक काबू पा लिया गया।

सीपी ने किया शाहदरा में डीसीपी कार्यालय का उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने बुधवार को शाहदरा जिले में डीसीपी कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान एक 'संपर्क सभा' भी आयोजित की गई जिसमें पुलिस कर्मियों के साथ कमिश्नर ने बातचीत की। नया कार्यालय जीटी रोड पर श्याम लाल कॉलेज के पास शाहदरा थाने की पहली मंजिल पर स्थापित किया गया है और इसे अस्थायी रूप से यहां स्थानांतरित किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इससे लोगों को अपनी समस्याएं सीधे डीसीपी के सामने रखने में सहूलियत होगी। अब तक शाहदरा के डीसीपी का कार्यालय विश्वास नगर के फर्श बाजार इलाके में था। नए परिसर में कार्यालय शुरू होने के बाद स्थानीय लोग पुलिस संबंधी शिकायतों और जरूरी मामलों को लेकर सीधे डीसीपी से मिल सकेंगे। उद्घाटन के बाद कुमार ने वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया और जिले के पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित 'संपर्क सभा' में स्टाफ की चिंताओं, विचारों और सुझावों को सुना। बातचीत के दौरान उन्होंने कर्मियों से अनुशासन, टीम वर्क, जवाबदेही और सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए समर्पण, ईमानदारी और पेशेवरता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आग्रह किया। सीपी ने कहा कि शाहदरा के डीसीपी के पुराने कार्यालय को खतरनाक घोषित किया गया है और उस इमारत में काम करना पुलिस कर्मियों और वहां आने वाले लोगों के लिए सुरक्षित नहीं था। इसलिए यहां जीटी रोड पर शाहदरा थाने में इसे अस्थायी रूप से स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने कहा कि फर्श बाजार में नई इमारत बनाई जाएगी।

ऑटो टैक्सी चालकों ने दी प्रदर्शन की चेतावनी

■ मैन्युअल फिटनेस जांच शुरू नहीं होने से है नाराज

नई दिल्ली। दिल्ली के ऑटो टैक्सी चालकों ने परिवहन विभाग अंतर्गत बुराड़ी वीआईयू में मैन्युअल फिटनेस जांच शुरू नहीं करने पर सवाल उठाते हुए विरोध प्रदर्शन व भूख हड़ताल की चेतावनी दी है। इस बारे में ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन व ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस प्रकोष्ठ दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष किशन वर्मा ने कहा कि अगर 15 नवंबर तक हमारी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं हुआ तो 20 नवंबर से सीएम आवास पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। किशन वर्मा ने बताया कि 10 नवंबर 2026 की शाम परिवहन आयुक्त के कार्यालय से सचिव मनोज कुमार ने संगठन को जानकारी दी गई थी कि 11 नवंबर से बुराड़ी फिटनेस सेंटर पर मैन्युअल फिटनेस जांच का कार्य दोबारा शुरू कर दिया जाएगा। बकायदा इस संबंध में दोनों डीटीओ को निर्देश भी दे दिए गए हैं। संगठन ने इस निर्णय का स्वागत किया था, ऐसे में 11 नवंबर को सुबह से ही बुराड़ी फिटनेस सेंटर पर हजारों ऑटो-टैक्सी चालक फिटनेस जांच के लिए पहुंच गए, इसके बावजूद जांच का कार्य शुरू नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि चालकों की शिकायत है कि एमवीआई इंस्पेक्टर ने फिटनेस जांच शुरू नहीं की और दोनों डीटीओ भी अपने कार्यालयों में मौजूद नहीं थे। इसके अलावा ऑनलाइन पोर्टल पर मैन्युअल फिटनेस की फीस जमा करने और स्लॉट बुक करने की सुविधा भी उपलब्ध नहीं हो रही थी। संगठन ने इस परिस्थिति से परिवहन आयुक्त को भी अवगत कराया है। वर्मा ने बताया कि अब 12 नवंबर 2026 को आंतरिक परिवहन आयुक्त के साथ संगठन प्रतिनिधिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक निर्धारित हुई है।

'एक्स' को फर्जी नोटिस मामले में एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक वरिष्ठ अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर कर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दो संगठनों के अकाउंट को ब्लॉक करने के लिए जारी किए गए नकली नोटिस के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। फर्जी पहचान और जालसाजी के मामले को गंभीरता से लेते हुए अपराध शाखा ने अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है कि ये फर्जी नोटिस किसने भेजे थे। यह मामला छह नवंबर को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष सुनवाई के दौरान सामने आया। 'एक्स' ने अदालत को बताया कि एक आंतरिक जांच से यह स्थापित हुआ है कि दिल्ली पुलिस के नाम पर जारी किए गए नोटिस फर्जी थे। सोशल मीडिया मंच ने अदालत को बताया कि व्यक्ति ने खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताकर धोखाधड़ी से इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन (आईएफएफ) और सॉफ्टवेयर फ्रीडम लॉ सेंटर के सोशल मीडिया अकाउंट को बंद कराने की मांग की थी। उधर 'एक्स' ने स्पष्ट किया कि उसने कथित नोटिस के आधार पर अकाउंट को ब्लॉक नहीं किया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अरविंद, पुत्रः राम प्रकाश, पताः ए–359, मंगोलपुरी, दिल्ली** ने **FIR No. 1527/2021, 12/9/55 G. Act. पुलिस थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अरविंद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अरविंद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1527/2021, 12/9/55 G. Act. पुलिस थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के अभियुक्त **अरविंद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.02.2027** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – श्री रीतिका जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, उत्तर पश्चिम
DP/16219/OD/2026 न्यायालय न. 105, रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **ओमपाल सिंह पुत्र श्री सौदागर पताः मकान नंबर एफ/18, जीएन 4, जगजीवन नगर, शाहदरा, दिल्ली CC NI Act 748/2021, U/S 138 NI Act थानाः के.एन. काटजू, मार्ग दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया हैकि उक्त अभियुक्त **ओमपाल सिंह** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गए है कि उक्त अभियुक्त **ओमपाल सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC NI Act 748/2021, U/S 138 NI Act थानाः के.एन. काटजू, मार्ग दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **ओमपाल सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री आकाश शर्मा
DP/16338/RD/2026 जेएमएफसी–03, कमरा नंबर 213
(Court Matter) रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, सोनीपत।

FIR NO 292 DATE 08.11.2026 धारा 281,106 बी.एन.एस. थाना औद्योगिक क्षेत्र बड़ी जिला सोनीपत ।

नाश की पहचान

नाम- नामपता नामालूम ।
पिता का नाम-नामालूम।
पता- नामालूम।
कद-5 फुट 7 इंच ।
उम्र-करीब 30/35 वर्ष ।
हुलियाः- रंग गोरा, लम्बुतरा चेहरा, हष्ट पुष्ट शरीर, काले बाल।
पहनावाः हरे रंग की गोल गले की टी-शर्ट जिस पर BROOKLYN EAST 007 लिखा है, काले रंग का लोवर पहने हुए है।



सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 07.11.2026 की रात को एक नामपता नामालूम पुरुष की नाश डिबाईन सिटी गेट के सामने जी.टी रोड़ पर RSA में मिली है। नाश की शिनाख्त नहीं हो सकी है। नाश की शिनाख्त हेतु सिविल हस्पताल सोनीपत की मोर्चरी में रखवाया गया है। अगर किसी को उपरोक्त नाश के बारे में कोई सुराग/सूचना मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करे।

प्रबन्धक थाना मो. न. - 7419410541
अनुसंधान कर्ता मो. न.- 9991863360
पुलिस कन्ट्रोल रुम सोनीपत - 0130-2222903

हस्ता/-अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त ।
मुख्यालय, सोनीपत ।
पीआरडीएच-1084/11/5591/2027/50924/88/7 दि. 11.11.26

तेज हवाओं व बारिश की उम्मीद नहीं

नहीं मिल रही प्रदूषण से राहत एक्यूआई 300 तक हो रहा दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭| नई दिल्ली

दिल्ली सरकार, एमसीडी व अन्य निकायों द्वारा तमाम कवायद करने के बावजूद दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 तक दर्ज हो रहा है। ऐसे में राहत नहीं मिल रही है और फिलहाल तेज हवाओं व बारिश की भी दूर दूर तक संभावनाएं नजर नहीं आ रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के लाइव डेटा के अनुसार आईआईटी दिल्ली में पीएम 10, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 380 दर्ज हुआ। इसी प्रकार छावला 379 , चांदनी चौक 372, नॉर्थ कैंपस 370, आईटीओ 366, चांदनी चौक 398, डीटीयू 398, नॉर्थ कैंपस 391, आईटीओ 379, एनएसयूआईटी जाफरपुर 378, बुराड़ी क्रॉसिंग 375, पूसा पश्चिम 369, एनएसआईटी द्वारका 362 , एनआईएच नरेला 360, पंजाबी बाग 360, जेएनयू 360, सीआरआरआई मथुरा रोड 356, आया नगर 343, तालकटोरा गार्डन 341, जहांगीरपुरी 340, इहबास 339, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स 339, नांगलोई 337, सिरीफोर्ट 335, वजीरपुर 334, विवेक विहार शाहदरा 329, नेहरू नगर 325, बदरपुर 324, मुंडका 318, अशोक विहार 315, टिकरी कलां 313, बवाना 312, धुम्मा हेडा 312, शादीपुर 311, आनंद विहार 309, उत्तम नगर 308, आर के पुरम 303, रोहिणी 302, इग्नू मैदान गढ़ी 299, झड़ौदा कलां 297, द्वारका सेक्टर - 8, 294, ओखला फेज-2 291, जेएनयू स्टेडियम 290, डा.कर्ण सिंह शूटिंग रेंज 290, सोनिया विहार 289, आईजीआई एयरपोर्ट (टी3) 286, मंदिर मार्ग 281, मैदानगढ़ी 280, अलीपुर 280, नरेला 276, पटपड़गंज 274, श्री अरबिंदो मार्ग 254, वसुंधरा एंक्लेव 249, पूसा 247, कराला 245, मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम 239, लोधी रोड 231, आईएमडी लोधी रोड 220, घोघा 211, कैंटोनमेंट एरिया 119 एक्यूआई दर्ज हुआ।

आंखों पर काली पट्टी बांध किया प्रदर्शन

आप प्रतिनिधिमंडल ने की सीएएक्यूएम सदस्य सचिव से मुलाकात



नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण के मामले पर चल रही आरोप प्रत्यारोप की राजनीति अब बढ़ती जा रही है। इस मामले पर बुधवार को आम आदमी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएएक्यूएम) कार्यालय में सदस्य सचिव से मुलाकात की। इसके अलावा आप नेताओं ने अपनी आंखों पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन भी किया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज व एमएलए कुलदीप कुमार शामिल थे। अगर सौरभ की मानें तो मुलाकात के दौरान सीएएक्यूएम ने माना है कि एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन पर पानी छिड़कना गलत है इसको लेकर कार्रवाई करेगा। वहीं प्रदूषण बढ़ने पर डेटा ब्लैकआउट रोकने के लिए सीएक्यूएम सीपीसीबी से उपकरण बदलवाएगा। भारद्वाज ने कहा कि सरकार हरे-भरे इलाकों में मॉनटरिंग सिस्टम लगाकर और स्टेशनों पर पानी छिड़क कर लोगों को मूर्ख बना रही। ऐसा पहली बार नहीं बल्कि 2025 में दिवाली पर भी ऐसा ही करके एक्यूआई कम दिखाया था। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि सीएक्यूएम जल्द ही प्रदूषण के डेटा में फर्जीवाड़ा करने वाले दिल्ली सरकार के अधिकारियों पर कार्रवाई करेगा। इस बारे में एमएलए कुलदीप कुमार ने कहा कि सीएक्यूएम के अधिकारी अपनी आंखों पर पट्टी बांध कर बैठे हुए हैं। इधर दिल्ली की जनता प्रदूषित हवा से मर रही है। प्रदूषित हवा से लोग बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती हो रहे हैं।

‘1,400 ट्रक मलबा-कचरा निकालकर किया कायाकल्प’

11 किलोमीटर लंबा छठ घाट दिल्ली को समर्पित करेगी सरकार: रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- आज नितिन नबीन करेंगे भव्य घाट का उद्घाटन
- मुनक नहर की एक साल में बदल दी तस्वीर : मुख्यमंत्री



दिल्ली सरकार मुनक नहर स्थित 11 किलोमीटर लंबा छठ घाट जनता को समर्पित करेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 12 नवंबर (आज) को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भव्य घाट का उद्घाटन करेंगें। इस नहर के दोनों किनारों पर श्रद्धा, सुविधा और सौंदर्य का अनूठा केंद्र विकसित हो रहा है। सिंगलपुर गांव के निकट लेबर चौक, मुनक नहर, शालीमार बाग में दोपहर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सहित केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री व अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि छठी मैया की आराधना, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर दिल्ली में इस बार एक नया इतिहास रचने की तैयारी है। दिल्ली सरकार ने मुनक नहर के किनारे लगभग 11 किलोमीटर लंबे भव्य छठ घाट का निर्माण कराया गया है। यह न केवल राजधानी का सबसे लंबा छठ घाट होगा, बल्कि देश में किसी नहर के किनारे विकसित होने वाला अपनी तरह का पहला और अनूठा आयोजन स्थल भी होगा। दिल्ली सरकार पूर्वांचल की संस्कृति, परंपराओं और आस्था को पूरा सम्मान देते हुए राजधानी को विकास के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मुनक नहर वर्षों से अपने कायाकल्प की प्रतीक्षा कर रही थी। दिल्ली सरकार ने महज एक साल में इसकी तस्वीर बदलने का काम किया है। नहर के किनारे 11 किलोमीटर लंबे भव्य छठ घाट का निर्माण कर इसे छठी मैया के भक्तों की सेवा के लिए समर्पित किया जा रहा है। यह केवल सीढ़ियों, सड़कों और अन्य सुविधाओं का निर्माण नहीं है, बल्कि दिल्ली में रहने वाले लाखों पूर्वांचलवासियों की आस्था, परंपरा और भावनाओं का सम्मान है। छठ महापर्व हमारी संस्कृति में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, परिवार की सुख-समृद्धि और लोककल्याण की भावना का प्रतीक है। उगते और डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की यह परंपरा हमें प्रकृति के साथ संतुलन और सामूहिकता का संदेश देती है।

इस परियोजना से शालीमार बाग, वजीरपुर, मॉडल टाउन, आदर्श नगर और बादली विधानसभा क्षेत्रों के हजारों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। विशेष रूप से पूर्वांचल से जुड़े उन परिवारों के लिए यह एक बड़ी सौगात है, जिनके जीवन में छठ महापर्व का विशेष धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व है। अब उन्हें पूजा-अर्चना के लिए बेहतर सुविधाओं से युक्त एक विशाल और व्यवस्थित स्थल उपलब्ध होगा। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा विकसित किया जा रहा यह परिसर भविष्य में छठ महापर्व के अलावा आम दिनों में भी लोगों के लिए सैर-सपाटे, बैठने और प्रकृति के बीच समय बिताने का आकर्षक केंद्र बनेगा।

नहर के दोनों किनारों पर पक्की सीढ़ियां और सीमेंट की सड़कें बनाई जा रही हैं ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को सूर्योपासना के लिए घाट तक पहुंचने तथा पूजा-अर्चना करने में किसी तरह की परेशानी न हो। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम, शौचालय, टेंट व्यवस्था और पर्याप्त प्रकाश का प्रबंध किया जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा लोगों के बैठने के लिए बेंच, हरियाली और सौंदर्यीकरण की व्यवस्था भी परियोजना का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री की निगरानी में हुआ विशेष छठ घाट का निर्माण

मुनक नहर का यह कायाकल्प केवल निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित पड़े क्षेत्र को आस्था, स्वच्छता, हरियाली और जनसुविधाओं के बड़े केंद्र में बदलने का प्रयास है। कभी गंदगी, मलबे और झाड़ियों से घिरी रहने वाली नहर को नया जीवन देने के लिए सरकार ने व्यापक सफाई अभियान चलाया। सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, लंबे समय से अनुपयोगी पड़े नहर के इस हिस्से से करीब 1,400 ट्रक मलबा, कचरा और अन्य गंदगी निकाली गई। इसके दोनों किनारों से अतिक्रमण हटाकर एक सुंदर और व्यवस्थित छठ घाट विकसित करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वयं इस परियोजना लगातार निगरानी की और कई बार मौके पर पहुंचकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर किए गए हैं व्यापक इंतजाम: प्रवेश



नई दिल्ली। दिल्ली में छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर दिल्ली सरकार ने व्यापक इंतजाम किए हैं। इसे देखते हुए दिल्ली के लोक निर्माण विभाग एवं सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मंगलवार को आईटीओ स्थित हाथी घाट का दौरा कर वहां छठ पूजा के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने घाट पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली। इस दौरान सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी भी मौजूद रहे। मंत्री प्रवेश ने कहा कि दिल्ली में लाखों श्रद्धालुओं के छठ पूजा में शामिल होने की संभावना को देखते हुए सरकार द्वारा राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। छठ पूजा के लिए दिल्ली में कुल 996 स्थानों पर 1,482 घाटों की व्यवस्था की गई है। इनमें 53 स्थानों पर 81 स्थायी घाट, 914 स्थानों पर 1,372 अस्थायी घाट और यमुना नदी के किनारे 29 स्थानों पर 29 घाट शामिल हैं। कैबिनेट मंत्री प्रवेश ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हमारी सरकार का प्रयास है कि दिल्ली में छठ मनाने वाले हर परिवार को बेहतर सुविधाएं मिलें। चाहे स्थायी घाट हों, अस्थायी घाट हों या यमुना किनारे बनाए गए घाट, हर जगह श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिले। छठ पूजा दिल्ली की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम चाहते हैं कि हर परिवार इस महापर्व को पूरे उत्साह, श्रद्धा और खुशी के साथ मना सके। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और दिल्ली जल बोर्ड द्वारा सभी निर्धारित घाटों पर तैयारियों को पूरा करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है, ताकि राजधानी के श्रद्धालु स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में छठ महापर्व मना सकें।

विजेंद्र ने छठ पूजा की तैयारियों का लिया जायजा



नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अपने विधानसभा क्षेत्र रोहिणी में बुधवार को पांच छठ घाटों का निरीक्षण किया और छठ पूजा के आयोजन के लिए साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, आवागमन की सुविधा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के पहुंचने से पहले सभी आवश्यक सुविधाएं पूरी तरह तैयार और क्रियाशील होनी चाहिए। गुप्ता ने कहा कि छठ पूजा गहरी आस्था और श्रद्धा का पर्व है। प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा, सुविधा और सम्मान सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। पर्व शुरू होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली जानी चाहिए, ताकि सार्वजनिक सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय छठ पूजा का आयोजन 13 से 16 नवंबर 2026 तक किया जाएगा।

दूध की कीमतों में वृद्धि लोगों की रसोई के बजट पर सीधा प्रहार : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बुधवार को कहा कि जब देश और दिल्ली भर में लोगों पर महंगाई का बोझ हर बढ़ रहा है, तब ट्रिपल इंजन भाजपा सरकार द्वारा गुरुवार 12 नवंबर से दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने का कदम लोगों की रसोई के बजट पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि पहले से ही चीनी, तेल, सब्जी, सीएनजी, एलपीजी सहित पेट्रोल-डीजल की कीमतें तेजी से बढ़ गई हैं, जिससे आम लोगों की रसोई और व्यवहारिक जीवन तंगी से गुजर रहा है। देवेंद्र यादव ने कहा कि दूध की कीमत हाल ही में बढ़ाई गई है और दूध की कीमत बढ़ाने का वर्तमान कदम लोगों की आजीविका के प्रति भाजपा सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सरकार में आने से पहले और आने के बाद लोगों को लुभाने के लिए जो वादे किए, उनमें से किसी को भी लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि कमरतोड़ महंगाई में दूध की कीमतों में वृद्धि की कार्यवाही से लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने दिल्ली की जनता को गुमराह करने के लिए खोखले वादे करने के बजाय अपने शब्दों और कार्यों का अमल करके उन्हें जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को क्रियान्वित करना चाहिए।

सरकार की लापरवाही से दिल्ली बनी गैस चैंबर, सांस के मरीजों की संख्या बढ़ी : यादव



नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बुधवार को कहा कि बढ़ते प्रदूषण के कारण दिल्ली गैस चैंबर बन गई है और सांस की बीमारी से पीड़ितों की संख्या अस्पतालों में बढ़ गई है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की असंवेनशीलता के कारण कई अस्पतालों में अस्थमा सहित सांस संबंधी बीमारी से पीड़ित रोगियों को भर्ती बढ़ने से बेड की कमी पड़ रही है, कई मरीज घर पर बैठे हैं और बड़ी संख्या में बेड और दवाओं की कमी के कारण अस्पतालों के बाहर बैठकर अपने इलाज का इंतजार कर रहे हैं। यादव ने भारी प्रदूषण के बीच खद भी मास्क पहन कर लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल का दौरा कर मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि खतरनाक स्तर पर प्रदूषण के दौरान अस्पताल की व्यवस्था देखकर लगता है कि दिल्लीवासियों का भाग्य अब भगवान भरोसे है, क्योंकि केवल तेज हवाएं और बारिश ही दिल्ली के प्रदूषण को कम कर सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है, उन्होंने जनता से केवल खोखले वादे किए हैं। यादव ने रोगियों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए अस्पताल के वार्डों का दौरा किया जहां हालात दयनीय थे।



खबर संक्षेप

अवैध नशा के अलग-अलग मामलों में दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। नशा तस्करी के खिलाफ फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाकर अवैध नशा में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच सेंट्रल व सेक्टर-16 की टीम ने गांजा बेचने के दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल 829 ग्राम गांजा बरामद किया है।



वास्तविक मालिकों को सौंपे मोबाइल फोन



फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की सेंट्रल जोन साइबर सेल ने तकनीकी दक्षता और डिजिटल ट्रैकिंग के प्रभावी उपयोग से 8 लाख रुपए से अधिक कीमत के 42 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। डीसीपी सेंट्रल राजेश मोहन ने अपने कार्यालय में बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे।

6वीं मंजिल से गिरकर बैंक फाइनेंसकर्मी की मौत

गाजियाबाद। नंदग्राम क्षेत्र में रात फ्लैट की छठी मंजिल से गिरकर अमरोहा निवासी अंकित चौहान की मौत हो गई। अंकित निजी बैंक फाइनेंस का काम करते थे और फ्लैट की रेलिंग पर बैठकर सिगरेट पी रहे थे। वहीं युवक के पिता ने बहु पर धक्का देने का आरोप लगाया है। संतुलन बिगड़ने पर उन्होंने रेलिंग पकड़कर शोर मचाया, लेकिन लोगों के पहुंचने से पहले उनके हाथ फिसल गए और वह नीचे गिर पड़े। उन्हें संजय नगर स्थित अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।



सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिशा निर्देश जारी

छठ पूजा के पावन पर्व की तैयारियों को लेकर दिशा निर्देश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

भैया दूज और आगामी छठ पूजा के पावन पर्व को दृष्टिगत रखते हुए मुरादनगर क्षेत्र स्थित गंग नहर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरेन्द्र नाथ तिवारी, पुलिस उपायुक्त ग्रामीण द्वारा एसीपी मसूरी और थाना अध्यक्ष मुरादनगर के साथ गंग नहर क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के उद्देश्य से प्रमुख बिंदुओं पर दिशा-निर्देश जारी किए।

- *पुलिस उपायुक्त ने किया गंग नहर क्षेत्र का निरीक्षण*
- *प्रमुख बिंदुओं के दिशा-निर्देश जारी*
- *आगामी छठ पूजा को लेकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा*



व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

- **गंगा घाटों की सघन चेकिंग :** आगामी छठ पूजा पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए गंग नहर के प्रमुख घाटों और आसपास के मार्गों का बारीकी से जायजा लिया गया।
- **बैरियर व यातायात नियंत्रण :** श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस बैरियर लगाने तथा रूट डायवर्जन की पुख्ता व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया।
- **पुलिसकर्मियों को सतर्कता के निर्देश :** ड्यूटी पर तैनात समस्त पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता बरतने, भीड़ नियंत्रण बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के लिए निर्देशित किया गया।
- **छठ पूजा हेतु विशेष तैयारियां :** अधिकारियों/कर्मचारियों को आगामी छठ पूजा के दौरान अर्घ्य देने आने वाले व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए घाटों पर प्रकाश व्यवस्था, गोताखोरों की तैनाती और बैरिकेडिंग की समय पूर्व व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

नियमों की अवहेलना करने वालों पर रहेगी कड़ी नजर

धूल नियंत्रण नियमों का उल्लंघन करने पर फरीदाबाद में दो निर्माण साइटें बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

डीसी आयुष सिन्हा के निर्देश पर प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्रवाई

आठ अवैध उद्योगों को कारण बताओ नोटिस जारी

जिले में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने तथा निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के निर्धारित मानकों की पालना सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत आज फरीदाबाद के सेक्टर-24 और नहर पार क्षेत्र में निर्माण कार्यों के दौरान धूल नियंत्रण के निर्धारित उपायों एवं संबंधित नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दो निर्माण साइटों को बंद कर दिया गया। इसके अतिरिक्तए सरूरपुर और नेकपुर क्षेत्र में आठ अवैध उद्योगों की पहचान की गई है। इन उद्योगों को बंद करने की कार्रवाई के लिए संबंधित संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। नियमों का पालन करना अनिवार्य उपायुक्त आयुष सिन्हा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर गंभीरता से कार्य कर रहा है।

संबंधित संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।



नियमों का पालन करें

निर्माण स्थलों पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के दिशा-निर्देशों तथा डस्ट पोर्टल से संबंधित नियमों की पालना अनिवार्य की गई है। निर्माण कार्यों के दौरान धूल के फैलाव को रोकने के लिए निर्धारित नियंत्रण उपाय अपनाना जरूरी है। डीसी आयुष सिन्हा ने स्पष्ट किया कि निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के नियमों की अवहेलना करने वाले संस्थानों एवं संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने संबंधित विभागों को नियमित निगरानी करने तथा प्रदूषण नियंत्रण संबंधी दिशा-निर्देशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने आमजन एवं निर्माण एजेंसियों से अपील की है कि वे प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का पालन करें।

दुकानदार का सामान अवैध रूप से उठाने के मामले में सीटीएम ने ठहराया था दोषी

ढाई साल तक जांच में दोषी कर्मचारी पर मेहरबान रहा नगर निगम डीसी के आदेश भी रहे बेअसर

गुरुग्राम ⏭ धर्मेंद्र कौशिक

नगर निगम गुरुग्राम में अधिकारियों की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। सदर बाजार में दुकानदार का सामान अवैध रूप से उठाने के मामले में जांच के दौरान दोषी ठहराए गए कर्मचारी मोहित शर्मा पर कार्रवाई करने में निगम को करीब ढाई साल लग गए। हैरानी की बात यह है कि नगराधीश (सीटीएम) की जांच रिपोर्ट के बाद जिला उपायुक्त ने भी 7 मई 2024 को निगमायुक्त को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा था, लेकिन इसके बावजूद कर्मचारी लगातार नौकरी करता रहा और सरकारी खजाने से वेतन लेता रहा। अब 6 अक्टूबर 2026 को निगमायुक्त की ओर से उसे तीन दिन में जवाब देने के लिए शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है। इस देरी ने निगम की जवाबदेही और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला सदर बाजार स्थित दुकान से जुड़ा है। दुकानदार जैनेंद्र जैन का आरोप है कि नगर निगम की डिजास्टर मैनेजमेंट टीम के सदस्य मोहित शर्मा ने अतिक्रमण बताकर उनकी दुकान से सामान उठा लिया था। दुकानदार ने इस कार्रवाई को अवैध बताते हुए जिला उपायुक्त के समक्ष शिकायत दी और निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसके बाद उपायुक्त के निर्देश पर नगराधीश ने मामले की जांच की।

दोषी अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की थी

नगराधीश की ओर से 25 अप्रैल 2024 को सौंपी गई जांच रिपोर्ट में कहा गया कि दुकानदार का सामान उठाने की कार्रवाई उचित नहीं थी और इसे अवैध तरीके से किया गया। रिपोर्ट में मोहित शर्मा की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए। इसमें यह भी पूछा गया कि आखिर वह किस हैसियत से पुलिस बल का इंतजाम करता था। जांच अधिकारी ने संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के साथ नगर निगम के दोषी अधिकारियों पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की थी। बाद 7 मई 2024 को जिला उपायुक्त की ओर से निगमायुक्त को पत्र भेजकर कार्रवाई की सिफारिश की गई। इसके बावजूद 5 अक्टूबर 2026 तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई। छह अक्टूबर को निगमायुक्त ने मोहित शर्मा को शो-कॉज नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा।

ढाई साल की देरी पर उठाए सवाल

पीड़ित दुकानदार जैनेंद्र जैन ने सवाल उठाया कि जब जांच में कार्रवाई को अवैध बताया जा चुका था और उपायुक्त भी कार्रवाई की सिफारिश कर चुके थे, तो कर्मचारी के खिलाफ समय पर निर्णय क्यों नहीं लिया गया। उन्होंने मांग की कि मोहित शर्मा की सेवाएं समाप्त की जाएं, ढाई साल के दौरान लिए गए वेतन की भी जांच हो और नियमानुसार वसूली पर निर्णय लिया जाए। साथ ही पुलिस बल के कथित दुरुपयोग के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग भी की।

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में फिर हड़ताल पर जाएंगे नर्सिंग ऑफिसर

नर्सिंग ऑफिसर्स ने सरकार पर लगाया धोखा देने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा में नर्सिंग ऑफिसर्स ने ऑनलाइन मॉडल ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में एक बार फिर आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। नर्सिंग ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन की डिस्ट्रिक्ट प्रधान राजकंवर ने बुधवार को कहा कि सरकार ने नर्सिंग ऑफिसर्स के साथ धोखा किया है। बिना सूचित किए ट्रांसफर का तुगलकी फरमान जारी कर दिया गया है। अब सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। राजकंवर (प्रधान, नर्सिंग ऑफिसर वेलफेयर एसोसिएशन फरीदाबाद) ने कहा कि ऑनलाइन मॉडल ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में नर्सिंग ऑफिसर्स ने पांच-छह अक्टूबर 2026 को हड़ताल की थी। उस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव एसीएस डॉ. सुमिता मिश्रा ने आश्वासन दिया था कि वे मुख्यमंत्री के समक्ष नर्सिंग ऑफिसर्स पर यह पॉलिसी लागू नहीं करने की सिफारिश करेंगी। इस आश्वासन पर उन्होंने हड़ताल को समाप्त करवाया था। राजकंवर ने कहा कि इसके बाद इस पर क्या निर्णय हुआ, क्या चर्चा हुई, इसकी कोई जानकारी नर्सिंग एसोसिएशन को नहीं दी गई। अब अचानक बिना सूचित किए ट्रांसफर के आदेश निकाल दिए गए हैं। यह नर्सिंग ऑफिसर्स के साथ सरासर धोखा है। अब अनिश्चिकालीन हड़ताल होगी। क्योंकि जबरन ट्रांसफर पॉलिसी थोपकर सरकार नर्सिंग ऑफिसर्स को अनिश्चितकालीन हड़ताल जैसा फैसला लेने के लिए मजबूर कर दिया है।



पक्षकार 20 नवंबर तक आपसी समझौते के लिए प्रस्तुत कर सकते हैं अपने मामले

21 नवंबर को चेक बाउंस मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के निर्देशानुसार 21 नवंबर 2026 को पूरे हरियाणा में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अ धि नि य म (एन.आई. एक्ट) की धारा 138 के तहत चेक बाउंस से संबंधित मामलों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निपटारा किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद के तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस विशेष लोक अदालत की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जगदीप सिंह करेंगे। वहीं, इसका संचालन मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं प्राधिकरण के सचिव जितेंद्र सिंह की देख-रेख में किया जाएगा।



इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव जितेंद्र सिंह ने बताया कि जिन व्यक्तियों के चेक बाउंस से संबंधित मामले विभिन्न न्यायालयों में लंबित हैं और वे अपने विवाद का समाधान आपसी सहमति से करवाना चाहते हैं, वे 20 नवंबर 2026 तक किसी भी कार्य दिवस पर अपने संबंधित न्यायालय में उपस्थित होकर अपने मामले को विशेष लोक अदालत में निपटारे के लिए प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि चेक बाउंस से संबंधित लंबित अपीलों को भी इस विशेष लोक अदालत में शामिल किया जाएगाए ताकि संबंधित पक्षकार आपसी समझौते के माध्यम से अपने विवादों का शीघ्र, सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान कर सकें।

सीजेएम जितेंद्र सिंह ने चेक बाउंस से संबंधित मामलों में शामिल सभी पक्षकारों से अपील की कि वे इस विशेष लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और आपसी सहमति से अपने लंबित विवादों का समाधान करवाएं। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरणए फरीदाबाद के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं अथवा हेल्पलाइन नंबर 0129-2261898 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

लापरवाही पर केस दर्ज

खुले तालाब में डूबने से दो बच्चियों की मौत, सुरक्षा के नाम पर लगाई टीन के बीच छोड़ी जगह

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सेक्टर-71 के फाजिलपुर में खुले कच्चे तालाब में डूबने से दो 12 वर्षीय बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों बच्चियां मंगलवार दोपहर अपनी दो अन्य सहेलियों के साथ तालाब में नहाने गई थीं। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्चियों के पिता की शिकायत पर लापरवाही के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार, फाजिलपुर निवासी राम विनय महतो की बेटी साजन कुमारी और उनके रिश्तेदार की बेटी नैना कुमारी 10 नवंबर को दोपहर करीब 12:30 से एक बजे के बीच दो अन्य बच्चियों के साथ सेक्टर-71 स्थित कच्चे तालाब में नहाने गई थीं। इसी दौरान दोनों बच्चियां पानी में डूब गईं। घटना की सूचना ईआरवी-272 के माध्यम से पुलिस को मिली। बादशाहपुर थाना पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

वहां मौजूद सुरक्षा गार्ड वीर सिंह ने बताया कि सुपरवाइजर दोनों बच्चियों को निकालकर सेक्टर-10 स्थित अस्पताल ले गया है। पुलिस टीम अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

राम विनय महतो ने पुलिस को दी शिकायत में तालाब की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि तालाब के चारों तरफ कोई पक्की चारदीवारी नहीं बनाई गई थी।

अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद में पत्रकार पर जानलेवा हमला, हालात गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

गाजियाबाद के कविनगर थाना क्षेत्र में पत्रकार पर मामूली विवाद में पांच लोगों ने एक पत्रकार पर हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। पत्रकार को गम्भीर दशा में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोप है कि पांच युवकों ने मा मू ली विवाद के दौरान पत्रकार मनोज शर्मा के साथ पहले जमकर मारपीट की और फिर ईंट से उनके चेहरे और शरीर पर कई वार किए। हमले में पत्रकार गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घायल पत्रकार को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए संजयनगर सेक्टर-23 स्थित यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इस मामले में दो नामजद आरोपियों राजकुमार और सौरव समेत तीन अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया हैं।



अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **इंद्रजीत कुमार @ अमरजीत पुत्रः** दिनेश, **निवासः** D-30/92, 56 बीधा पार्क, हॉटल पारासन्त के नजदीक शास्त्री नगर, दिल्ली के नजदीक ने **FIR No. 714/2023 U/s 33 Delhi Ex. Act., थानाः गीता कॉलोनी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **इंद्रजीत कुमार @ अमरजीत** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **इंद्रजीत कुमार @ अमरजीत** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 714/2023 U/s 33 Delhi Ex. Act., थानाः गीता कॉलोनी, दिल्ली** की उक्त अभियुक्त **इंद्रजीत कुमार @ अमरजीत** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
प्रेरणा राय
जेएमएफसी-02
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/16120/SHD/2026
(Court Notice)

लगातार बढ़ रही यात्रियों की संख्या

नमो भारत ने पार किया पांच करोड़ कम्यूटर जर्नी का आंकड़ा, महज़ 93 दिनों में रिकॉर्ड हुईं एक करोड़ यात्री ट्रिप

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नमो भारत कॉरिडोर ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 5 करोड़ कम्यूटर जर्नी का आंकड़ा पार 9 एवं विश्वसनीय क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। कॉरिडोर पर यात्रियों की संख्या में लगातार तेजी देखी जा रही है और हर अगली एक करोड़ कम्यूटर जर्नी पहले के मुकाबले बहुत कम समय में रिकॉर्ड की जा रही है। 21 अक्टूबर 2023 को साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर लंबे प्राथमिक खंड के उद्घाटन के साथ इस कॉरिडोर पर परिचालन की शुरुआत हुई थी। इसके बाद 16 मई 2025 को, यानी परिचालन आरंभ होने के 574 दिनों में एक करोड़ कम्यूटर जर्नी का माइलस्टोन पार कर लिया गया।



इसके बाद यात्रियों की संख्या में तेज उछाल दर्ज किया गया। इस माइलस्टोन के 211 दिनों के भीतर 11 दिसंबर 2025 को कॉरिडोर पर 2 करोड़, 2 मई 2026 को 143 दिनों में 3 करोड़ और 10 अगस्त 2026 को महज 101 दिनों में 4 करोड़ कम्यूटर जर्नी का आंकड़ा दर्ज किया गया। इस रफ्तार में और तेज़ी लाते हुए 10 नवंबर 2026 को 5 करोड़ कम्यूटर जर्नी का आंकड़ा भी पार कर लिया गया, आखिरी एक करोड़ कम्यूटर जर्नी महज 93 दिनों में दर्ज हुईं। पिछले एक साल में ही कॉरिडोर पर 3 करोड़ से अधिक कम्यूटर जर्नी रिकॉर्ड की गई हैं, जहाँ दिसंबर 2025 में दर्ज 2 करोड़ से बढ़कर नवंबर 2026 में यह आंकड़ा 5 करोड़ तक पहुंच गया। उल्लेखनीय है कि इसी अवधि के दौरान 22 फरवरी 2026 को संपूर्ण नमो भारत कॉरिडोर और मेरठ मेट्रो को यात्रियों के लिए परिचालित कर दिया गया था। यात्रियों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी इस क्षेत्र की बदलती परिवहन जरूरतों को पूरा करने में नमो भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है। पिछले तीन महीनों के दौरान भी कॉरिडोर पर यात्रियों की संख्या में तेज़ी से बढ़ोतरी देखी गई है।

जहरीली गैस और रसायन की चपेट में आए

कंपनी के केमिकल टैंक में गिरने से तीन कर्मचारियों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

भौंडसी थाना क्षेत्र के जेल रोड स्थित संधार कंपनी में बुधवार दोपहर केमिकल टैंक में गिरने से तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर भौंडसी थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी 21 वर्षीय आरीफ, नवादा निवासी 20 वर्षीय अनिल झा व बादशाहपुर की आरआर कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय नरेश कुमार यहां जेल रोड स्थित संधार कंपनी में काम करते थे। बुधवार दोपहर तीनों कर्मचारी कंपनी परिसर में काम कर रहे थे। इसी दौरान वे अचानक अनियंत्रित होकर केमिकल टैंक में गिर गए। टैंक में मौजूद जहरीले रसायन और गैस की चपेट में आने से तीनों बेहोश हो गए। हादसे के बाद कंपनी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए पार्क अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि, डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद तीनों की जान नहीं बचाई जा सकी। इलाज के दौरान तीनों ने दम तोड़ दिया। सुरक्षा इंतजामों की भी होगी जांच हादसे की सूचना मिलने पर भौंडसी थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उल्लन्घनकर्ता वाहन की नीलामी की उद्घोषणा

वैगन आर नं. DL-4-CBB-5415

सादर निवेदन है कि माननीय न्यायालय **श्री अरिदमन सिंह चीमा**, एलड़ी जेएमएफसी, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली के आदेश दिनांक **08.05.2026,** ने एफआईआर सं. **489/2025, U/s 281/125(b) भारतीय न्याय संहिता** एवं **146/196 MV Act, थानाः सागरपुर, नई दिल्ली** में दर्ज मामले में शामिल वाहन, जिसका पंजीकरण नं. **डीएल-4-सीबीबी-5415 (वैगन आर)** है, की सार्वजनिक नीलामी का निर्देश दिया है। वाहन का विवरण इस प्रकार है।

मेक	पंजी0 सं.	पंजी0 तिथि	ईजन नं.	चैसी नं.	वाहन का रंग	तेल का प्रकार
वैगन आर	DL 4C BB 5415	22 अक्तूबर, 2022	K10 CN C0 9067	MA3 JMTB 1SND 673911	सिल्की सिल्वर	पैट्रोल/ सीएनजी

नीलामी दिनांक **13.11.2026** को सुबह **11:00** बजे **थानाः सागरपुर, नई दिल्ली** में आयोजित की जाएगी। इच्छुक पार्टीज़ दिनांक **13.11.2026** को सुबह **10:00** बजे **थानाः सागरपुर, नई दिल्ली** में वाहर के निरिक्षण के लिए पधारे।

आदेशानुसार
एस.एच.ओ. सागरपुर, नई दिल्ली
फोन नं.: 7065036228, 8505949472

DP/16265/SW/2026

खबर संक्षेप

सभी अस्पतालों में कैंसर जांच-इलाज जल्दः सीएम सोरेन

रांची। झारखंड सरकार का



स्वास्थ्य विभाग राज्य के सभी जिलों के सदर अस्पतालों में कैंसर की शुरुआती जांच और इलाज की आधुनिक सुविधा जल्द विकसित करने जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में राज्य में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। एक डॉक्टर होने के नाते वे मरीजों का दर्द समझते हैं, कि पैसे की कमी से किसी मरीज का इलाज न रुके।

1.09 करोड़ पेंशनधारियों के खाते में पहुंचे 1,100 रुपए

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने



सचिवालय स्थित 'संवाद' में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं विधवा बहनों सहित कुल एक करोड़ 9 लाख 62 हजार 859 सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से पेंशन की राशि हस्तांतरित की।

एक लाख रुपए के लिए दोस्त ने ही दोस्त को मार डाला

पटना। दोस्ती और भरोसे के रिश्ते का एक लाख रुपये के लेनदेन को लेकर खौफनाक अंत हो गया। समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना



क्षेत्र से पांच दिनों से लापता 19 वर्षीय रोहन कुमार की हत्या कर दी गई। जिस दोस्त से वह अपने बकाया एक लाख रुपये मांगने गया था, उसी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। शव को बेगूसराय के सिमरिया घाट ले जाकर गंगा नदी में फेंक दिया। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अभी तक रोहन का शव बरामद नहीं हुआ है। गोताखोरों की मदद से गंगा नदी में उसकी तलाश की जा रही है। मृतक की पहचान विभूतिपुर थाना क्षेत्र के समर्था गांव निवासी रोहन कुमार (19) के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपियों में सुमन कुमार और बेगूसराय जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के संजात गांव निवासी पप्पू रजक शामिल हैं।

लखनऊ नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में देशभर में हासिल किया तीसरा स्थान

स्वच्छता के क्षेत्र में लखनऊ ने एक बार फिर अपनी मजबूत पहचान बनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ

स्वच्छता के क्षेत्र में लखनऊ ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में लखनऊ नगर निगम ने देशभर में तीसरा स्थान हासिल कर राजधानी का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लखनऊ नगर निगम को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।

समारोह में नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरुप्रसाद और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सम्मान ग्रहण किया। राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त करना लखनऊ नगर निगम के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

इस सम्मान के पीछे नगर निगम की ओर से शहर में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियानों, नियमित सफाई व्यवस्था, कूड़ा संग्रहण, कचरा प्रबंधन और नागरिकों की भागीदारी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने ग्रहण किया पुरस्कार



मुख्यमंत्री ने 1,146 कनिष्ठ सहायकों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

4,300 किसान परिवारों के खातों में भेजे ₹215 करोड़: सीएम योगी आदित्यनाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश और युवाओं के सामने खड़ा किया पहचान का संकट: मुख्यमंत्री, सीएम का अखिलेश यादव पर तंज- गिनती नहीं आती तो शिवपाल यादव को ट्यूटर रख लो, उन्हें काउंटिंग का पुराना अभ्यास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा राजस्व विभाग के लिए नवचयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत 4,300 किसान परिवारों के खातों में 215 करोड़ की सहायता राशि ऑनलाइन ट्रांसफर की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को सरकारी नौकरी देने का अभियान 26 जनवरी तक लगातार जारी रहेगा। हर महीने औसतन हर पांचवें दिन एक बड़ा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम होगा और यह 26 जनवरी तक अनवरत चलता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की नीयत साफ, नीति स्पष्ट और भर्ती आयोगों एवं बोर्डों की कार्यप्रणाली ईमानदार हो तो युवाओं को अपनी प्रतिभा के अनुरूप अवसर अपने ही राज्य में मिलता है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की अराजकता, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और लूटतंत्र ने उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था। सीएम ने नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों से अपील की कि वे प्रशिक्षण पूरा कर अपने-अपने पटल पर कार्यभार संभालने के बाद दो बातों का विशेष ध्यान रखे, हर नागरिक के प्रति संवेदना और जीवन में सत्यनिष्ठा का भाव। सरकार ने उन्हें पारदर्शी व्यवस्था में अवसर दिया है, इसलिए उनसे भी अपेक्षा है कि वे आम नागरिक के प्रति ईमानदारी, संवेदनशीलता और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

विभागों में भी नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगेः मुख्यमंत्री

सीएम बोले- 2017 से पहले यूपी में था सैफई सिंडिकेट का कब्जा, परीक्षा कोई देता था और नियुक्ति पत्र कोई दूसरा ले जाता था



पहले प्रतिभा को उसके अनुरूप नहीं मिलता था काम

मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं से सीधा संवाद करते हुए पूछा कि चयन प्रक्रिया में किसी को सिफारिश की आवश्यकता पड़ी या किसी ने पैसे के लेनदेन की बात की? किसी अनजान अथवा परिचित व्यक्ति का फोन आया? सत्यापन की कार्रवाई में कोई परेशानी हुई? उन्होंने कहा कि पहले प्रतिभा को उसके अनुरूप काम नहीं मिलता था, इसलिए यूपी का युवा पलायन करता था। अपनी मेहनत का लाभ वह देश-दुनिया को देता था, लेकिन उत्तर प्रदेश विपन्न रहता था, क्योंकि यहां ईमानदारी से नौकरी नहीं मिलती थी और चयन में भेदभाव होता था। 2017 से पहले बिना सिफारिश और बिना लेनदेन के नियुक्ति संभव नहीं थी। सभी भर्ती आयोग और बोर्ड बंधक बने हुए थे। प्रदेश में सैफई सिंडिकेट काम करता था।

मुख्यमंत्री ने फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 के पहले ऐसे ही मुन्ना भाई शासन में भी बैठे हुए थे। परीक्षा कोई देता था और नियुक्ति पत्र लेकर कोई और जाता था। परीक्षा देने वाले और अधिक प्रतिभाशाली अभ्यर्थी के स्थान पर किसी दूसरे का नियुक्ति पत्र लेकर चले जाना युवाओं के साथ अन्याय था। युवा शासन से शिकायत करते थे, लेकिन वही शासन इस व्यवस्था को चला रहा था। फिर न्यायालय जाना पड़ता था और न्यायालय स्टे करता था। गलत काम करने वाला पैसा लेकर विदेशी बैंकों में जमा करता था, दुनिया के देशों में संपत्ति बढ़ाता था और यूपी का युवा हर ओर से ठगा जाता था। जिसने पैसे देकर नौकरी खरीदी और जिसने मेहनत से परीक्षा की तैयारी की, दोनों ठगे जाते थे।

धूमधाम-आतिशबाजी से दीपावली मनाकर अच्छा

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले होली, दीपावली, विजयादशमी, जन्माष्टमी, शिवरात्रि, क्रिसमस, ईद, गुरुपर्व और मकर संक्रांति जैसे त्योहारों के समय दंगे शुरू हो जाते थे। हर व्यक्ति असुरक्षित महसूस करता था। कर्फ्यू लगने से बाजार बंद हो जाते थे और व्यापारियों का सामान खराब हो जाता था। लेकिन पिछले 9.5 वर्ष में नो कर्फ्यू-नो दंगा, यूपी में सब चंगा। दीपावली और आतिशबाजी पर की जाने वाली टिप्पणियों पर भी मुख्यमंत्री ने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अच्छा किया लोगों ने, बहुत धूमधाम और धूम-धड़ाके के साथ दीपावली मनाई, खूब आतिशबाजी की। हमने लोगों से कहा, भाई कोई प्रतिबंध नहीं लगाएंगे। जिन लोगों ने अपने भ्रष्ट कारनामों से पूरे सिस्टम को प्रदूषित किया, उनको कोई कुछ नहीं कहता, लेकिन जनता एक दिन पटाखे और आतिशबाजी कर ले तो प्रदूषण की चर्चा शुरू हो जाती है।

जयराम रमेश ने ट्रस्ट पदाधिकारियों की भूमिका पर उठाए सवाल

चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा को गवाह बनाए जाने पर मांगा जवाब

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित हेराफेरी और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस ने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद जयराम रमेश ने आरोप लगाया है कि मंदिर ट्रस्ट के गठन से लेकर निर्माण, चंदा संग्रह, चढ़ावे की गिनती और बैंक में धनराशि जमा कराने तक पूरी व्यवस्था में भाजपा, आरएसएस और विहिप से जुड़े लोगों का प्रभाव रहा है। ऐसे में मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी की जिम्मेदारी से इन संगठनों और उनसे जुड़े पदाधिकारियों को अलग नहीं किया जा सकता। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में सवाल उठाया कि यदि मंदिर की व्यवस्था में शीर्ष स्तर से लेकर निचले स्तर तक एक ही विचारधारा से जुड़े लोगों की नियुक्ति थी, तो चढ़ावे की कथित चोरी की जवाबदेही केवल गिरफ्तार कर्मचारियों तक कैसे सीमित की जा सकती है? उन्होंने पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच कराने, सभी वित्तीय रिकॉर्ड सार्वजनिक करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

2021 में ही गड़बड़ी की शिकायत का दावा : कांग्रेस ने इस मामले में सबसे गंभीर सवाल आरएसएस से जुड़े रहे पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह के आरोपों को लेकर उठाए हैं। जयराम रमेश के मुताबिक, महिपाल सिंह ने वर्ष 2021 में ही चढ़ावे की गिनती और धनराशि के लेनदेन में कथित गड़बड़ी पकड़े जाने का दावा किया था। आरोप है कि उन्होंने इसकी जानकारी मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और गोपाल राव को दी थी। लेकिन संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय महिपाल सिंह को ही व्यवस्था से हटा दिया गया। कांग्रेस ने पूछा है कि यदि वर्ष 2021 में ही कथित अनियमितताओं की जानकारी ट्रस्ट के शीर्ष पदाधिकारियों तक पहुंच गई थी, तो उसके बाद इतने वर्षों तक क्या कार्रवाई की गई? शिकायतों के बावजूद व्यवस्था में सुधार क्यों नहीं हुआ? पार्टी ने यह भी सवाल किया है कि जांच और आरोपपत्र में ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों की भूमिका की पड़ताल किस स्तर पर हुई और उन्हें आरोपी के बजाय गवाह बनाए जाने का आधार क्या है?

40 प्रतिशत कमीशन मांगने का भी आरोपः कांग्रेस ने मंदिर निर्माण से जुड़े इंजीनियर दीनानाथ वर्मा के कथित आरोपों का भी उल्लेख किया है। मीडिया रिपोर्टों के हवाले से कहा गया है कि वर्मा ने ट्रस्ट कार्यालय के काम में 40 प्रतिशत कमीशन मांगे जाने का आरोप लगाया था। उनका दावा था कि इस संबंध में उन्होंने एक ऑडियो रिकॉर्डिंग चंपत राय को सुनाई थी, जिसके बाद उन्हें ही परियोजना से हटा दिया गया। जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि क्या इस कथित ऑडियो और कमीशन मांगने के आरोप की निष्पक्ष जांच हुई? क्या चंपत राय से इस मामले में सीधे सवाल-जवाब किए गए? यदि किसी अधिकारी ने भ्रष्टाचार की शिकायत की थी, तो शिकायतकर्ता को परियोजना से हटाने के बजाय आरोपों की जांच क्यों नहीं कराई गई ?

गिनती कक्ष में नियुक्तियों पर भी सवाल

कांग्रेस ने मंदिर में चढ़ावे की गिनती के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। बयान में कहा गया है कि पुजारियों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किए गए, चयन समिति बनाई गई और प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की गई। लेकिन जिस गिनती कक्ष में हर सप्ताह करोड़ों रुपये का चढ़ावा पहुंचने की बात कही जाती है, वहां कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न तो सार्वजनिक विज्ञापन निकाला गया और न ही पारदर्शी साक्षात्कार प्रक्रिया अपनाई गई। पार्टी ने आरोप लगाया कि गिनती कक्ष में नियुक्तियों के लिए पारदर्शी व्यवस्था नहीं होने से कथित तौर पर अपने करीबी लोगों को वहां बैठाने का रास्ता खुला। कांग्रेस ने पूछा है कि इतनी महत्वपूर्ण वित्तीय जिम्मेदारी संभालने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी थी?

आरोपियों के राजनीतिक-संगठनात्मक संबंधों पर सवाल

जयराम रमेश ने मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कुछ आरोपियों के आरएसएस और बजरंग दल से कथित संबंधों का भी उल्लेख किया। उनके मुताबिक, आरोपी अनुकल्प मिश्रा का बजरंग दल और आरएसएस की शाखा से जुड़ाव रहा है। उन्होंने दावा किया कि 30 अप्रैल को आयोजित उनकी भागवत कथा में चंपत राय भी शामिल हुए थे। इसी तरह, गिनती स्टाफ के प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव के घर पर आरएसएस की शाखा लगने की बात भी उठाई गई है। कांग्रेस के अनुसार, एसआईटी ने उन्हें दानपात्र की चाबियां कथित तौर पर अनधिकृत लोगों तक पहुंचाने के मामले में जिम्मेदार माना है। वहीं, एक अन्य आरोपी टिन्नू यादव के चंपत राय का ड्राइवर होने का आरोप भी बयान में उठाया गया है। कांग्रेस ने इन कथित संबंधों के आधार पर सवाल किया है कि मंदिर के चढ़ावे से जुड़ी अनियमितताओं के मामले में गिरफ्तार कर्मचारियों के अलावा व्यवस्था के उच्च स्तर पर बैठे लोगों की भूमिका की जांच क्यों नहीं होनी चाहिए ?

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग

कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में जवाबदेही केवल गिरफ्तार आठ कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पार्टी की मांग है कि मंदिर के निर्माण, संचालन, चढ़ावे के संग्रह, गिनती, लेखा-जोखा और बैंक में धनराशि जमा कराने की पूरी व्यवस्था की जांच की जाए। जांच का दायरा ट्रस्ट के पदाधिकारियों और अन्य जिम्मेदार लोगों तक बढ़ाया जाए तथा यह प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो। जयराम रमेश ने कहा कि पूरे वित्तीय रिकॉर्ड देश के सामने सार्वजनिक किए जाने चाहिए और जांच में दोषी पाए जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस ने अपने हमले को तीखा करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर देशभर के श्रद्धालुओं ने जो दान और चढ़ावा दिया है, उसका पूरा हिसाब जनता को मिलना चाहिए। किसी पद, राजनीतिक पहुंच या संगठनात्मक संरक्षण के आधार पर किसी को जवाबदेही से बचने की छूट नहीं दी जा सकती।

पेज एक का शेष

स्वच्छता केवल...

वास्तव में सार्थक साबित होंगी। इस तरह शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ एक-दूसरे से सीखने और बेहतर कार्यप्रणालियों को अपनाने का अवसर भी मिलेगा।

छोटे शहरों के...

किया जाना चाहिए, जो प्रभावी होने के साथ-साथ किफायती और सुरक्षित भी हों। इन तकनीकों को छोटे शहरों की जरूरतों और उनकी उपलब्ध संसाधन क्षमता के अनुरूप विकसित करना भी जरूरी है, ताकि स्वच्छता के आधुनिक समाधान केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले एक दशक में स्वच्छता अभियान ने देशभर में जनजागरूकता, जनभागीदारी और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की मजबूत नींव तैयार की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी की भागीदारी से स्वच्छ सर्वेक्षण का अगला चरण पिछले दशक की उपलब्धियों को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित परिणामों में बदलने में सफल होगा।

लगातार तीन साल ...

एनडीएमसी ने कचरा प्रबंधन, साफ-सफाई और नागरिकों की सहभागिता के मामले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह मुकाम हासिल किया है। इस उपलब्धि से परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों में खुशी की लहर है। अधिकारियों का कहना है कि राजधानी के इस हिस्से को पूरी तरह स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में और बेहतर परिणाम सामने आ सकें।

लगातार दूसरी बार...

बार राष्ट्रपति पुरस्कार हासिल करने वाला हरियाणा का पहला शहर बन गया है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हरियाणा के प्रतिनिधियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग अगले दो दिन में जारी होने की उम्मीद है। बुधवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, आयुक्त एवं सचिव अशोक कुमार मीणा, करनाल की महापौर रेणु बाला गुप्ता और नगर निगम आयुक्त सलोनी शर्मा को राष्ट्रपति पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान मंच पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल, मंत्रालय के राज्य मंत्री तोखन साहू और सचिव भी मौजूद रहे। सर्वेक्षण के 10वें संस्करण में करनाल को हरियाणा में पहला स्थान मिलने पर शहर में खुशी का माहौल है। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने इस उपलब्धि पर शहरवासियों को बधाई देते हुए कहा कि करनाल के साथ पूरे हरियाणा प्रदेश के लिए यह गौरव की बात है। स्वच्छता के क्षेत्र में शहर को एक बार फिर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय नगर निगम की पूरी टीम और विशेष रूप से सफाई मित्रों को दिया। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और जागरूक नागरिकों ने मिलकर शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

सीएम नायब सैनी का जताया आभारः महापौर ने केंद्रीय ऊर्जा एवं आवासन एवं शहरी मामले मंत्री तथा करनाल के सांसद मनोहर लाल का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मनोहर लाल की दूरदर्शी सोच, पारदर्शी कार्यशैली और जनसेवा के प्रति समर्पित नेतृत्व से करनाल ने विकास और स्वच्छता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भी धन्यवाद किया। महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में करनाल लगातार प्रगति कर रहा है। इस उपलब्धि में सफाई मित्रों, अधिकारियों, कर्मचारियों और शहरवासियों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

सरकार ने ऋण ...

दरें लागू रहेंगी। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक मुद्रा योजना के तहत दिए जाने वाले ऋणों पर लागू होगी।

कोलकाता में होगा ...

द्वारा कोलकाता सरकार के सहयोग से किया जाएगा। इसकी थीम, 'जड़ों की ओर वापसी: भारत के साथ प्रवासी समुदाय के जुड़ाव को फिर से मजबूत बनाना है'। ज्ञात हो कि प्रवासी भारतीय दिवस का 18 वां संस्करण पिछले साल 2025 में ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 8 से 10 जनवरी तक आयोजित किया गया था।

सराहा जाएगा प्रवासियों का योगदानः पीबीडी के जरिए केंद्र की कोशिश यहां देश में प्रवासी समुदाय के सदस्यों की उपलब्धियों का जश्न मनाने, भारत के साथ उनके संपर्क-संबंध को प्रगाढ़ता प्रदान करने और देश की प्रगति तथा विकास के अवसरों में उनके योगदान का लगातार पता लगाने की रहती है। वहीं, आयोजन की थीम पर तेजी से एक नजर दौड़ाएं तो यह साफ तौर पर प्रवासी भारतीय समुदाय की अपनी मातृभूमि के साथ प्राचीन सभ्यतागत संबंधों, सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंधों का उत्सव मनाने की भावना को प्रदर्शित करती है। इसके अलावा संबंधों को मजबूती प्रदान करने पर भी जोर देती है।

भारत को जानिए क्विज ही हुई शुरुआतः मंत्रालय ने कहा कि प्रवासियों को सम्मानित करने के पीछे का उद्देश्य देश के बाहर रहने वाले समुदाय के उन सदस्यों के विशेष योगदान को एक प्रकार से मान्यता प्रदान करना है। जिन्होंने न केवल अपने-अपने क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किया है। बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि और उसके संबंधों को सशक्त बनाने में भी सकारात्मक भूमिका निभाई है। 11 नवंबर को सम्मेलन की वेबसाइट के साथ एक विशेष भारत को जानिए क्विज को लेकर बनाए गए भारतवर्ष ऐप और वेबसाइट (**www.bkjquiz.com**) का भी शुभारंभ किया गया है। इसके अलावा प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विदेश मंत्रालय ने वेबसाइट लांच करते ही ऑनलाइन पंजीकरण की शुरुआत कर दी है।

11 नवंबर से 20 दिसंबर तक होगा क्विजः क्विज का नया संस्करण तैयार किया गया है। जिसमें नई गेमिंग तकनीक का इस्तेमाल शामिल है। जिससे प्रवासी भारतीयों को देश की प्राचीन विरासत, संस्कृति, कला और समकालीन उपलब्धियों से जोड़ा जाएगा। प्रतिभागियों को क्विज में पहेलियां, क्रॉसवर्ड, शब्दों की खोज, अनुमान लगाए जाने वाले खेल व अन्य संवादात्मक गतिविधियां शामिल की गई हैं। ऐप, वेबसाइट पर चौबीसों घंटे यह मौजूद दोनों चीजें मौजूद रहेंगी। क्विज का आयोजन 11 नवंबर से 20 दिसंबर तक किया जाएगा। जिसकी तीन श्रेणियां (प्रवासी भारतीय, भारतीय मूल के लोग, विदेशी) होंगी। प्रतिभागियों में से विजेताओं को 10 दिवसीय भारत भ्रमण का अवसर प्रदान किया जाएगा। वह कोलकाता में होने वाले मुख्य आयोजन में भी भाग ले सकेंगे।

2047 में महत्वपूर्ण होगी भूमिकाः विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर ने कहा, प्रवासी भारतीय समुदाय अपने अतीत की वजह से देश से जुड़ा हुआ नहीं है। बल्कि वह देश के वर्तमान का अभिन्न अंग यानी महत्वपूर्ण भागीदार है। यह भारत और दुनिया के बीच एक जीवंत सेतु के रूप में कार्य करता है। जो कि ज्ञान, नवाचार, संस्कृति, उद्यमशीलता और वैश्विक ज्ञान के आदान-प्रदान में योगदान देता है। कोलकाता शहर का सम्मेलन के आयोजन के लिए चयन इसके इतिहास की वजह से किया गया है। क्योंकि यहां से समय-समय पर बड़ी संख्या में भारत के लोग मॉरीशस, फिजी, कैरेबियाई देशों की ओर गए। जिसमें उनके साथ उनकी भाषाएं, परंपरा और आस्था भी गई।

गांधी जी की ...

को आयोजन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देने के अलावा इसमें भागीदारी की प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी। साथ ही उनके लिए पंजीकरण प्रक्रिया से लेकर आयोजन स्थल तक पहुंचने, वहां रुकने या कहें कि आने-जाने की व्यवस्था सहित अन्य मामलों के प्रबंधन की भी जानकारी ली जा सकेगी।

एयर इंडिया की ...

इंडिया का विमान मुंबई के लिए उड़ान भरने की तैयारी में था। इसी दौरान चालक दल की नजर शौचालय के शीशे पर लिखे हाईजैक की धमकी वाले संदेश पर पड़ी। मामले की गंभीरता को देखते हुए विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया और सुरक्षा संबंधी प्रोटोकॉल लागू किए गए। सूचना मिलने के बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और एयरपोर्ट के विशेष सुरक्षा अधिकारियों ने विमान की सघन तलाशी शुरू की। विमान के अंदर किसी संदिग्ध वस्तु की मौजूदगी का पता लगाने के लिए सभी हिस्सों की जांच की जा रही है। वहीं, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां धमकी भरा संदेश लिखने वाले की पहचान करने में जुटी हैं। इसके लिए विमान में सवार यात्रियों की सूची और एयरपोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फिलहाल धमकी के स्रोत और उसकी गंभीरता का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

लापरवाही, ढिलाई,...

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में अनुसूचित जाति अत्याचार अधिनियम 1989 और नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955 के प्रावधानों के कार्यान्वयन की समीक्षा हेतू राज्य स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी भी मौजूद रहे।

एससी-एसटी मामलों में लगभग 28 प्रतिशत की कमीः बैठक में पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि राज्य में एससी-एसटी से संबंधित मामलों में लगभग 28 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार एससी-एसटी से संबंधित मामलों में 60 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल करने की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है और इसे शत—प्रतिशत ले जाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि पीड़ितों को न्याय दिलाने में लापरवाही बरतने के मामलों में 10 पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। साथ ही, जिला एवं उपमंडल स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो मामलों की प्रगति, जांच और समयबद्ध निपटान की नियमित निगरानी करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराधों में कमी के साथ-साथ पीड़ितों को न्याय दिलाना और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

पांच जिलों में स्थापित होंगी स्पेशल न्यायालयः एससी-एसटी से जुड़े मामलों के त्वरित निपटान को और गति देने के लिए मुख्यमंत्री ने हिसार, फरीदाबाद, पलवल, रोहतक और भिवानी में स्पेशल न्यायालय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन न्यायालयों के माध्यम से ऐसे मामलों की सुनवाई में तेजी लाई जाए, ताकि पीड़ितों को न्याय के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े। उन्होंने कहा कि स्पेशल कोर्ट्स स्थापित करने की प्रक्रिया को गति से आगे बढ़ाया जाए।

अधिक मामलों वाले जिलों और पुलिस थानों की होगी विशेष निगरानी : मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन जिलों में एससी-एसटी से संबंधित मामलों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक सामने आ रही है, वहां विशेष अभियान चलाकर विस्तृत समीक्षा की जाए। ऐसे मामलों के पीछे के कारणों की पहचान की जाए और स्थानीय परिस्थितियों का विश्लेषण कर ठोस सुधारात्मक कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि जिन पुलिस थानों में इस श्रेणी के मामले अधिक दर्ज हो रहे हैं, उनकी अलग से पहचान कर वहां वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विशेष निगरानी की जाए। संबंधित क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता बढ़ाई जाए और संवेदनशील स्थानों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त, लंबे समय से लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटान किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन पंचायतों में पिछले 2 वर्षों में इस प्रकार का एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ है, ऐसी पंचायतों को प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए पंचायत विभाग द्वारा ऐसी पंचायतों के नाम भेजे जाएं ताकि उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार सामाजिक न्याय, समानता और प्रत्येक नागरिक की गरिमा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। एससी-एसटी वर्ग के नागरिकों को न्याय दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन मामलों में संवेदनशीलता, तत्परता और जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि किसी भी पीड़ित को न्याय पाने के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

भाई दूज पर ...

सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न पेशों से जुड़े लोग शामिल हुए। खास बात यह है कि राहुल गांधी ने सभी आमंत्रित मेहमानों को अपने परिवार, परिजनों, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ आने का न्योता दिया था। इसका उद्देश्य इस मुलाकात को औपचारिक कार्यक्रम के बजाय पारिवारिक मिलन का स्वरूप देना है। इस आयोजन की तैयारियों में लगे एक नेता ने कहा, ये वे लोग हैं जिनका देश और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। अपने श्रम, कौशल और हुनर के दम पर ये लोग अर्थव्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं। इनमें से कई लोगों ने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए भी समय-समय पर अपनी आवाज बुलंद की है। इस विशेष आयोजन के दौरान राहुल गांधी आमंत्रित लोगों के साथ सहभोज किया। बैठकर बातचीत की और उनके अनुभवों, समस्याओं तथा विचारों को सुनेंगे। साथ ही उन्हें अपने परिवार के साथ सहज माहौल में नेता प्रतिपक्ष से मिलने और अपनी बात साझा करने का अवसर मिला। भाई दूज का पर्व भाई-बहन के स्नेह और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने का प्रतीक माना जाता है। इसी पारिवारिक भावना को व्यापक सामाजिक स्वरूप देते हुए राहुल गांधी ने समाज के उन वर्गों को साथ जोड़ने की पहल की है, जिनको मेहनत और हुनर देश की तरक्की की बुनियाद हैं। कांग्रेस इस आयोजन को मेहनतकश और हुनरमंद लोगों के प्रति सम्मान व्यक्त करने, उनके योग

अगर आपको डायबिटीज है तो इसके कुछ लक्षण आपके हाथ और पैर में भी दिख सकते हैं। इन लक्षणों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए। इससे आपको इसकी पहचान करने में हेल्प मिलेगी।

वर्ल्ड डायबिटीज डे
14 नवंबर, स्पेशल

बदलती जीवनशैली, खान-पान की गलत आदतों और एक्सरसाइज या शारीरिक सक्रियता की कमी के कारण हाल के वर्षों में देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसी समस्या से बचाव के लिए आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, डायबिटिक पेशेंट्स क्या सावधानी बरतें और इसके प्रमुख लक्षण क्या हैं, इन सभी के बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर दे रहे हैं बहुत यूजफुल सजेशंस।

हाथ-पैर में भी दिखते हैं डायबिटीज के लक्षण

प्रिकॉशन
रजनी अरोड़ा



हालांकि डायबिटीज को कई लक्षणों से पहचाना जा सकता है। लेकिन कुछ लक्षण ऐसे भी हैं, जो पेशेंट के हाथ-पैर में दिखाई पड़ते हैं। इनके बारे में आपको सजग रहना चाहिए।

पैरों में डायबिटिक लक्षणः डायबिटीज में पैर सबसे पहले और सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। शरीर में पैर, दिल से सबसे दूर होते हैं, वहां की नसें सबसे लंबी और बारीक होती हैं। गाढ़ा खून और ग्लाइकेशन बारीक नलियों को क्षतिग्रस्त करते हैं, जिससे पैरों तक ऑक्सीजन और पोषण कम पहुंचता है और घाव भरना मुश्किल हो जाता है। शुगर, नसों की सुरक्षा परत (मायलिन शीथ) को कमजोर कर देती है, जिससे दिमाग तक संदेश ठीक से नहीं पहुंचते और डायबिटिक न्यूरोपैथी की स्थिति आ जाती है। इससे कई लक्षण दिख सकते हैं।

झुनझुनी महसूस होनाः ऐसा लगना जैसे तलवों या अंगुलियों पर चींटियां चल रही हों। शुरुआत में यह लक्षण आता-जाता रहता है, इसलिए लोग इसे थकान, बैठने से पैर सोना या विटामिन की कमी समझकर टाल देते हैं। यह नसों के क्षतिग्रस्त होने का सबसे शुरुआती संकेत है।



सुई जैसी चुभनः तलवों में जलन, सुई जैसी चुभन या अचानक बिजली के झटके जैसा एहसास। यह अकसर रात में बढ़ जाता है। जब नसें खराब होने लगती हैं।

चादर के वजन से भी दर्दः रात को पैरों पर हल्की चादर रखने से भी दर्द या जलन हो, तो यह संकेत बताता है कि नसें प्रभावित हैं।

सुन्नपनः पैरों में छूने का एहसास कम हो जाना, जैसे मोजे पहने हों या जमीन महसूस न हो। यह सबसे खतरनाक अवस्थाओं में से है, क्योंकि जब दर्द महसूस नहीं होता, तो चोट, कंकड़, जूते की रगड़ या छाले का पता ही नहीं चलता। छोटी चोट बड़ा घाव बन सकती है।

घाव का ठीक न होनाः पैर का कोई कट या छाला 10-12 दिन बाद भी न भरे, लाल रहे या उससे पानी निकले, तो यह खतरे की घंटी है। ज्यादा शुगर, श्वेत रक्त कोशिकाओं को सुस्त कर देती है और बैक्टीरिया को पनपने का मौका देती है। सुन्नपन के साथ यह मिलकर पैर के अल्सर का कारण बन सकता है, जो गंभीर मामलों में संक्रमण फैलने और अंग काटने तक का रिस्क हो सकता है।

सूखी त्वचा-फटी एड़ियांः नसों के खराब होने से पसीना आना कम हो जाता है, जिससे पैरों की त्वचा बहुत रूखी हो जाती है और एड़ियां गहरी फटने लगती हैं।

त्वचा के रंग में बदलावः पैरों और टखनों पर त्वचा का पतला, चमकदार या भूरा-काला पड़ना, पैरों के बाल झड़ना और पैर ठंडे रहना खून के कम बहाव के संकेत हो सकते हैं।

हाथों में डायबिटिक लक्षणः डायबिटीज होने के कुछ लक्षण हाथों में भी दिखते हैं। अंगुलियों के जोड़ों की त्वचा बाकी हाथ से ज्यादा काली, मोटी, मखमली या खुरदरी दिख सकती है, तो यह टैनिंग या गंदगी नहीं, इंसुलिन रेजिस्टेंस का संकेत है। इंसुलिन ज्यादा होने पर वह त्वचा की कोशिकाओं को तेजी से बढ़ने का सिग्नल देता है। ऐसे निशान गर्दन, बगल और जांघों में भी दिख सकते हैं।

त्वचा पर टैग्स बननाः गर्दन, पलकों, बगल और अंगुलियों के आस-पास त्वचा की छोटी-छोटी लटकन जैसी संरचनाएं बनने को स्किन टैग्स कहते हैं। इनकी संख्या तेजी से बढ़ना इंसुलिन रेजिस्टेंस से जुड़ा हो सकता है।

बढ़ी डायबिटीज के संकेतः दोनों हथेलियां प्रार्थना की मुद्रा में जोड़ने पर अगर अंगुलियों या हथेलियों के बीच खासकर छोटी अंगुली के पास गैप दिखे, तो इसे नजरअंदाज न करें। इसे डायबिटिक हैंड सिंड्रोम भी कहते हैं।

अंगुलियों का अकड़नाः सुबह उठने पर मुट्ठी बनाने या अंगुलियां सीधी करने में परेशानी होना, अंगुली का मुड़कर अटक जाने को ट्रिगर फिंगर कहते हैं। यह भी डायबिटीज का लक्षण हो सकता है। *

(डायबिटीज एक्सपर्ट-डॉ. संजय कालरा से बातचीत पर आधारित)

डायबिटीज से बचाव के लिए बनें सजग-रहें सुरक्षित

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. धीरज कपूर
एचओडी-एंडोक्राइनोलॉजी
ऑर्टिमिज हॉस्पिटल, गुरुग्राम



भारत में डायबिटीज के बढ़ते मामलों की गंभीरता का अंदाजा वर्ष 2025 में जारी डायबिटीज एटलस की रिपोर्ट से लगाया जा सकता है। इसके अनुसार भारत में 20 से 79 वर्ष की आयु के लगभग 9 करोड़ लोग इस समस्या से पीड़ित थे। इसके अलावा लगभग 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज की स्थिति में थे। प्री-डायबिटीज वह शारीरिक अवस्था है, जिसमें जब ब्लड में शुगर लेवल सामान्य से थोड़ा अधिक होता है, लेकिन वह डायबिटीज की स्थिति तक नहीं पहुंचता। ऐसे लोगो में भविष्य में डायबिटीज होने की आशंका बनी रहती है। इन आंकड़ों की गंभीरता को समझते हुए अगर स्वस्थ लोग भी शुरू से ही अपनी सेहत के प्रति सजगता बरतें तो आसानी से डायबिटीज की समस्या से बचाव संभव हो पाएगा।

क्यों बढ़ रही है समस्या

पिछले दो से तीन दशकों में लोगों की जीवनशैली पूरी तरह बदल गई है। पहले लोग रोजमर्रा के सारे काम-काज खुद करते थे, शारीरिक श्रम उनकी दिनचर्या में शामिल था, इसलिए हमेशा चुस्त-दुरुस्त रहते थे। लेकिन समय के साथ सभी कार्यों के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल होने लगा, इससे पहले की तुलना में जिंदगी ज्यादा आरामदेह हो गई और लोगों के समय की बचत होने लगी, लेकिन कुछ वर्षों के बाद लोगों की सेहत पर इसका बुरा असर नजर आने लगा। लगातार लंबे समय तक एक ही जगह पर बैठकर काम करना, मिठाइयों, कोल्ड ड्रिंक्स और जंक फूड का अधिक मात्रा में सेवन करना, छोटी दूरी तक जाने के लिए भी पैदल के बजाय वाहन का इस्तेमाल करना, एक्सरसाइज न करना, सीढ़ियों के बजाय लिफ्ट का इस्तेमाल, ऐसी आदतों के कारण व्यक्ति जो भी खाता है, उससे बनने वाली कैलोरी बर्न होने के बजाय शरीर में जमा होने लगती है, जिससे पेट के आस-पास चर्बी एकत्र हो जाती है और व्यक्ति का वजन बढ़ने लगता है। ऐसी जीवनशैली इंसुलिन रेजिस्टेंस के खतरे को बढ़ा देती है। इसके अलावा देर रात तक मोबाइल पर रील्स देखने की आदत से होने वाली अनिद्रा की समस्या, अति व्यस्त दिनचर्या के कारण पैदा होने वाला तनाव और इस बीमारी की फैमिली हिस्ट्री यानी आनुवंशिकता जैसे कारणों से आजकल हर आयुवर्ग के लोगों में इस बीमारी के लक्षण नजर आने लगे हैं और इसके मरीजों की तादाद तेजी से बढ़ने लगी है।

कैसे पहचानें लक्षणों को

बार-बार गला सूखना, प्यास लगना, रात में टॉयलेट जाने के लिए कई बार नींद खुलना, ज्यादा भूख लगना, बेवजह थकान और सुस्ती महसूस होना, दृष्टि में धुंधलापन, पैरों में झनझनाहट, ज्यादा भूख लगना, बिना डाइटिंग या एक्सरसाइज के वजन का लगातार घटना जैसे लक्षण दिखाई दें तो आपको सचेत हो जाना चाहिए। कई बार शुरुआती दौर में डायबिटीज टाइप-2 के कोई लक्षण नजर नहीं आते। इसलिए अगर कोई समस्या न हो तो भी हर तीन-चार महीने के अंतराल में शुगर लेवल की जांच कर लेनी चाहिए। अगर सुबह खाली पेट शुगर लेवल 130 से ज्यादा और खाने के 2 घंटे के बाद 180 से अधिक हो तो यह इस बात का संकेत है कि व्यक्ति को डायबिटीज की समस्या है। इसी तरह अगर किसी व्यक्ति का एचबीए1सी (हर तीन महीने के अंतराल पर की जाने वाली वाली शुगर लेवल की जांच) 5.7 से 6.4 के बीच हो तो उसे प्री-डायबिटिक की श्रेणी में रखा जाता है, यानी यदि समय रहते खान-पान और दिनचर्या में सुधार नहीं लाया गया तो ऐसे व्यक्ति को यह बीमारी बहुत आसानी से अपनी गिरफ्त में ले सकती है। अगर किसी व्यक्ति का एचबीए1सी 6.5 से अधिक हो तो उसे डायबिटिक माना जाता है। ऐसी स्थिति में नियमित रूप से एंडोक्राइनोलॉजिस्ट से जांच कराने के साथ उसके सभी निर्देशों का पालन करना जरूरी हो जाता है।

डायबिटिक पेशेंट्स रखें ध्यान

डायबिटीज के मरीजों को अपने भोजन में मिलेट्स यानी ज्वार, बाजरा, रागी, सावां और कंगनी जैसे मोटे अनाजों को प्रमुखता से शामिल करना चाहिए। सिट्रस यानी संतरा, मौसंबी, नीबू और चकोतरा जैसे खट्टे फलों का सेवन भी फायदेमंद होता है। ऐसे मरीजों को जूस पीने के बजाय सीधे फलों का सेवन करना चाहिए क्योंकि फलों का जूस तेजी से शुगर लेवल को बढ़ा देता है। हरी पत्तेदार सब्जियों, दालों, स्प्राउट्स, सत्तू, बादाम, अखरोट और अलसी, कद्दू, खरबूजे, सूरजमुखी के बीजों का सेवन भी फायदेमंद होता है। आम, लीची, केला और चीकू जैसे फलों से दूर रहें। एक ही बार में ज्यादा खाने के बजाय हर 2 घंटे के अंतराल पर थोड़-थोड़ा खाएं। मल्टी ग्रेन आटे की रोटियां और ब्राउन राइस का सेवन करें। चावल उबालने के बाद उसका मांड निकालकर फेंक दें। नियमित रूप से योग, एक्सरसाइज के अलावा रोजाना सुबह-शाम आधे घंटे तक वॉक जरूर करें। संतुलित डाइट और शारीरिक गतिविधियों से बढ़ते वजन को नियंत्रित रखें। डॉक्टर की सलाह के बिना अपने मन से दवा की खुराक में कोई बदलाव न लाएं। ऐसे मरीजों में कई बार अचानक शुगर लेवल घट जाता है, ऐसी स्थिति से उबरने के लिए मरीज को अपने पास टॉफी रखनी चाहिए।।



कई अंगों पर पड़ता है दुष्प्रभाव

- पैरों की नसों में सुन्नपन, झनझनाहट और दर्द, कई बार एड़ियां बुरी तरह फटने लगती हैं।
- ऐसे मरीजों के हार्ट की धमनियों में बैड कोलेस्ट्रॉल जमा होता है, जिससे हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है।
- आंखों का रेटिना प्रभावित होता है और इससे अचानक आंखों की दृष्टि कम होने लगती है।
- किडनी की कार्यक्षमता कमजोर पड़ने जाती है, इससे किडनी से प्रोटीन का लीकेज होने लगता है और गंभीर स्थिति में किडनी फेल्यॉर की भी समस्या हो सकती है।
- गला सूखने और मसूड़ों में संक्रमण की भी आशंका बनी रहती है।
- त्वचा पर अनावश्यक रूखापन या सिरोसिस जैसे लक्षण दिखते हैं।
- अगर त्वचा पर कोई भी खरोंच या चोट लग जाए तो उससे बनने वाले घाव को भरने में ज्यादा समय लगता है। इसलिए ऐसे किसी भी लक्ष्ण को मामूली समझकर अनदेखा न करें। अगर इनमें से कोई भी लक्षण नजर आए तो बिना देर किए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

स्वस्थ व्यक्ति ऐसे करें बचाव

अगर आपका शुगर लेवल सामान्य है तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप असंतुलित खान-पान और अनियमित दिनचर्या अपनाएं। भविष्य में ऐसी समस्या से बचाव के लिए अभी से ही आपकी कोशिश यही होनी चाहिए कि आप अपनी डाइट में चीनी का इस्तेमाल कम से कम करें। घी, तेल, चीनी, मैदा और जंक फूड से दूर रहें। सादा और संतुलित खान-पान अपनाएं। आपकी डाइट में फाइबर, विटमिंस और प्रोटीन की मात्रा अधिक होनी चाहिए। इसके लिए ज्वार, बाजरा और रागी जैसे सभी मोटे आनाजों को अपनी डाइट में प्रमुखता से शामिल करें। हरी सब्जियों और मौसमी फलों का सेवन करें। *

प्रस्तुतिः विनीता

बच्चों में बढ़ता खतरा



सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि आजकल बच्चों में भी डायबिटीज के लक्षण नजर आने लगे हैं। पहले कुछ बच्चों में डायबिटीज टाइप-1 के लक्षण नजर आते थे, लेकिन आजकल खान-पान की गलत आदतों और लापरवाही भरी जीवनशैली के कारण बच्चे वेफर्स, चॉकलेट, केक-पेस्ट्री, पिज्जा, बर्गर और सॉफ्ट ड्रिंक्स जैसी चीजों का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं। पार्क में जाकर आउटडोर खेलने-कूदने के बजाय शाम के वक्त घंटों मोबाइल के साथ वक्त बिताते हैं। खान-पान की गलत आदतों और फिजिकल एक्टिविटीज की कमी के कारण आजकल शहरों में रहने वाले अधिकतर बच्चे ओबेसिटी के शिकार हो रहे हैं और इसी वजह से उनमें जुवेनाइल डायबिटीज की समस्या बढ़ रही है। बच्चों को ऐसी समस्या से बचाने के लिए शुरू से ही अपने परिवार में स्वस्थ खान-पान की आदतें विकसित करें। लंच या डिनर से पहले अगर उन्हें हल्की भूख लगे तो उस दौरान मंचिंग के लिए उन्हें चॉकलेट, वेफर्स जैसी चीजें देने के बजाय मौसमी फल, ड्राय फ्रूट्स और रोस्टेड मखाने जैसी चीजें खिलाएं।

मन को एकाग्र रखे माइंडफुलनेस

सजेशन
शिखर चंद जैन



हमारा शरीर अकसर वहीं होता है, जहां हम मौजूद होते हैं, लेकिन हमारा मन, कई बार बीते कल की किसी घटना, आने वाले कल की चिंता या मोबाइल की अगली सूचना में उलझा रहता है। हम खाना खाते हुए स्क्रीन देखते हैं, चाय पीते हुए काम की चिंता करते हैं और चलते हुए भी मन में दस योजनाएं बनाते रहते हैं। ऐसे में माइंडफुलनेस यानी सजगता हमारे जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

क्या है माइंडफुलनेसः माइंडफुलनेस का अर्थ किसी विशेष मुद्रा में बैठना या विचारों को जबरन रोक देना नहीं है। इसका सरल अर्थ है, इस क्षण में पूरी तरह उपस्थित होना। सांस भीतर जा रही है तो उसका अनुभव करना, हाथ में चाय है तो उसकी गर्माहट महसूस करना और चलते समय अपने कदमों की गति को जानना। माइंडफुलनेस जीवन में कुछ नया जोड़ने से अधिक, पहले से मौजूद जीवन को सचमुच देखने की कला है। ठीक यही बात चलते समय भी लागू होती है। एक कदम जमीन पर पड़ता है, फिर दूसरा। शरीर आगे बढ़ता है और मन उसके साथ रहता है। कुछ मिनटों की ऐसी सजग चाल भी हमें अपने शरीर और वर्तमान से दोबारा जोड़ सकती है।

शोध से हुआ साबितः 2024 में नेचर ह्यूमन बिहेवियर में प्रकाशित 37 अलग केंद्रों और 2,239 प्रतिभागियों वाले बड़े अध्ययन में पाया गया कि स्वयं किए जाने वाले छोटे माइंडफुलनेस अभ्यास तनाव कम करने में प्रभावी हो सकते हैं। 2024 की एक अन्य मेटा-विश्लेषण समीक्षा में 111 अध्ययनों और 9,538 प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें माइंडफुलनेस आधारित कार्यक्रमों से समग्र संज्ञानात्मक क्षमता, ध्यान, मेमोरी और निरंतर एकाग्रता जैसे कुछ क्षेत्रों में छोटे से मध्यम स्तर के सकारात्मक प्रभाव मिले। तनाव कम करने में माइंडफुलनेस का प्रभाव केवल मन की बात नहीं है। इसके पीछे तनाव से जुड़ी मनोवैज्ञानिक और शारीरिक प्रक्रियाओं में बदलाव की भूमिका हो सकती है। वैज्ञानिक कहते हैं कि हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि माइंडफुलनेस हर समस्या का इलाज है। बल्कि यह हमारे पास उपलब्ध एक मानसिक प्रशिक्षण है, जिसे नियमित अभ्यास से मजबूत किया जा सकता है।

ऐसे करें शुरुआतः शुरुआत में दिन में केवल तीन मिनट आंखें बंद करें। सांस को बदलने की कोशिश न करें। बस महसूस करें, सांस आ रही है, सांस जा रही है। विचार आएं तो उन्हें रोकें नहीं। बस पहचानें और धीरे से ध्यान सांस पर वापस ले आएं। फिर कभी चाय पीते समय केवल चाय पीजिए। चलते समय केवल चलिए। बच्चे से बात करते समय केवल बच्चे के साथ रहिए। *



मेरी उम्र 60 वर्ष है। सर्दियां शुरू होने के बाद जब भी मैं मॉर्निंग वॉक के लिए निकलता हूं, मेरी आंखों में जलन होने लगती है, कई बार सांस लेने में भी दिक्कत आती है। कृपया कोई उपाय बताएं?
-हरीश, रोहतक

इस समय कई शहरों में प्रदूषण काफी अधिक है। आप रोहतक में हैं। दिल्ली और हरियाणा के आस-पास के शहर भी प्रदूषण की चपेट में हैं। इसलिए आपको खास सावधानी रखनी चाहिए। सुबह के समय वॉक नहीं करना चाहिए, क्योंकि सुबह प्रदूषण का स्तर ज्यादा होता है। धूप निकलने के बाद आपको वॉक करना चाहिए। इसके साथ सबसे जरूरी बात है कि आप मास्क पहनकर ही वॉक पर जाएं। इस तरह आपको राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। सर्दियां शुरू होते ही मेरे बालों में डैंड्रफ की समस्या बढ़ जाती है। बाल रूखे भी हो जाते हैं। इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए?
-करण, रायपुर

सबसे जरूरी बात यह है कि जिस पानी से आप नहाते हैं, वो कैसा है? वो पानी साफ होना चाहिए क्योंकि तमाम शहरों में पानी गंदा आता है। इससे भी बालों की सेहत पर फर्क पड़ता है लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि बाजार में मौजूद तरह-तरह के शैंपू, कंडीशनर का इस्तेमाल बगैर डॉक्टर से कंसल्ट किए ना करें। आप जहां रहते हैं, अगर वहां का पानी खारा है तो इस पानी से बाल नहीं धोने चाहिए। नॉर्मल पानी से ही बालों को धोना चाहिए।

मेरी उम्र 44 वर्ष है। कुछ दिनों से बार-बार बुखार और बदन दर्द हो रहा है। कृपया बताएं कि मैं क्या करूं?
-गौतम, बिलासपुर

इस समय मौसम चेंज हो रहा है। कई बार तापमान में उतार-चढ़ाव की वजह से वायरल इंफेक्शन होने की संभावना रहती है। आपको बुखार आ रहा है और शरीर में दर्द हो रहा है तो यह टाइफाइड के लक्षण भी हो सकते हैं, लेकिन बगैर जांच के कुछ भी कहना ठीक नहीं है। आप फिजिशियन से संपर्क करें। वे लक्षण देखकर जांच कराएंगे, जिससे कारण पता चलेगा और उसी के अनुसार ट्रीटमेंट शुरू होगा।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। मैं पिछले साल से बीपी की दवा ले रहा हूं फिर भी मुझे बहुत गुस्सा आता है। मैं क्या करूं?
-सचिन, भोपाल

बीपी की दवा ले रहे हैं लेकिन उससे बीपी कम हो रहा है या नहीं, इस पर जरूर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि कई बार देखा गया है कि लोग दवा लेते रहते हैं लेकिन उससे बीपी कम नहीं होता या फिर दवा लंबे समय से लेने से बॉडी उसे एक्सेप्ट कर लेती है और उसका लाभ नहीं होता है। इसलिए आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें।

मेरी उम्र 55 वर्ष है। मेरा शुगर लेवल अप-डाउन होता रहता है। कृपया बताएं कि इसे कंट्रोल करने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?
-राजकिशोर, दुर्ग

ऐसे मामलों में दो बातें बहुत मायने रखती हैं। पहला, दवा का रेग्युलर सेवन और दूसरा, खान-पान सही होना यानी, शुगर के अनुसार डाइट लेना। अगर ये दोनों फॉलो करने के बाद भी आपका शुगर लो-हाई हो रहा है तो जरूर एक बार आपको डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए। हो सकता है कि दवा की डोज बढ़ाने की आवश्यकता हो।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। मैं गैस की प्रॉब्लम से परेशान रहता हूं। इस वजह से भूख भी नहीं लगती है। प्लीज बताएं मुझे क्या करना चाहिए?
-राजेश, महासमुंद

अगर आपको गैस की प्रॉब्लम रहती है तो आपको खान-पान में ध्यान रखने की जरूरत है, क्योंकि आपकी पाचन क्रिया कहीं ना कहीं प्रभावित हो रही है। खान-पान में आप सुबह हल्का नाश्ता करें, साथ में फल और जूस जरूर लें। दोपहर के खाने में छाछ-दही शामिल करें। साथ ही इस बात का ख्याल रखें कि गैस बनाने वाले फूड्स ज्यादा ना खाएं और खाने के बाद थोड़ा वॉक जरूर करें। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स सजेशन
डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

मॉर्निंग वॉक से जब हो आंखों में जलन की समस्या



ई-बसों के संचालन और चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार से ग्रीन मोबिलिटी को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा से प्रदेश में स्वच्छ और आधुनिक परिवहन को मिलेगा नया विस्तार



- वर्ष 2027 तक 1,100 बसों का बेड़ा तैयार करने का लक्ष्य
- यात्रियों को मिलेगी सुगम, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल सफर की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शुरू की गई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा ग्रीन मोबिलिटी को नई दिशा दे रही है। सात शहरों में 351 बसों के संचालन से शुरू हुई इस सेवा के तहत इलेक्ट्रिक बसों, डिजिटल टिकटिंग और आधुनिक तकनीक के माध्यम से परिवहन व्यवस्था को सुविधाजनक बनाया जा रहा है।

प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक बसों का बेड़ा बढ़ाकर 1,100 करना है। इसके लिए ई-बसों के संचालन के साथ चार्जिंग नेटवर्क, स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन सुविधाओं और आधुनिक डिपो का विस्तार किया जाएगा। इससे यात्रियों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलने के साथ कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और प्रदेश में टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने इसके लिए बस संचालन, बिजली की जरूरत और यात्री सुविधाओं को जोड़कर प्रदेशव्यापी रूपरेखा तैयार की है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने, जरूरी सुविधाएं तैयार करने, पैसा जुटाने और बड़े स्तर पर सेवाएं शुरू करने की चुनौतियों का समाधान सरकार और निजी क्षेत्र के सहयोग से किया जाएगा। नीतिगत सहयोग, निवेश के अवसर और साझा कार्ययोजना इसके प्रमुख आधार होंगे।

छह माह में नौ नए चार्जिंग केंद्र विकसित करने की योजना

आगामी छह माह में नौ नए चार्जिंग केंद्र विकसित करने की योजना है। इस कार्ययोजना के माध्यम से बसों की संख्या बढ़ाने के साथ उनके नियमित और निर्बाध संचालन के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। रूट और और परिवहन आवश्यकताओं की जरूरत के अनुसार इलेक्ट्रिक बसों के साथ कम कार्बन उत्सर्जन वाले दूसरे ईंधन विकल्पों का उपयोग किया जाएगा। इसके साथ ही शहरों के भीतर, शहरों के बीच, कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।

प्रमुख परिवहन मार्गों पर चार्जिंग स्टेशन किए जाएंगे विकसित

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत ई-बसों के संचालन के लिए प्रमुख परिवहन मार्गों पर चार्जिंग स्टेशन विकसित किए जाएंगे। डिपो को पर्याप्त क्षमता वाले बिजली नेटवर्क से जोड़ने के साथ सौर सहित नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। स्मार्ट चार्जिंग, बैटरी चार्जिंग और बिजली के बेहतर प्रबंधन से संचालन को अधिक भरोसेमंद बनाया जाएगा। इसके साथ बैटरी बदलने की सुविधा, सुरक्षित रखरखाव, पर्यावरण के अनुकूल बस टर्मिनल और आधुनिक परिवहन केंद्र विकसित किए जाएंगे। चार्जिंग, ऊर्जा आपूर्ति और बस संचालन की योजना एक साथ तैयार की जाएगी, ताकि बढ़ते बेड़े की जरूरतें समय पर पूरी की जा सकें।

तकनीक से समय पर और भरोसेमंद सेवा

प्रदेश स्तरीय इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस), जीपीएस आधारित निगरानी, एकीकृत टिकटिंग और यात्री सूचना प्रणाली से बस सेवाओं को जोड़ा जाएगा। यात्रियों को बसों की लोकेशन और सेवा से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ संचालन के आंकड़ों का नियमित विश्लेषण किया जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीक से बसों की उपलब्धता, समय पर संचालन और सेवा की गुणवत्ता बेहतर करने में मदद मिलेगी। एनसीसी (नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट) और तय नतीजों पर आधारित अन्य संचालन मॉडल में इस बात पर जोर रहेगा कि बसें अधिक समय सेवा के लिए उपलब्ध रहें। सुरक्षा मानकों का पालन हो। संचालन व रखरखाव बेहतर तरीके से हो।

एमपी में बस सेवाओं की गुणवत्ता और राजस्व की होगी कड़ी निगरानी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय पर्यवेक्षण समिति का गठन किया गया है। यह समिति मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना के तहत संचालित बस सेवा की निगरानी करेगी। योजना के तहत चल रही परिवहन सेवाओं का प्रभावी अधीक्षण, अनुश्रवण और मूल्यांकन करेगी। बसों के संचालन से होने वाली राजस्व संग्रहण और वित्तीय पारदर्शिता की नियमित समीक्षा करेगी। यह समिति राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी, सहायक क्षेत्रीय कंपनियों और जिला स्तरीय यात्री परिवहन समितियों के माध्यम से राज्य में सुगम, सुरक्षित, दक्ष एवं विनियमित परिवहन सेवा की समीक्षा कर सुधार के लिए अनुशंसाएं भी करेगी। बस परिवहन के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर (अधोसंरचना) के निर्माण, संचालन, रखरखाव और उसके अपग्रेडेशन के लिए आवश्यक सलाह देगी। बस सेवाओं की गुणवत्ता और यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं में सुधार के लिए सरकार को सुझाव भी देगी।

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित

डीजीपी ने मप्र पुलिस की 'सांख्यिकी डाटा पुस्तिका 2025' का किया विमोचन

भोपाल। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने आज पुलिस मुख्यालय में मप्र पुलिस की 'सांख्यिकी डाटा पुस्तिका-2025' का विमोचन किया। यह पुस्तिका मध्यप्रदेश पुलिस की संगठनात्मक संरचना, स्वीकृत बल, उपलब्ध संसाधनों एवं कार्यक्षमता का समग्र चित्र प्रस्तुत करने वाला महत्वपूर्ण संदर्भ दस्तावेज है। इसमें वर्ष 2025 के दौरान पुलिस संगठन से संबंधित महत्वपूर्ण सांख्यिकीय जानकारियों को संकलित कर सरल स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है। पुस्तिका में एक जनवरी 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक की अवधि के आंकड़ों को शामिल किया गया है। इसके नवीनतम संस्करण को अधिक उपयोगी, तथ्यपरक एवं व्यावहारिक बनाने के उद्देश्य से अनावश्यक एवं दोहराव वाले आंकड़ों को हटाकर महत्वपूर्ण जानकारियों को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही जटिल सूचनाओं को सरल एवं व्यवस्थित प्रारूप में प्रस्तुत किया गया है, जिससे पुलिस अधिकारियों एवं अन्य संबंधित इकाइयों को आवश्यक जानकारी सहजता से उपलब्ध हो सकेगी।

पुस्तिका में समाहित प्रमुख सांख्यिकीय जानकारियां एवं महत्वपूर्ण तथ्य

वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश पुलिस के स्वीकृत बल में कुल 2,673 नवीन पदों की वृद्धि हुई है। इनमें तकनीकी सेवाएं (एफएसएल) के 1,266, पुलिस बैंड के 932, हॉक फोर्स के 325 तथा जिला बल उज्जैन के 150 पद शामिल हैं। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में पुलिस के आवासीय परिसरों के प्रतिशत में वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया 1211.34 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन

सिंहस्थ क्षेत्र में किए जाएंगे स्थाई और पक्के निर्माण कार्य, बनेंगी पक्की सड़कें

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ क्षेत्र में स्थायी और पक्के निर्माण कार्य किए जाएंगे। मेला क्षेत्र में पक्की सड़कें बनाई जाएंगी और पेयजल व सीवेज की लाइनें बिछाई जाएंगी, ताकि सिंहस्थ के दौरान साधु-संतों को किसी तरह की परेशानी न हो। घाटों के ऊपरी हिस्से में श्रद्धालुओं के पैदल चलने के लिए रास्ता बनाया जाएगा। त्रिवेणी से सिद्धवट तक सीवेज लाइन डाली जाएगी, जिससे शहर का गंदा पानी शिप्रा नदी में नहीं मिलेगा। डॉ यादव मंगलवार को उज्जैन में 1211.34 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। डॉ यादव ने कहा कि सिंहस्थ के लिए उज्जैन में लगातार विकास कार्यों का भूमिपूजन किया जा रहा है। उज्जैन की पौराणिक पहचान अंगारेश्वर से भी है। आज यहां के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है।





उज्जैन मं विकास कार्यों का भूमिपूजन करते सीएम।

- प्रदेश के उज्जैन में तीर्थाटन में हुई वृद्धि से बदलाव स्पष्ट नजर आ रहा

विकास से उज्जैन में सम्पूर्ण बदलाव

सीएम ने कहा कि मप्र सहित देशभर में धार्मिक पर्यटन को गति दी जा रही है, उज्जैन में तीर्थाटन में हुई वृद्धि से बदलाव स्पष्ट नजर आ रहा है। वर्ष 2022 के बाद उज्जैन, तीर्थ क्षेत्रों के विकास में सम्पूर्ण बदलाव हुआ है। सरकार ने उज्जैन सहित प्रदेश के टियर 2 शहरों में अधोसंरचना विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और पर्व-त्योहारों को भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है, जिनमें प्रदेश की जनता पूर्ण रूप से सहभागी बन रही है। उन्होंने कहा कि उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के भव्य आयोजन की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सिंहस्थ कुंभ 12 वर्ष में एक बार आता है। उज्जैन में उत्तर भारत के प्रमुख शक्तिपीठ गढ़कालिका माता के तीर्थ क्षेत्र में भी विकास कार्यों का भूमि-पूजन हो रहा है।

जू एंड रेस्क्यू सेंटर का भूमि-पूजन 17 को

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि उज्जैन में 17 नवंबर को बहुप्रतीक्षित जू (चिड़ियाघर) और रेस्क्यू सेंटर का भूमि-पूजन किया जाएगा। उज्जैन में सड़कों के चौड़ीकरण कार्य के लिए स्वेच्छा से अपना मकान छोड़ने वाले परिवारों को मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में निःशुल्क आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार जिनकी दुकानें टूटी हैं, उन्हें उज्जैन की खाली जमीन पर मार्केट विकसित कर दुकानें दी जाएंगी। सिंहस्थ मेला क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए किसानों को जमीन अधिग्रहण के 4 गुना मुआवजा के चेक प्रदान किए गए हैं। हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ, सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने शहडोल दुर्घटना पर व्यक्त किया गहरा शोक, मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की स्वीकृत

- रेडक्रॉस से प्रत्येक परिवार को 25-25 हजार रुपए की तत्काल सहायता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शहडोल जिले में तालाब में डूबने से तीन किशोरों के निधन की घटना अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में परिवारजन के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगत किशोरों को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं शोकाकुल परिजन को यह असीम दुःख सहन करने का संबल प्रदान करने की प्रार्थना बाबा महाकाल से की है।

घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित

कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने घटना की गंभीरता को देखते हुए दुर्घटना की जांच के लिए अपर कलेक्टर सरोधन सिंह की अध्यक्षता में समिति गठित की है। समिति में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और सिविल सर्जन को सदस्य बनाया गया है। समिति घटना के सभी पहलुओं की जांच कर तीन दिवस के भीतर विस्तृत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।

आईआईएम कोझिकोड में डॉ. मिश्रा ने विकासपरक पर्यावरण बैठक को संबोधित किया

भारत ने वैश्विक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है : डॉ. पी.के. मिश्रा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने आज जलवायु परिवर्तन, कृषि संबंधी गतिशीलता, खाद्य सुरक्षा और पोषण से जुड़ी परस्पर संबद्ध चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, सूक्ष्म स्तर के आंकड़ों और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।डॉ. मिश्रा ने आईआईएम कोझिकोड में विकास के लिए पर्यावरण (ईएफडी) नेटवर्क की 20वीं वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन को अब केवल पर्यावरण से जुड़ी चिंता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि इसका प्रभाव कृषि उत्पादकता, जल की उपलब्धता, खाद्य पदार्थों की कीमतों, जन स्वास्थ्य और आजीविका पर भी पड़ता है।उन्होंने खाद्य सुरक्षा के पारंपरिक उपायों से आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि केवल पर्याप्त खाद्य उत्पादन सुनिश्चित करना ही पर्याप्त नहीं है। किफायती, विविधतापूर्ण और पौष्टिक आहार तक लोगों की पहुंच सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से जलवायु संबंधी व्यवधानों के कारण दलहनों, फलों, सब्जियों, दूध और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों की उपलब्धता और सुगमता प्रभावित हो सकती है।डॉ. मिश्रा ने फसल विविधीकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित कराने में प्रधानमंत्री की पहल का उल्लेख किया।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के 108वें स्थापना दिवस पर गुरुग्राम क्षेत्र की तीन नवीनीकृत शाखाओं का उद्घाटन



गुरुग्राम । भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने108वें स्थापना दिवसके अवसर पर ग्राहकों को आधुनिक एवं उत्कृष्ट बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुएचकरपुर, सुशांत लोक निकमार एवं नूह शाखाके नवीनीकृत परिसरों का उद्घाटन किया।इन नवीनीकृत शाखाओं का उद्घाटनश्री संजय नारायण, मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, दिल्ली अंचलद्वारा किया गया। इस अवसर परश्री हरिन्दर सिंह संधू, क्षेत्र प्रमुख, गुरुग्राम, श्री धीरज सिन्हा, क्षेत्रीय एग्जीक्यूटिव प्रमुख, संबंधित शाखाओं के शाखा प्रमुख, बैंक के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में बैंक के मूल्यवान ग्राहक उपस्थित रहे।उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुएश्री संजय नारायणने कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपने ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग अनुभव, आधुनिक आधारभूत सुविधाएं तथा डिजिटल सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शाखाओं का यह नवीनीकरण ग्राहकों की सुविधा, सेवा की गुणवत्ता और बैंकिंग अनुभव को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा।इस अवसर परश्री हरिन्दर सिंह संधूने बताया कि गुरुग्राम क्षेत्र की इन शाखाओं को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है, जिससे ग्राहकों को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित एवं सहज बैंकिंग वातावरण उपलब्ध होगा।

दो साल पहले बेटे की हुई थी असामयिक मौत

बेटे की मौत से दुखी महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

शहर के पुरानी बस्ती रानी रोड क्षेत्र में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहां निवासरत 50 वर्षीय महिला गीता तंवर उर्फ गीता बाई कंवर ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला दो साल पहले हुई अपने बेटे की मौत के बाद से लगातार दुखी चल रही थी और अकेलेपन से जूझ रही थी।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतिका गीता तंवर शहर के पुरानी बस्ती रानी रोड में निवासरत थी। उसका बेटा दो साल पहले खत्म हो गया था, जिसके बाद से वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगी थी। परिजनों और पड़ोसियों ने बताया कि दिवाली के त्योहार पर उसने बेटे के बगैर घर सूना लगने की बात कहते हुए अपनी परेशानी जाहिर की थी। वह अक्सर गुमसुम रहती थी और बेटे को याद कर दुखी रहती थी। बताया जा रहा है कि महिला ने अपने घर के सामने वाले कमरे में लगे लोहे के एंगल पर साड़ी से फांसी का फंदा बनाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। काफी देर तक जब घर से कोई हलचल नहीं हुई तो पड़ोसियों की नजर पड़ी। उन्होंने अंदर देखा तो महिला फंदे पर लटकी हुई मिली। तत्काल इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई।



प्रथम दृष्टया बेटे का सदमा ही आत्महत्या का कारण

पुलिस के अनुसार थाना कोतवाली के रानी रोड में एक घटना हुई थी, जिसमें गीता बाई कंवर ने साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस जांच में मौके पर पहुंची। प्रथम दृष्टया पता चला है कि महिला का पुत्र दो साल पूर्व खत्म हो गया था, जिसके बाद से वह अकेली रह रही थी और आज उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि मामले को संदिग्ध मानते हुए मर्ग कायम किया गया है। परिजन बेटे की मौत के सदमे को ही आत्महत्या का कारण बता रहे हैं। वहीं पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है कि उसने कब, कैसे और किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया है। फिलहाल शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आगे की विवेचना की जा रही है।

जेवरा-सिरसा चौकी क्षेत्र का मामला, पुलिस कर रही जांच

13 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म की वारदात तीन में से दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जिले के जेवरा-सिरसा चौकी क्षेत्र में एक 13 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यह घटना मंगलवार को गांव में गोवर्धन पूजा के बाद हुई। उस समय एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

कार्यक्रम के दौरान तीन युवक बच्ची को अपने साथ ले गए थे। इनमें से एक युवक ने नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। अन्य दो युवक आसपास के लोगों की निगरानी कर रहे थे। घटना की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। पुलिस ने तत्काल आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एक अन्य फरार युवक की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। यह घटना जेवरा सिरसा के समोदा गांव में हुई थी। मंगलवार की देर रात वहां रिकॉर्डिंग डांस कार्यक्रम चल रहा था।

- चल रहा था रिकॉर्डिंग डांस कार्यक्रम

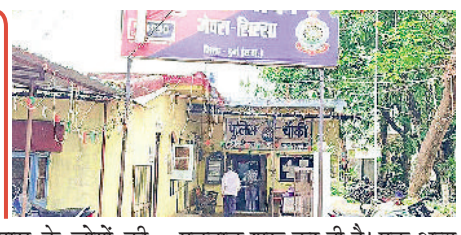

एक ने किया रेप, दो कर रहे थे निगरानी

पुलिस ने नाबालिग बच्ची का बयान दर्ज किया है। पुलिस की जांच में यह जानकारी सामने आई है। बच्ची को अपने साथ ले जाने वाले युवकों में से एक ने दुष्कर्म किया। बाकी दोनों युवक उस समय निगरानी कर रहे थे। पुलिस अन्य दोनों युवकों की भूमिका की भी जांच कर रही है। बच्ची के बयान के बाद कई तथ्य सामने आए हैं। इन तथ्यों के आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बस में सवार थे 20-25 यात्री, सभी सुरक्षित

चलती हुई बस में लगी भीषण आग, टला बड़ा हादसा



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के कटघोरा में एक चलती यात्री बस में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। बस के गियर बॉक्स में आग लगने के बाद केबिन में धुएं का गुबार भर गया। धुआं उठता देख यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हालांकि चालक की सूझबूझ और तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। बस में सवार सभी 20 से 25 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

यह घटना कटघोरा तहसील चौक की है। जानकारी के अनुसार यादव ट्रेवल्स की बस कोरबा से बिलासपुर जा रही थी। बस जब तहसील चौक के पास पहुंची तो अचानक गियर बॉक्स से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते केबिन में धुएं का गुबार भर गया। धुएं की गंध आते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। चालक ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए बस को सड़क किनारे रोक दिया और सभी यात्रियों को तुरंत नीचे उतरने के लिए कहा। गनीमत रही कि आग गियर बॉक्स तक ही सीमित रही और उसने पूरी बस को अपनी चपेट में नहीं लिया। कटघोरा तहसील चौक पर करीब 15 मिनट तक बस का गियर बॉक्स सुलगता रहा।

मौके पर जुटी भीड़, वाहनों की लगी कतार

स्थानीय लोगों और चालक-परिचालक ने पानी डालकर आग पर काबू पाया। इस दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना के कारण कुछ देर के लिए सड़क पर वाहनों की कतार भी लग गई। राहत की बात रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। सभी यात्री सुरक्षित हैं। यात्रियों ने बस से बाहर निकलने के बाद राहत की सांस ली। बाद में सभी यात्रियों को दूसरी बस से उनके गंतव्य बिलासपुर के लिए रवाना किया गया।

कोयले का सरकारी टेंडर दिलाने का दिया झांसा

सरकारी टेंडर दिलाने के नाम पर होटल व्यापारी ने की कारोबारी से 15 लाख रुपये की ठगी, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सक्ती

जिले के एक कारोबारी से सरकारी टेंडर दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। रायपुर के होटल कारोबारी दीपक उर्फ अंबेडकर टंडन के खिलाफ सक्ती सिटी कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आरोप है कि आरोपी ने बड़े अधिकारियों से पहचान और पहुंच होने का हवाला दिया था। उसने कोयले का बड़ा सरकारी टेंडर दिलाने का भरोसा दिलाया। इसी बहाने उसने कारोबारी किशन शर्मा से 15 लाख रुपये ले लिए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, किशन शर्मा सक्ती के वार्ड नंबर 6 गुरुद्वारा वार्ड निवासी हैं। वे ट्रांसपोर्टिंग और कोयले का कारोबार करते हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की।

शिकायत में बताया गया कि मार्च 2022 में दीपक टंडन ने उनसे संपर्क किया था। दीपक टंडन ने उच्च अधिकारियों से अपनी पहचान होने की बात कही। किशन शर्मा ने उसकी बातों में आकर चेक के माध्यम से कुल 15 लाख रुपये का भुगतान किया।



आरोपी ने सुरक्षा के तौर पर चैक भी दिए

आरोपी ने गारंटी के तौर पर दो चेक दिए थे। इनमें एचडीएफसी बैंक का 4 लाख रुपये का चेक क्रमांक 009268 शामिल था। एक ब्लैंक चेक क्रमांक 000013 भी दिया गया था। बाद में पीड़ित ने बैंक से चेक और खाते के संबंध में जानकारी ली। तब पता चला कि आरोपी का संबंधित बैंक खाता कई साल पहले ही बंद हो चुका था।

चिंतन

आतंकवाद के खिलाफ और सतर्कता जरूरी

कश्मीर घाटी में आतंकवाद एक बार फिर चुनौती दे रहा है। इसका चेहरा तेजी से बदल रहा है। अब दुश्मन केवल सीमा पार से घुसपैठ कर हमला नहीं करता, बल्कि देश के भीतर स्लीपर सेल भी तैयार करता है, स्थानीय मददगारों के जरिये साजिशों को अंजाम देता है और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक से सुरक्षा तंत्र को चुनौती देता है। साइबर नेटवर्क, एआई और मानवरहित हथियारों ने आतंकवाद के खतरे को और जटिल बना दिया है। सवाल है कि जब आतंक के तौर-तरीके इतने बदल रहे हैं तो हमारी सुरक्षा रणनीति कितनी बदली है? कुलगाम में सीआरपीएफ जवानों पर हमला और एलओसी पर पाकिस्तान की एंटी-ड्रोन तैनाती इसी बदलती चुनौती के संकेत हैं। ऐसे में आतंकवाद के खिलाफ और सतर्कता बरतनी होगी। हाल ही की घटना में जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सीआरपीएफ के अखरान कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर बाइक सवार हमलावरों की अंधाधुंध गोलीबारी इस बात का संकेत है कि आतंकियों के मंसूबे अभी कमजोर नहीं पड़े हैं। महज 15 सेकेंड में करीब 30 राउंड फायरिंग कर तीन जवानों को घायल करने के बाद हमलावरों का फरार हो जाना गंभीर चिंता का विषय है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के पार अपनी सैन्य तैयारियों को नए सिरे से धार देने में जुटा है। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने एलओसी के सामने 50 से अधिक विशेष एंटी-ड्रोन यूनिट तैनात की हैं। नवंबर में ही 20 नई यूनिट शामिल किए जाने की सूचना है। इनका उद्देश्य भारतीय ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन की निगरानी करना तथा उन्हें निष्क्रिय करना है। पाकिस्तान की इस तैयारी को केवल रक्षात्मक कदम मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कुलगाम की घटना और एलओसी के पार पाकिस्तान की सैन्य तैयारियों को अलग-अलग घटनाक्रम मानकर देखने के बजाय व्यापक सुरक्षा परिप्रेक्ष्य में समझने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2024 से अब तक 548 आतंकी घटनाएं होना और इनमें 45 जवानों का शहीद होना बताता है कि चुनौती कितनी गंभीर है। सुरक्षा बलों ने इस दौरान 138 आतंकियों को मार गिराया है, लेकिन आतंकवाद का नेटवर्क केवल आतंकियों को खत्म करने से समाप्त नहीं होता। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी सैन्य रणनीति में ड्रोन युद्ध को प्राथमिकता दी है। सेना प्रमुख आसिम मुनीर की रणनीति में ड्रोन को रक्षा और हमले, दोनों की पहली पंक्ति का हिस्सा बनाया जा रहा है। इसके लिए चीन और तुर्किये से आधुनिक तकनीक हासिल करने के साथ एआई और निगरानी प्रणालियों पर भी जोर दिया जा रहा है। ऐसे हालात में भारत को अपनी सुरक्षा रणनीति भी लगातार आधुनिक बनानी होगी। सीमा पर चौकसी, एंटी-ड्रोन प्रणाली, आधुनिक निगरानी उपकरण और खुफिया सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। साथ ही, कुलगाम जैसे संवेदनशील इलाकों में तैनात जवानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षाबलों का मनोबल और आम नागरिकों का विश्वास बनाए रखना होगा। पाकिस्तान की बदलती सैन्य रणनीति और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को देखते हुए किसी भी स्तर पर आत्मसंतुष्टि की गुंजाइश नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ केवल जवाबी कार्रवाई नहीं, बल्कि ऐसी चौकस और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था चाहिए, जो दुश्मन के मंसूबों को हमला होने से पहले ही नाकाम कर दे। यही जवानों की सुरक्षा और देश की संप्रभुता की सबसे बड़ी गारंटी है।



आर्थिकी
प्रमोद भार्गव

दवा कारोबार में अनैतिकता पर अंकुश

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा महंगी दवाओं को 'डकैती करार' देने के बाद भारत सरकार, दवा निर्माता एवं विक्रेता चेते हैं। इसी का परिणाम है कि रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा है कि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कैंसर के उपचार में दी जाने वाली 137 प्रकार की दवाओं पर व्यापारिक लाभ का अंतर तय कर दिया है। सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से रोगियों को हर साल अनुमानित 3502.31 करोड़ रुपये की बचत होगी। वस्तुतः कैंसर के गरीब मरीजों को भी बड़ी राहत मिल जाएगी। अततः यह कठोर निर्णय दवा उत्पादक फार्मेसियों की अनैतिक मार्केटिंग पर सर्वोच्च न्यायालय कड़ी निगरानी रखने की लगातार दी गई चेतावनियों के चलते संभव हुआ है।

दवाओं की कीमतें घटाने का यह फैसला स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के तहत गठित की गई विशेषज्ञ समिति की 17 अक्टूबर 2026 को आई सिफारिश के बाद लिया है। डीजीएचएस के बयान के अनुसार अब तक 76 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1225 सूत्रीकरण (फॉर्मूलेशन) के लिए नए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) जमा किए हैं। 1225 में से 1031 फॉर्मूलेशन की कीमतों में भारी कटौती की गई है। करीब 600 ब्रांड की दवाओं की कीमत में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। सबसे ज्यादा कटौती 96.45 प्रतिशत की गई है। वस्तुतः अब कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कई असरकारी दवाओं की कीमतों में भारी कमी स्पष्ट दिख रही है। आरपीजी लाइफ साइंसेज की स्तन कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली कैप्सूल 'पैल्बोप्रो' (पैल्बोसिक्लिब 125 मिलीग्राम) की कीमत 40,421.33 रुपये से घटकर मात्र 2720 रुपये रह गई है। इसी तरह अरविंकेयर फार्मा की प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली टेबलेट एबीरोन (एबिराटेरॉन एसीटेट 250 मिलीग्राम) का मूल्य 41,250 रुपये से घटकर 3218.23 रुपये निर्धारित कर दिया है। यह भारी अंतर सभी दवाओं पर दिखाई दे रहा। सर्वोच्च न्यायालय ने कैंसर की दवाओं की एमआरपी और सरकारी खरीद मूल्य के बीच बड़े अंतर को अजूबा करार दिया था। यह अंतर 10 गुना से भी ज्यादा था। 2700 रुपये की खुदरा बिक्री वाली कैंसर की दवा पर एमआरपी 27,000 रुपये अंकित होने पर इसे न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ने पहले तो 'दिन-दहाड़े' डकैती कहा और फिर 29 सितंबर 2026 को की गई सुनवाई में इस भारी अंतर को दो टूक शब्दों में 'कत्लेआम' यानी 'सामूहिक-संहार' तक कहने में संकोच नहीं किया था। दवा कारोबारी, निजी अस्पतालों और सरकारी अस्पतालों में दवाओं की खरीद करने वाले जिम्मेदारों के लिए इससे तीखी टिप्पणी, दूसरी कोई हो नहीं सकती ? अदालत ने यह सवाल भी खड़ा किया था। कि आखिर 'इतना पैसा कहां जा रहा है और फायदा किसे हो रहा है? 'यह टिप्पणी सीधे-सीधे दवा उत्पादक, निजी अस्पतालों के मालिक एवं चिकित्सक तथा सरकारी खरीद में लिप्त जिम्मेदारों का अमानवीय चेहरा सामने लाती है। 137 दवाओं की दरें निर्धारित हो जाने से साफ हो गया है कि बड़ा घालमेल दवा उद्योग में चल रहा है। इस घालमेल पर अंकुश लगाने की दृष्टि से ही न्यायालय द्वारा 8 अक्टूबर 2026 को दिए एक आदेश के बाद केंद्र सरकार ने फार्मा



कंपनियों की कारोबारी गतिविधियों, तौर-तरीकों की समीक्षा और निगरानी के लिए नीति आयोग के सदस्य डॉ एम श्रीनिवास की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की हुई है। समिति को कंपनियों द्वारा दवा के अनैतिक कारोबार को बढ़ावा देने वाले उपायों की असरकारी समीक्षा का दायित्व दिया गया था। इन उपायों में चिकित्सकों को दिए जाने वाले प्रलोभनों की भी समीक्षा शामिल है। अदालत में इसी परिप्रेक्ष्य में 'फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया' की भी एक याचिका लंबित है। इसमें अनुरोध किया है कि प्रभावी कानून बनने तक फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर फॉर्मूलेशन और नियमन के लिए दिशा-निर्देश भी तय कर दिए जाएं ताकि मौजूदा व्यवस्था में जो बड़ी असामानता है, वह दूर हो सके? इसके अंतर्गत ऐसे प्रलोभन स्वीकार करने वाले चिकित्सकों के लिए कार्यवाही का प्रविधान तो है, लेकिन उन्हें प्रलोभन देने वाली दवा कंपनियों को नियंत्रित या दंडित करने के लिए समान वैधानिक व्यवस्था नहीं है। अतएव कंपनियां अपने उत्पादों के प्रचार के लिए चिकित्सकों को महंगे उपहार और सेमिनार के बहाने देश-विदेश की पंचतारा हवाई यात्राएं अपने खर्चे पर कराती हैं। अततः इसका असर रोगी पर पड़ता है और वे महंगी दवाएं खरीदने के लिए लाचार बने रहते हैं। इस समिति की रिपोर्ट अभी आनी है। सस्ती हुई 137 दवाओं में जो अंतर देखने में आया है, उससे साफ है कि दवाएं आम आदमी की पहुंच से जानबूझकर धन कमाने की हवस के चलते बाहर की जा रही हैं। सस्ती हुई दवाओं के अंतर ने तय कर दिया है कि दवा महंगी होने का कारण दवा में लगने वाली सामग्री का महंगा होना नहीं है, बल्कि दवा कंपनियों का मुनाफे की हवस में बदल जाना है। इस लालच के चलते कंपनियां राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के नियमों का भी पालन नहीं करती हैं। नियमों के मुताबिक दवाओं की कीमत लागत से मात्र सौ गुनी ज्यादा रख सकते हैं। लेकिन दवाओं की कीमत 1023 फीसदी तक ज्यादा वसूली जा रही है। यहां तक की नामी-गिरामी दवा कंपनियां भी दो सौ से पांच सौ गुना ज्यादा कीमत अपने दवा उत्पादों की रख रही हैं। दवा कंपनियों ने सरकार द्वारा दी उत्पाद शुल्क में छूट का लाभ तो पूरा लिया, लेकिन दवाओं की कीमतों में कटौती नहीं की। इस तरह से सरकार और ग्राहकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। बेमतलब की अनेक जांचें भी केवल मुनाफे के लिए कराई जा रही हैं। दरअसल, वर्तमान में दवा कारोबार मुनाफे की हवस की गिरफ्त में तो है ही, निजी चिकित्सालय उद्योग रोगी पैदा करने और रोगी बनाए रखने का काम भी कर रहे हैं। इसलिए चिकित्सकों पर ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वे रोगी की सेवा के बनिस्वत दवा कारोबार की सेवा में लिप्त हैं। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि चिकित्सक ज्ञान तो निश्चित रूप से उच्च चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त करते हैं, लेकिन चिकित्सक बनने के बाद उनके इस ज्ञान का अपहरण दवा उद्योग कर लेते हैं। अतएव ज्यादातर डॉक्टर पर्चे में वहीं दवा लिखते हैं, जो उन्हें दवा कंपनियों के एमआर समझाते हैं और कमीशन के साथ उपहार देते हैं। जबकि चिकित्सा का पेशा जीवन रक्षा का धंधा है। वह मनुष्यता की संवेदना और मर्म की सुरक्षा का नैतिक व्यवसाय है। एक लाचार मरीज चिकित्सक के पास स्वास्थ्य लाभ लेने की उम्मीद से जाता है, न कि दवा उद्योग के लालच को बढ़ावा देने की दृष्टि से ? किंतु पैसा कमाने की अनैतिक होड़ का ही परिणाम है कि रोगी अब चिकित्सक को धरती का भगवान मानने से मुकर रहा है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

> सर्वोच्च न्यायालय द्वारा महंगी दवाओं को 'डकैती करार' देने के बाद भारत सरकार, दवा निर्माता एवं विक्रेता चेते हैं। इसी का परिणाम है कि रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा है कि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कैंसर के उपचार में दी जाने वाली 137 प्रकार की दवाओं पर व्यापारिक लाभ का अंतर तय कर दिया है। सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से रोगियों को हर साल अनुमानित 3502 .31 करोड़ रुपये की बचत होगी। वस्तुत : कैंसर के गरीब मरीजों को भी बड़ी राहत मिल जाएगी। अतत : यह कठोर निर्णय दवा उत्पादक फार्मेसियों की अनैतिक मार्केटिंग पर सर्वोच्च न्यायालय कड़ी निगरानी रखने की लगातार दी गई चेतावनियों के चलते संभव हुआ है।

विश्व निमोनिया दिवस
बाल मुकुन्द ओझा

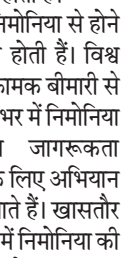

केवल दवाओं की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं, रहें अलर्ट

विश्व निमोनिया दिवस हर साल 12 नवम्बर को लोगों को निमोनिया जैसी गंभीर सांस संबंधी बीमारी के प्रति जागरूक करना, इसके लक्षणों को पहचानने, समय पर इलाज कराने और बीमारी से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देने के लिए मनाया जाता है। इस साल, 2026 में, विश्व निमोनिया दिवस की थीम निमोनिया नियंत्रण का एक नया युग रखी गई है। यह थीम निमोनिया से होने वाली उन मौतों को कम करने में टीकों, जांच के साधनों और इलाज के तरीकों में हुई प्रगति के महत्व को उजागर करती है, जिन्हें रोका जा सकता है। यह जीवन बचाने वाले इन उपायों तक समान पहुंच की वकालत करती है, खासकर उन बच्चों और वंचित समुदायों के लिए जो अधिक जोखिम में हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल 5 साल से कम उम्र के 14 लाख बच्चों की मौत निमोनिया के कारण होती है। यह दुनिया भर में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की कुल मौतों का 18 प्रतिशत है। यूनिसेफ के अनुसार, हर 39 सेकंड में एक बच्चे की मौत निमोनिया से होती है।

अनुमान है कि 50 साल से अधिक उम्र के वयस्कों में निमोनिया से होने वाली 16 लाख मौतें, वायु प्रदूषण और धूम्रपान के कारण होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, निमोनिया आज भी बच्चों में संक्रामक बीमारी से होने वाली मौतों का एक बड़ा कारण है। इस अवसर पर दुनियाभर में निमोनिया के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाए जाते हैं। खासतौर पर बच्चों में निमोनिया की रोकथाम को प्राथमिकता दी जाती है, क्योंकि पांच साल से कम उम्र के बच्चे इस बीमारी के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। द लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित अध्ययनों के अनुसार भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की लगभग 14 से 26 फीसदी मौतें निमोनिया के कारण होती हैं। देश में इस आयु वर्ग के लगभग 14.9 फीसदी बच्चों की मौत का कारण निमोनिया है। कुछ आंकड़ों में यह अनुपात 18 फीसदी तक पाया गया है। यह आंकड़े वास्तव में चिंताजनक हैं। भारत में मौसम बदलते ही बीमारियों का खतरा मंडराने लगता है। इनमें निमोनिया प्रमुख है। अस्पतालों में लम्बी लम्बी कतारें लग जाती है। इस समय गर्मी के विदाई का वक्त है। सर्दी की आहट के साथ ही बच्चे से बुजुर्ग तक को अपनी सेहत की चिंता सताने लगती है। इस समय मौसम भी अजब-गजब है। कहीं पंखे चल रहे हैं तो कहीं एयर कंडीशनर भी। लोगों ने गर्म कपडे.निकाल लिए है। पंखा आदि चलाकर कम्बल का उपयोग करते देखा जा सकता है। दिवाली पर प्रदूषण की मार भी लोग झेल रहे है। इसी बीच सर्दियों का मौसम शुरू होते ही सर्दी, खांसी, जुकाम, गले में खराश और बुखार जैसी अनचाही बीमारियां बढ़ने लगी हैं। सर्द मौसम में निमोनिया का खतरा भी चिंता का विषय बन जाता है। निमोनिया फेफड़ों में होने वाला संक्रमण है, जिसके कारण फेफड़ों की छोटी वायु थैलियों में सूजन आ सकती है और उनमें तरल पदार्थ या मवाद भर सकता है। इससे मरीज को सांस लेने में परेशानी होने लगती है। खासतौर पर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को इस बीमारी से अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक निमोनिया से निपटने के लिए केवल दवाओं की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि टीकाकरण, शुरुआती पहचान, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन की उपलब्धता भी जरूरी है। निमोनिया कोई छोटी-मोटी बीमारी नहीं है। निमोनिया फेफड़ों में असाधारण तौर पर सूजन आने के कारण होता है। इसमें फेफड़ों में पानी भी भर जाता है। आमतौर पर निमोनिया कई कारणों से होता है जिनमें प्रमुख हैं बैक्टीरिया, वायरस, फंगी या अन्य कुछ परजीवी। इनके अलावा कुछ रसायनों और फेफड़ों पर लगी चोट के कारण भी निमोनिया होता है। बैक्टीरिया जनित निमोनिया दो से चार सप्ताह में ठीक हो सकता है। इसके विपरीत वायरल जनित निमोनिया ठीक होने में अधिक समय लेता है।

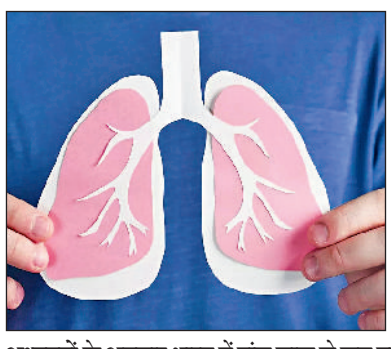

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पूजा वह है, जो परिपूर्णता से उत्पन्न हो



संकलित
दर्शन

यजमान को देश-काल के सातत्य में उसके जन्म के नक्षत्र, जन्म राशि, पैतृक वंश, गोत्र, पूरा नाम, पिता का नाम आदि द्वारा भी परिभाषित किया जाता है। इसके बाद यजमान द्वारा संकल्प लिया जाता है। वस्तुतः संकल्प कभी लिया नहीं जाता, बल्कि उसे छोड़ दिया जाता है या भगवान के चरणों में समर्पित कर दिया जाता है। जब यजमान पूर्ण विश्वास के साथ अपना संकल्प देवत्व के चरणों में छोड़ देता है कि जो भी उसके लिए सही होगा, वह अवश्य होगा, वह पूजा में बैठने के योग्य हो जाता है। पूजा वह है, जो परिपूर्णता से उत्पन्न होती है। जब आप अपनी सभी इच्छाओं, सभी परेशानियों और शिकायतों को दिव्यता के चरणों में छोड़ देते हैं, तभी आप परिपूर्ण प्रतीत कर सकते हैं। तभी आप पूजा में बैठने लायक बन सकेंगे। तभी आप पूजा का हिस्सा बन सकते हैं। रुद्र पूजा में शिव-तत्व का उसकी पूरी भव्यता के साथ आह्वान किया जाता है। भक्त मंत्रों की तरंगों में डूब जाते हैं। मन ध्यान की अवस्था में पहुंच जाता है। संपूर्ण वातावरण शिव-तत्व से आवेशित हो जाता है। भक्त शिव-तत्व के साथ एक हो जाते हैं। शिव वह परोपकारी ऊर्जा हैं, जो परिवर्तन करती है और बाधाओं को दूर करती है। संकल्प आसानी से सर्वव्यापी दिव्यता तक संप्रेषित हो जाते हैं और उस सर्वव्यापी, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान दिव्यता के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। सभी हितकारी मनोरथ फलदायी होते हैं। सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं। जीवन गतिमान होता है।

जब मन अशांत हो, अपने इष्टदेव का जप करें

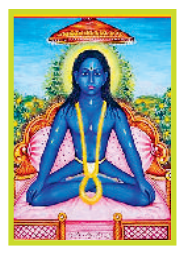

संकलित
प्रेरणा

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

अंतर्मन



आज की पाती

एथेनॉल की खूबियों के बावजूद चिंताएं बरकरार

देश में पेट्रोल के विकल्प के रूप में एथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक और कदम उठाया है, जबकि देश में एथेनॉल को लेकर पूर्व में हंगामा भी बहुत हुआ था। लिहाजा, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ई-100 ईंधन से चलने वाले वाहनों को अनुमति देने के लिए मोटर वाहन नियमों में बदलाव की अधिसूचना जारी की है। यह फैसला भारत की ऊर्जा जरूरतों, पर्यावरण संरक्षण और विदेशी तेल पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। हालांकि, इस नई व्यवस्था को केवल हरित क्रांति के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके साथ वाहनधारकों की आर्थिक स्थिति, वाहनों की तकनीकी क्षमता, ईंधन की उपलब्धता और रखरखाव से जुड़ी चुनौतियों को भी समझना जरूरी है। -कांतिलाल मांडोत, सूरत

ट्रेंड

शतरंज में शतक



भारत ने शतरंज में शतक लगा दिया है! 100वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने पर अनुज श्रीवास्त्री को बधाई! यह वाकई एक शानदार उपलब्धि है। यह हमारे खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिभा, लगन और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

उत्पादन का रिकॉर्ड



भारत ने उत्पादन के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। चावल के उत्पादन में हम दुनिया मे पहले नंबर पर आ गए हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक देश भी बन गया है। आज, देश में रिकॉर्ड 377 मीट्रिक टन अनाज और 378 मीट्रिक टन फल व सब्जियों का उत्पादन हो रहा है।
- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषिमंत्री

अत्यंत दुःखद



पाली में एक दुकान में लगी आग के धुएं से दम घुटने के कारण कांग्रेस पार्षद उषा पुनामिया, उनके पति प्रकाश पुनामिया और उनके बड़े भाई गौतम के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।
-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

नई रामायण



नई रामायण देखी। इसमें न तो कोई दिव्यता दिखी और न ही भक्ति का भाव। कई महत्वपूर्ण दृश्य गायब हैं, और कई दृश्यों के संवादों में वह गरिमा नहीं है जो ऐसी फिल्म में होनी चाहिए। रावण का काफी महिमामंडन किया गया है।
- सुनील लहरी, अभिनेता

करंट अफेयर

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण बेलफास्ट में विशेष कार्यक्रम



'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उत्तरी आयरलैंड के बेलफास्ट स्थित भारतीय वाणिज्य महादूतावास में ब्रिटेन के विभिन्न हिस्सों के 60 से अधिक संगीतकारों ने एक विशेष संगीत कार्यक्रम पेश किया। बेलफास्ट स्थित टोकाटा म्यूजिकल्स प्रोडक्शंस के सहयोग से तैयार राष्ट्रगीत की यह संगीत प्रस्तुति पिछले सप्ताह ऑनलाइन जारी की गई। भारतीय वाणिज्य महादूतावास ने बताया कि इसमें शामिल संगीतकारों का भारत, उसकी संस्कृति, परंपराओं, आध्यात्मिकता और संगीत विरासत से व्यक्तिगत जुड़ाव है। ब्रिटेन के बेलफास्ट स्थित भारतीय वाणिज्य महादूतावास देश के नए वाणिज्य दूतावासों में से एक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले साल मार्च में इसका उद्घाटन किया था। बेलफास्ट में भारत की महावाणिज्यदूत किरण खत्री ने कहा, 'बेलफास्ट में भारत के पहले महावाणिज्य दूतावास की स्थापना भारत और उत्तरी आयरलैंड के संबंधों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह उत्तरी आयरलैंड के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने और संस्कृति, शिक्षा, व्यापार तथा लोगों के बीच संपर्क के माध्यम से मजबूत संबंध बनाने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' इस परियोजना में संगीतकारों ने 'वंदे मातरम' के सम्मान में स्वेच्छा से अपना समय दिया।

ऑफ बीट

वास्तविकता 'कम खाओ ज्यादा चलो' से अलग है



दशकों तक हमें बताया गया कि वजन कम करना केवल आत्म-नियंत्रण का मामला है : कम खाओ, ज्यादा चलो। लेकिन आधुनिक विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि वास्तविकता इससे अलग है। हमारे पूर्वजों का असर हजारों साल पहले हमारे मानव पूर्वजों के लिए शरीर की चर्बी जीवन रेखा थी – बहुत कम चर्बी से भूखमरी का खतरा, बहुत अधिक चर्बी से धीमी गति का खतरा। समय के साथ, मानव शरीर ने ऊर्जा भंडारण की रक्षा करने के लिए जटिल जैविक रक्षा तंत्र विकसित किए, जो दिमाग में जुड़े थे। आज, जब भोजन हर जगह उपलब्ध है और शारीरिक गतिविधि वैकल्पिक है, तो वही तंत्र वजन घटाना मुश्किल बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति वजन घटाता है, तो शरीर इसे जीवन पर खतरे के रूप में देखता है : भूख वाले हार्मोन बढ़ते हैं, खाने की लालसा बढ़ती है और ऊर्जा खर्च घटता है। यह तंत्र कभी भूख और भोजन की अनिश्चितता में जीवन बचाने के लिए विकसित हुआ था, लेकिन आज यह चुनौती बन गया है। हमारा दिमाग भी वजन की रक्षा के लिए शक्तिशाली तंत्र रखता है और यह पुराने वजन को "याद" रख सकता है। इसका मतलब है कि यदि शरीर कभी भारी रहा है, तो दिमाग बाद में उसे सामान्य मानकर उसकी रक्षा करता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों पुरस्कृत हुआ छत्तीसगढ़, स्वच्छ सर्वेक्षण में लहराया सूबे का परचम, बिल्हा ने देश भर में मारी बाजी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

स्वच्छता और बेहतर नगरीय प्रबंधन की दिशा में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों नगर पालिक निगम रायपुर, नगर पालिक निगम बिलासपुर और नगर पंचायत बिल्हा को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विशेष रूप से बिलासपुर जिले की नगर पंचायत बिल्हा ने देश में 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। वहीं, 'स्वच्छ रिवर फ्रंट टाउन' श्रेणी में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। रायपुर नगर पालिक निगम को स्वच्छता में राज्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव, विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा संबंधित नगरीय निकाय के महापौरों एवं आयुक्तों ने राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किया। इस उपलब्धि से राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों के स्वच्छता संबंधी प्रयासों को नई पहचान मिली है। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों, संबंधित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्वच्छता कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साय ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ को मिले राष्ट्रीय सम्मान हमारे शहरों की बदलती तस्वीर और स्वच्छता के प्रति प्रदेशवासियों की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। बिल्हा जैसे छोटे नगर का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना, बिलासपुर का स्वच्छ नदी तटवर्तीय श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल करना और रायपुर का राज्य में अग्रणी स्थान पर रहना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल स्वच्छता की रैंकिंग में आगे बढ़ना नहीं, बल्कि ऐसी स्थायी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें स्वच्छता हर नागरिक की आदत और हर शहर की पहचान बने। जनभागीदारी, आधुनिक नगरीय सुविधाओं और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से हम स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं। उप मुख्यमंत्री,नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को सम्मानित किया जाना प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह सम्मान नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वच्छता कर्मियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। समारोह में नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, नगर पालिक निगम बिलासपुर की महापौर पूजा विधानी तथा नगर पंचायत बिल्हा की अध्यक्ष वंदना जेंड्रे, राज्य शहरी विकास अभिकरण के मिशन डायरेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल, आयुक्त नगर निगम रायपुर संबित मिश्रा, बिलासपुर आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

2दिनी दौरे पर कर्नाटक और गुजरात जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी, 15,600 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की देंगे सौगात

बेंगलुरु में मेट्रो को दिखाएंगे हरी झंडी, खुद भी करेंगे सफर, मैसूरु में पौधरोपण और कॉसमॉस तारामंडल का करेंगे उद्घाटन, शनिवार को अंबाजी मंदिर में करेंगे पूजा-अर्चना

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार से कर्नाटक और गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह विभिन्न धार्मिक, शैक्षणिक और वैज्ञानिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ ही कर्नाटक में 15,600 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण करेंगे। प्रधानमंत्री शुक्रवार सुबह कर्नाटक में स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यासा) के आवासीय मुख्यालय परिसर प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर वह संस्थान की उपलब्धियों और योग के क्षेत्र में उसके योगदान से जुड़े कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री बेंगलुरु में मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे। वे तवरेकेरे से आईआईएम बेंगलुरु मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो से यात्रा भी करेंगे। इसके माध्यम से शहरी परिवहन और सार्वजनिक यातायात के विस्तार से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। बेंगलुरु में ही प्रधानमंत्री 15,600 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे, उनका उद्घाटन करेंगे और कुछ परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इन परियोजनाओं का संबंध क्षेत्र के आधारभूत ढांचे और विकास से है। शुक्रवार को ही प्रधानमंत्री मैसूरु पहुंचेंगे। वे भारत वन में पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद शाम को कॉसमॉस-मैसूरु तारामंडल का उद्घाटन करेंगे। इस तारामंडल के माध्यम से लोगों, विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं को खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष से जुड़े विषयों को समझने का अवसर मिलेगा।

शनिवार को अंबाजी मंदिर में करेंगे दर्शन-पूजन

दौरे के दूसरे दिन शनिवार को प्रधानमंत्री गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर पहुंचेंगे। यहां वह दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे। अंबाजी मंदिर देश के 51 प्रतिष्ठित शक्तिपीठों में शामिल है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। प्रधानमंत्री का यह दो दिवसीय दौरा कर्नाटक में विकास परियोजनाओं, शहरी परिवहन, शिक्षा, विज्ञान और पर्यावरण से जुड़े कार्यक्रमों के साथ गुजरात के प्रमुख धार्मिक स्थल पर दर्शन-पूजन के कार्यक्रमों को समाहित करेगा।

सोनिया गांधी के संस्मरण पर भाजपा ने किया तीखा हमला

प्रधानमंत्री की कुर्सी छोड़कर बन गईं 'सुपर पीएम'

भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी ने कसा तंज और फैसले को 'सुपर त्याग' बताया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के नए संस्मरण को लेकर भाजपा ने उन पर तीखा हमला बोला है। भाजपा ने 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के उनके फैसले को त्याग बताने के दावे पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा कि सोनियाने प्रधानमंत्री की कुर्सी छोड़कर 'सुपर पीएम' बनने का रास्ता चुना था। उन्होंने प्रधानमंत्री पद नहीं संभाला, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार में राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की अध्यक्ष बनकर कैबिनेट मंत्री के बराबर दर्जा हासिल किया। पार्टी ने आपातकाल और राजीव गांधी से जुड़े दावों को भी चुनौती दी है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सोनिया के संस्मरण 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' पर प्रतिक्रिया दी। इसमें सोनिया ने लिखा है कि 2004 में उन्हें प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव दिया गया था। शुरुआत में उन्होंने इस विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया था। बाद में गठबंधन के सहयोगियों के दबाव पर उन्होंने कमजोर मन से 'ठीक है' कहा, लेकिन आखिर में प्रधानमंत्री बनने से साफ इनकार कर दिया। इस पर त्रिवेदी ने सवाल उठाते हुए उनके फैसले को 'सुपर त्याग' बताया।

'सुपर पीएम' का उदाहरण दुनिया में नहीं



सुधांशु ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री पद छोड़कर कैबिनेट रैंक वाला पद लेना किस तरह का त्याग था। त्रिवेदी ने कहा कि दुनिया में ऐसा उदाहरण नहीं मिलेगा, जहां कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री पद छोड़कर कैबिनेट मंत्री के बराबर दर्जा हासिल करे। भाजपा ने इसी आधार पर सोनिया के फैसले पर सवाल उठाए।

सोनिया के दावे पर हजारे भी बिफरे

इतनी संकीर्ण सोच रखना सही नहीं देश के बारे में सोचिए



वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा कि मेरे लिए सिर्फ समाज और देश मायने रखते हैं। इतनी संकीर्ण सोच रखना सही नहीं है। देश के बारे में सोचिए। यह किस दिशा में जा रहा है और हमारे राष्ट्र की क्या हालत है, इस पर ध्यान दीजिए। हजारे ने कहा कि मेरा कांग्रेस या भाजपा किसी से भी कोई लेना-देना नहीं है।

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2026

छठ पूजा त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 12.11.2026, 13.11.2026 एवं 14.11.2026 को पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

दिनांक 12.11.2026 (गुरुवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
02254	नई दिल्ली (वंदे भारत एक्सप्रेस)	08:35	पटना जं	21:30	एग्जीक्यूटिव चेयर कार एवं एसी चेयर कार	अलीगढ जं, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं, पं दीन दयाल उपाध्याय जं, बक्सर एवं आरा
04010	दिल्ली जं.	23:05	सीतामढ़ी जं.	23:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर इकोनोमी एवं शयनयान	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, गोरखपुर, बगहा, नरकटियागंज जंक्शन, सिकटा, रक्सौल जंक्शन और बैरगनिया
04068	नई दिल्ली	19:00	पटना जं.	15:00	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, टूंडला जंक्शन, गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर
04014	आनन्द विहार (ट.)	15:40	लौकहा बाजार	20:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., शीशो जं.,सकरी जं., झंझारपुर एवं वाचस्पति नगर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	23:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04072	नई दिल्ली	21:35	सुपौल जं.	06:35	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं.,बख्तियारपुर एवं सहरसा जं.
04062	आनन्द विहार (ट.)	12:00	भागलपुर	13:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04064	नई दिल्ली	11:00	गया जं.	07:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जं.	12:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा
04098	शकूर बस्ती	09:20	दरभंगा जं.	11:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड एवं कमतौल
04406	शकूर बस्ती	19:10	मानसी जं.	02:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04404	शकूर बस्ती	15:15	पटना जं.	14:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04410	शकूर बस्ती	13:00	झंझारपुर जं.	16:00	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड, कमतौल, शीशो जं. एवं सकरी जं.
04066	आनन्द विहार (ट.)	05:00	सबौर	07:00	2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं., सुलतानगंज एवं भागलपुर
04054	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं., किऊल जं., झाझा, जसीडीह जं., मधुपुर जं., चित्तरंजन, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंडेल
04210	दिल्ली जं.	18:50	वाराणसी जं.	09:50	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़, गजरौला जं., मुरादाबाद, रामपुर, हरदोई, लखनऊ जं., रायबरेली जं. एवं मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़
04080	नई दिल्ली	22:30	दरभंगा जं.	01:00	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औंड़िहार जंक्शन, गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जंक्शन, मुजफ्फरपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन और लहेरियासराय

दिनांक 13.11.2026 (शुक्रवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

02436	नई दिल्ली (वंदे भारत एक्सप्रेस)	08:35	पटना जं.	21:30	एग्जीक्यूटिव चेयर कार एवं एसी चेयर कार	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04028	आनन्द विहार (ट.)	09:15	मुजफ्फरपुर जं.	04:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, सोनपुर एवं हाजीपुर जं.
04014	आनन्द विहार (ट.)	15:40	लौकहा बाजार	20:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., शीशो जं., सकरी जं., झंझारपुर एवं वाचस्पति नगर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	23:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04072	नई दिल्ली	21:35	सुपौल जं.	06:35	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं.
04052	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा	23:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं., किऊल जं., झाझा, जसीडीह जं., मधुपुर जं., चित्तरंजन, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंडेल
04062	आनन्द विहार (ट.)	12:00	भागलपुर	13:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04090	नई दिल्ली	23:30	दानापुर	15:00	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	दिल्ली जं., गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04064	दिल्ली जं.	11:00	गया जं.	07:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जं.	12:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा
04098	शकूर बस्ती	09:20	दरभंगा जं.	11:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जानकीनगर रोड एवं कमतौल
04406	शकूर बस्ती	19:10	मानसी जं.	02:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04404	शकूर बस्ती	15:15	पटना जं.	14:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04410	शकूर बस्ती	13:00	झंझारपुर जं.	16:00	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड, कमतौल, शीशो जं. एवं सकरी जं.
04022	नई दिल्ली	14:30	गोरखपुर जं.	04:10	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., हरदोई, लखनऊ जं., गोंडा जं., बस्ती एवं खलीलाबाद
04058	आनन्द विहार (ट.)	00:20	छपरा जं.	19:20	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, सारनाथ, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, रेवती एवं सुरेमनपुर
04214	आनन्द विहार (ट.)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., लखनऊ जं. एवं बाराबंकी जं.

दिनांक 14.11.2026 (शनिवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

02252	नई दिल्ली (वंदे भारत एक्सप्रेस)	08:35	पटना जं.	21:30	एग्जीक्यूटिव चेयर कार एवं एसी चेयर कार	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04014	आनन्द विहार (ट.)	15:40	लौकहा बाजार	20:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., शीशो जं., सकरी जं., झंझारपुर एवं वाचस्पति नगर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	23:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04072	नई दिल्ली	21:35	सुपौल जं.	06:35	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं.
04062	आनन्द विहार (ट.)	12:00	भागलपुर	13:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04076	दिल्ली जं.	00:30	कामख्या जं.	21:15	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नवगछिया, कटिहार जं., बारसोई जं., किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्यू बोंगाईगांव, बरपेटा रोड एवं रंगिया जं.
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जं.	12:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा
04098	शकूर बस्ती	09:20	दरभंगा जं.	11:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जानकीनगर रोड एवं कमतौल
04406	शकूर बस्ती	19:10	मानसी जं.	02:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04404	शकूर बस्ती	15:15	पटना जं.	14:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04410	शकूर बस्ती	13:00	झंझारपुर जं.	16:00	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड, कमतौल, शीशो जं. एवं सकरी जं.
04054	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं., किऊल जं., झाझा, जसीडीह जं., मधुपुर जं., चित्तरंजन, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंडेल
04210	दिल्ली जं.	18:50	वाराणसी जं.	09:50	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़, गजरौला जं., मुरादाबाद, रामपुर, हरदोई, लखनऊ जं., रायबरेली जं. एवं मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़
05220	आनन्द विहार (ट.)	12:00	मुजफ्फरपुर जं.	09:45	2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता. (इकोनोमी)	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर एवं हाजीपुर जं.

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील पदार्थ जैसे कि पटाखे, पेट्रोल, गैस सिलेण्डर, केरोसिन, इत्यादि कदापि लेकर सफर न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य जानकारी जैसे कि सीट उपलब्धता और समय–सारणी आदि के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे

खबर संक्षेप

रुपया सात पैसे मजबूत होकर 93.70 प्रति डॉलर



मुंबई। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे मजबूत होकर 93.70 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह, वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में नरमी की संभावना से रुपये को समर्थन मिला। आठ महीने के उच्च स्तर पर पहुंचने, एफपीआई की लिवाली से रुपये को मजबूती मिली।

टाटा पावर का शुद्ध लाभ रिकॉर्ड 33 प्रतिशत बढ़ा



नई दिल्ली। टाटा पावर का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 1,652 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने बुधवार को बताया कि उसके सभी कारोबारी क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से लाभ में वृद्धि हुई है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,245 करोड़ रुपये रहा था।

बजाज हिंदुस्तान शुगर का घाटा 15.23% बढ़ा



नई दिल्ली। बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध घाटा चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 15.23 प्रतिशत बढ़कर 121.28 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का चीनी कारोबार घाटे में है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी को 105.25 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

बैंकों में बड़े पैमाने पर होगी छंटनी! एआई करेगा 70% से ज्यादा काम : रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण इन दिनों कई लोगों की नौकरी जा रही है। खासतौर से आईटी सेक्टर में लोगों पर इसका बड़ा असर पड़ रहा है। तो वहीं अब आने वाले समय में बैंकिंग क्षेत्र में भी इसके कारण बड़ा बदलाव नजर आने वाला है।

- एआई की मदद से अब बैंकों का समय और खर्च कम होगा

हाल ही में आई रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है। दरअसल मैकिंसे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एआई की मदद से बैंकों में जोखिम प्रबंधन से जुड़े 60 प्रतिशत से 70 प्रतिशत तक ऐसे काम अपने आप किए जा सकते हैं, जिन्हें अभी कर्मचारी हाथ से करते हैं।

मैकिंसे ने जारी एक रिपोर्ट में किया खुलासा

कर्मचारियों को मिलेगी ज्यादा जिम्मेदारी

मैकिंसे के मुताबिक, एआई से जो समय और संसाधन बचेंगे, उनका इस्तेमाल बैंक ज्यादा जरूरी कामों में कर सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि बैंक बची हुई कार्यक्षमता का लगभग आधा हिस्सा बेहतर विश्लेषण, जोखिम से जुड़ी सलाह और तेजी से फैसले लेने में लगा सकते हैं। बाकी संसाधनों का इस्तेमाल एआई तकनीक विकसित करने, डाटा की सुरक्षा और नई तकनीकी व्यवस्था बनाने में किया जा सकता है। इसका मतलब है कि बैंक कर्मचारियों को केवल दस्तावेजों की जांच करने की जगह ज्यादा जिम्मेदारी वाले कामों में लगाया जा सकता है।



बैंकों को मिलेगा फायदा : बैंक शुरुआती दौर में एआई को अपनाएंगे, उन्हें दूसरे बैंकों की तुलना में फायदा मिल सकता है। एआई की मदद से बैंक कम समय में बेहतर फैसले ले सकेंगे और अपने खर्च को कम कर सकेंगे। हालांकि, एआई को बड़े स्तर पर लागू करने के लिए बैंकों को मजबूत तकनीकी व्यवस्था, प्रशिक्षित कर्मचारी और डाटा की सुरक्षा के लिए स्पष्ट नियम बनाने होंगे।

क्या नौकरियां खत्म होंगी

एआई के आने से बैंकिंग क्षेत्र में काम करने का तरीका बदल सकता है। जिन कामों में बार-बार एक जैसी प्रक्रिया दोहरानी पड़ती है, उनमें एआई का इस्तेमाल बढ़ सकता है। लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, मुश्किल मामलों का आकलन करना, जरूरी फैसले लेना और जोखिम से जुड़ी सलाह देना जैसे कामों में इंसानी भूमिका बनी रहेगी। बैंकों को ऐसे कर्मचारियों की जरूरत होगी, जिन्हें बैंकिंग और एआई दोनों की समझ हो। इसलिए कर्मचारियों के लिए नई तकनीक सीखना और अपने कौशल को बेहतर बनाना महत्वपूर्ण होगा।

एआई से बैंकों में होंगे काम

बैंकों में जोखिम प्रबंधन का काम ये देखना होता है कि बैंक को किसी ग्राहक या कंपनी को कर्ज देने से कितना खतरा हो सकता है। इस काम में कर्मचारियों को कई तरह की जानकारी जुटानी पड़ती है और दस्तावेजों की जांच करनी पड़ती है। एआई की मदद से ग्राहकों और कंपनियों की वित्तीय जानकारी जुटाना, कर्ज से जुड़े दस्तावेज तैयार करना और उनकी जांच करना, नियमों के पालन हो रहा है या नहीं इसकी जांच करना, बैंक के ट्रांजैक्शन पर नजर रखना और साथ ही बैंकों में होने वाली धोखाधड़ी पर नजर रखने जैसे काम आसानी से हो सकते हैं।

क्यों किया जा रहा बदलाव : एआई की मदद से अब बैंकों का समय और खर्च कम होगा। साथ ही कर्मचारियों को ज्यादा जरूरी काम करने का मौका मिलेगा। हालांकि, इसका मतलब ये नहीं है कि बैंकों में 70 प्रतिशत कर्मचारियों की नौकरियां खत्म हो जाएंगी।

चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमान किया व्यक्त

मूडीज ने भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7% किया, वैश्विक जोखिमों को लेकर चेताया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान पहले के 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। एजेंसी ने कहा कि व्यापक आर्थिक गतिविधियों में तेजी, मजबूत खपत और ऊर्जा आपूर्ति के झटकों को झेलने की क्षमता से वृद्धि दर के अनुमान में यह बढ़ोतरी की गई है।

मूडीज रेटिंग्स ने अपनी 'वैश्विक व्यापक परिदृश्य 2027-28' रिपोर्ट में इस बात को लेकर आगाह भी किया कि निकट अवधि में आर्थिक वृद्धि के समक्ष जोखिम बने हुए हैं। घरेलू खपत बढ़ते और व्यापक होते महंगाई के दबाव के प्रति संवेदनशील बनी हुई है।

खुदरा महंगाई 5.54 फीसदी पर

खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर, 2026 में बढ़कर 5.54 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दो से छह प्रतिशत के लक्ष्य दायरे के ऊपरी स्तर के करीब है। इसके अलावा, कमजोर दक्षिण-पश्चिम मानसून और अल नीनो की परिस्थितियों से कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग प्रभावित हो सकती है।

दुनिया का सबसे बड़ा तेल शोधन परिसर भारत में

मूडीज ने कहा कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत तेल शोधन परिसर स्थित है। देश की बड़ी और आधुनिक तेल शोधन क्षमता ने ईंधन आपूर्ति में बाधाओं को सीमित रखने के साथ उसे परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों का प्रमुख निर्यातक बनाए रखने में मदद की है।



- पहले आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6 .5 प्रतिशत था
- झटकों को झेलने की क्षमता से वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया गया
- व्यापक होते महंगाई के दबाव के प्रति संवेदनशील बनी हुई

ऊर्जा कीमतों का सामना बेहतर तरीके से

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत ने ऊर्जा कीमतों के झटके का सामना पहले के अनुमान से बेहतर तरीके से किया है। कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति के स्रोतों में विविधता तथा सरकारी समर्थन वाली पेट्रोलियम विपणन कंपनियों और कर कटौती के जरिये उपभोक्ताओं को तत्काल मूल्य वृद्धि से बचाने में मदद मिली है।

वृद्धि दर का अनुमान अन्य संस्थाओं के अनुमानों के करीब

मूडीज का वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान अन्य प्रमुख संस्थाओं के अनुमानों के करीब है। आरबीआई और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन ने 7.1 प्रतिशत, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष , एशियाई विकास बैंक और एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने सात प्रतिशत और फिच रेटिंग्स ने 6.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है।

ब्याज दरें और बढ़ाए जाने की संभावना

हालांकि, मूडीज ने आगाह किया कि आरबीआई की ओर से ब्याज दरें और बढ़ाए जाने की संभावना के बीच सख्त मौद्रिक नीति निजी निवेश में सुधार की प्रक्रिया को धीमा कर सकती है। वैश्विक परिदृश्य पर एजेंसी ने कहा कि 2027 में प्रवेश करते समय उभरते बाजारों के समक्ष चुनौतियां बढ़ रही हैं। ऊर्जा की ऊंची कीमतें, वैश्विक ब्याज दरों का ऊंचे स्तर पर बने रहना तथा व्यापार एवं भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं महंगाई और वित्तपोषण का दबाव बढ़ा रही हैं।

अक्टूबर में निवेशकों ने 33.8 अरब डॉलर निकाले

इसके अलावा, कृत्रिम मेधा (एआई) में निवेश से मिलने वाले प्रतिफल को लेकर चिंताएं भी बाजार में उतार-चढ़ाव की एक नई वजह बनी हैं। मूडीज ने इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि उभरते बाजारों से प्रवासी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अक्टूबर में 33.8 अरब डॉलर की निकासी की। सितंबर में भी 19.3 अरब डॉलर की निकासी हुई थी।

सेंसेक्स 773 अंक चढ़कर नौ महीने के उच्चस्तर पर निफ्टी 25,250 के पार

एजेंसी ▶▶| मुंबई

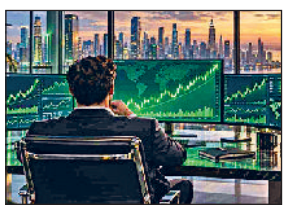

- निवेशकों को हुया 3 .45 लाख करोड़ रुपए का मुनाफा
- विदेशी निवेशकों ने की भारी मात्रा में खरीदी

घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 773 अंक चढ़कर करीब नौ महीने के उच्चस्तर पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 25,250 अंक के ऊपर बंद हुआ। विदेशी निवेशकों की लिवाली, कंपनियों के दूसरी तिमाही के उम्मीद से बेहतर नतीजों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से बाजार को समर्थन मिला।

आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 3.45 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 772.75 अंक यानी 0.95 प्रतिशत चढ़कर 81,879.40 अंक पर बंद हुआ। यह इसका 26 फरवरी के बाद का सबसे ऊंचा बंद स्तर है। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,413.75 अंक चढ़कर 82,520.40 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी 210.40 अंक बढ़त के साथ 25,255.05 अंक पर बंद हुआ। यह भी करीब नौ महीने का उच्चतम स्तर है। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे अधिक 5.25 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा इंटरग्लोब एविएशन में 4.37 प्रतिशत, ट्रेंट में 3.02 प्रतिशत, टाटा स्टील में 2.22 प्रतिशत, आईटीसी में 2.15 प्रतिशत और एक्सिस बैंक में 2.14 प्रतिशत की तेजी रही।

1,600 युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की मरम्मत और सेवा के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। सैमसंग इंडिया ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के साथ तीन साल का समझौता किया है। इसके तहत पहले वर्ष में देशभर के 15 एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्रों में 1,600 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सैमसंग की सामाजिक उत्तरदायित्व पहल 'दोस्त सर्विस' के तहत मोबाइल फोन, टैबलेट, स्मार्टवॉच, टेलीविजन, एयर कंडीशनर और वॉशिंग मशीन सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की मरम्मत, रखरखाव और स्थापना का प्रशिक्षण मिलेगा।

इसके लिए केंद्रों में कक्षाएं और प्रयोगशालाएं तैयार करने के साथ जरूरी उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रशिक्षण पूरा करने वाले युवाओं को सैमसंग के सेवा नेटवर्क में तीन महीने तक काम सीखने का अवसर मिलेगा।

NOTICE
IN THE COURT OF HON'BLE
Smt. M.M. DESHPANDE, MEMBER,
M.A.C.T. - 1, 4th Floor, (G+9)
Annex Building, Room 402, DISTRICT COURT, CIVIL LINES, NAGPUR.
C.P. No. 805/25
Process No. 5728 F.F. 21/11/2026
Petitioner : Uma
-versus-
Respondent : Pankaj
To,
Pankaj K.R. Singh, R/o Mahmadpur Bajar Muzafarpur 1st Floor, Khasara No. 151/2, Mangolpur Khurd North, West Delhi.
Whereas the above named petitioners in above petition have filed their Claim Petition U/sec. 166 of Motor Vehicle Act,
You are hereby noticed to appear in this Court of **Hon'ble Member M.A.C.T.-1, Nagpur,** in person or by a pleader duly instructed on Dated **21/11/2026,** At 11.00 A.M. to show cause in the said above noted claim Petition failing wherein the said Petition will be heard and determined exparte in your absence. Given under my hand and the seal of the Court this **5th** day of **November, 2026.**
Nagpur Date : 05/11/2026 Seal Registrar (Judl.) M.A.C.T. Nagpur
Prasanna Publicity 9326927622

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सोना 800 रु. टूटा व चांदी 5,000 रु. लुढ़की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। दिवाली की छुट्टियों के कारण कारोबार सुस्त रहने से सोना 800 रुपये टूटकर 1,45,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार के कारोबारी सत्र में 1,46,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुधवार को इसकी कीमत 800 रुपये घटकर 1,45,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। चांदी की कीमतें भी दो सत्र तक स्थिर रहने के बाद नीचे आईं। यह 5,000 रुपये लुढ़ककर



1,87,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई, जबकि मंगलवार को इसका भाव 1,92,500 रुपये प्रति किलोग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "दिवाली की छुट्टियों के दौरान घरेलू कारोबार सुस्त रहने और कई स्थानीय बाजार बंद होने के कारण बुधवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई। गांधी ने कहा कि लगातार बनी महंगाई और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त मौद्रिक रुख के संकेतों से कीमती धातुओं का परिदृश्य अनिश्चित बना हुआ है। इससे डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल ऊंचा रह सकता है, जिससे सोने की कीमतों में तेजी की संभावनाएं सीमित होंगी।

सिंह ने कहा कि भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार के केंद्र में रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान के बाद कि संघर्ष अब खत्म हो चुका है, अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध प्रभावी रूप से समाप्त होने की उम्मीद जताई जा रही है।

जीवन बीमा निगम का नया प्रीमियम 26 प्रतिशत बढ़ा

- अक्टूबर में बढ़कर 42,914 करोड़ रुपए
- एकमुश्त व गैर-एकमुश्त पॉलिसियों की बिक्री बढ़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जीवन बीमा कंपनियों ने अक्टूबर में नए कारोबार के प्रीमियम (एनबीपी) में 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसकी वजह एकमुश्त और गैर-एकमुश्त प्रीमियम वाली पॉलिसियों, दोनों की अधिक बिक्री रही।

जीवन बीमा परिषद की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल अक्टूबर में नया कारोबार बढ़कर 42,914 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 34,007 करोड़ रुपये था। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अक्टूबर में नए प्रीमियम के रूप में 25,316 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि अक्टूबर 2025 में यह राशि 19,274 करोड़ रुपये थी। इस तरह इसमें 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, निजी क्षेत्र की 26 बीमा कंपनियों ने 17,599 करोड़ रुपये जुटाए जबकि पिछले साल अक्टूबर में यह राशि 14,733 करोड़ रुपये थी। यह 20 प्रतिशत की वृद्धि है।

निजी क्षेत्र की कंपनियों का भी प्रीमियम बढ़ा

निजी क्षेत्र की कंपनियों का व्यक्तिगत एकमुश्त प्रीमियम पिछले साल इसी महीने के 1,685 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,008 करोड़ रुपये हो गया। व्यक्तिगत गैर-एकमुश्त प्रीमियम भी पिछले साल की समान अवधि के 6,344 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,666 करोड़ रुपये हो गया।

कारोबार बढ़ाने की तैयारी ओनिडा इलेक्ट्रॉनिक्स

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की बिक्री बढ़ाने और छोटे शहरों में अपनी पहुंच मजबूत करने के लिए ओनिडा इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पलवल में नया एक्सक्लूसिव स्मार्टहब स्टोर शुरू किया है। यह कंपनी की 'ओनिडा रिवायर्ड' विस्तार योजना का हिस्सा है। इसके जरिए कंपनी दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों में अपने खुदरा कारोबार को बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। नया शोरूम पीडब्ल्यूडी गोदाम के सामने, कुंड चौक, पुराना जीटी रोड, गंगा विहार, पलवल में खोला गया है। यहां ग्राहकों को कंपनी के टेलीविजन, एयर कंडीशनर और वाशिंग मशीन सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की रेंज उपलब्ध होगी। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक गुंजन श्रीवास्तव ने कहा कि खुदरा कारोबार के विस्तार की रणनीति में हरियाणा की अहम भूमिका है। कंपनी इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाने और ग्राहकों तक बेहतर उत्पाद एवं सेवाएं पहुंचाने पर काम कर रही है। कंपनी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी फारूक बेग ने कहा कि पलवल में नए स्टोर की शुरुआत से स्थानीय ग्राहकों को ओनिडा के विभिन्न उत्पाद एक ही स्थान पर देखने और खरीदने की सुविधा मिलेगी।

बाटा इंडिया ने दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए

नई दिल्ली। भारत के सबसे भरोसेमंद फुटवियर ब्रांड बाटा इंडिया ने आज 30 सितंबर 2026 को खत्म हुई तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित किए। कंपनी का रेवेन्यू 861.8 करोड़ रुपये रहा। इस साल त्योहारी कैलेंडर का बड़ा हिस्सा तीसरी तिमाही में खिसकने के बावजूद, यह वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के 801.3 करोड़ रुपये के मुकाबले 7.5 प्रतिशत से ज्यादा है।

1 अक्टूबर 2026 से कार्यभार संभालने वाले बाटा इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ संजय एस. राव ने नतीजों पर कहा तिमाही आधार पर ग्रोथ की रफ्तार लगातार चौथी तिमाही में बनी रही। दूसरी तिमाही में टॉपलाइन 7.5 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी।

उत्तर रेलवे
इ–निविदा (इ–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण
सं. 128-W/280/इ-निविदा सूचना/52/2026-27/W-I दिनांक: 10.11.2026
निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/I, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	ADEN/KUN के अंतर्गत NRW-KKDE सेक्शन में सेस (cess) मरम्मत का कार्य।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	Rs 2,38,82,442.75/– (रुपये दो करोड़ अड़तीस लाख बयासी हजार चार सौ बयालीस और पचहत्तर पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	Rs 4,77,700.00/- (रुपये चार लाख सतहत्तर हजार सात सौ मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	रु. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	04.12.2026 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। 3943/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष — मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क — किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह — परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या — संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर — किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ — आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन — शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

शब्द पहेली - 6404

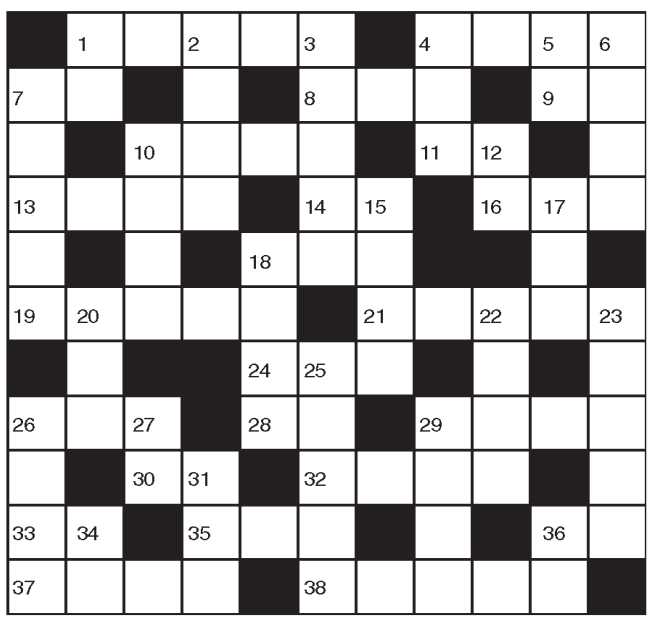

बाएँ से दाएँ
1.जायकेदार,लजीज–5
4.नट का खेल–4
7.राय,वोट–2
8.दुरुह,कठिन–3
9.प्रहार,घात–2
10.अचरज भरा कार्य–4
11.शराब,मद्य–2
13.साझेदार–4
14.क्षण,लम्हा–2
16.सहयोग–3
18.अड़िग–3
19.कैद, बंधक–3,2
21.चुगली करना–2,3
24.धावक (अंग्रेजी–3)
26.अग्नि, आग–3
28.टैक्स, हाथ–2
29.एक मुगल सम्राट–4
30.टकटकी–2
32.कैंची से काटना–4
33.आत्मा–2
35.सीरा,मिष्ठान–3
36.आगमन–2
37.जोरदार–4
38.तेज दौड़ना–5

ऊपर से नीचे
1.बुरी आदत–2
2.झगड़ा,रार–4
3.फिल्मी दुनिया–3,2
4.लेखनी,पेन–3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं–2
6.वटवृक्ष–4
7.मन को भाने वाला–5
10.बुरा आचरण–4
12.यमराज–2
15.चुनौती–4
17.विदरण,एकता भंग–3
18.आर्द्रक–4
20.भूमि,धरती–3
22.आवेश में आना–4
23.नामकरण–2,3
25.नरक में रहना–5
26.जामफल–4
27.बेल,लतिका–2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना–4
31.जलजला–3
34.मैं का बहुवचन–2
36.रुपये का सोलहवां भाग–2

शब्द पहेली- 6403 का हल

स	द	च	रि	त्र			ब	ह	स	
मा	मा		या		अ	द	द		ह	क
ज			स	ज	दा		न			हा
वा	र	दा	त			श		प	नी	र
दी		मि		ह	म	रा	ज		र	
	रा	नी		रा		फ		बी	ज	
	ह		श	र	ब	त		ह		म
क	त	रा		त			अ	ड़	च	न
हा			चिं		म	लि	न			भा
नी	र		त	न	य		ब		श	व
	थ	का	न			म	न	मो	ह	न

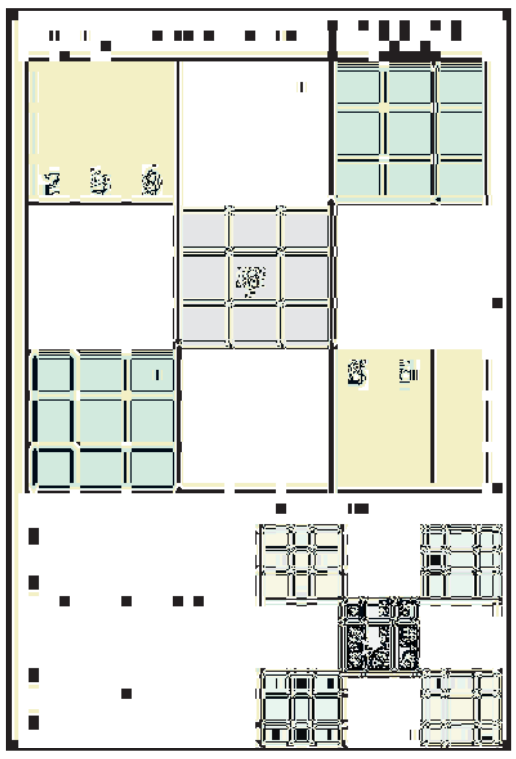

आईपीएल ट्रेडिंग : हार्दिक की फीस में 1.65 करोड़ की बढ़ोतरी

18 करोड़ में पंजाब के हुए हार्दिक एमआई के लिए खेलेंगे अर्शदीप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सबसे बड़ी और बहु प्रतीक्षित अदला बदली (ट्रेडिंग) में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या 18 करोड़ रुपए की बढ़ी हुई कीमत पर पंजाब किंग्स से जुड़ गए हैं जबकि मुंबई इंडियंस ने उनकी जगह तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अपनी टीम में लिया है। आईपीएल ने बयान में कहा की हार्दिक अपनी मौजूदा फीस 16.35 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि में मुंबई इंडियंस से पंजाब किंग्स चले गए हैं जबकि अर्शदीप 18 करोड़ रुपए की मौजूदा कीमत पर मुंबई से जुड़ गए हैं।

इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने इस साल (आईपीएल के पिछले सत्र से पहले) राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बदले में राजस्थान रॉयल्स ने सीएसके से रविंद्र जडेजा को 14 करोड़ और सैम कुरेन को 2.4 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। ट्रांसफर फीस दोनों फ्रेंचाइजी के बीच आपसी समझौता है और यह टीम में बनाए रखने की फीस (रिटेंशन फीस यानि फ्रेंचाइजी का खिलाड़ी को भुगतान किया जाने वाला वेतन) से अलग है।

हार्दिक का एमआई के साथ दूसरा कार्यकाल समाप्त

दोनों टीमों ने आपसी सहमति से तय किया कि हार्दिक की फीस में 1.65 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी होगी और मौजूदा नियमों के अनुसार उन्हें इस बढ़ोतरी का 50 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। बाकी रकम मुंबई इंडियंस को मिलेगी। हार्दिक का इस तरह से मुंबई इंडियंस के साथ दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। वह पहली बार 2015 में मुंबई इंडियंस से जुड़े थे और तब उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के साथ चार खिताब जीते थे। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने टीम को 2015, 2017, 2019 और 2020 में खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मुंबई की टीम के साथ सात सत्र बिताने के बाद हार्दिक 2022 में 15 करोड़ रुपए की फीस पर गुजरात टाइटन्स में शामिल हो गए और उन्होंने फ्रेंचाइजी को अपने पहले ही सत्र में खिताब दिलाया। गुजरात की टीम 2023 में फाइनल तक भी पहुंची थी।



एमआई के तिलक बन सकते हैं उपकप्तान

रोहित को अचानक टीम से बाहर किए जाने का मुद्दा भी विवाद का विषय बना रहा और अब कयास लगाए जा रहे हैं के फ्रेंचाइजी की तरफ से उनके संभवतः आखिरी सत्र में उन्हें फिर से कप्तानी सौंपी जा सकती है। तिलक वर्मा को उप कप्तान बनाए जाने की संभावना है।

हार्दिक ने एमआई में बिताए खास पल : आकाश अंबानी

मुंबई इंडियंस के मालिक आकाश अंबानी ने कहा, 'हार्दिक ने मुंबई इंडियंस में कुछ बहुत ही खास पल बिताए हैं। हमने उन्हें एक क्रिकेटर के रूप में लगातार बेहतर होते हुए देखा है, विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाते हुए देखा है और फिर टीम का नेतृत्व करने के लिए वापसी करते हुए देखा है।' उन्होंने कहा, 'मैं उनका एक क्रिकेटर और एक इंसान के तौर पर बहुत सम्मान करता हूं और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।'



यादों के लिए आभार अर्श : पंजाब किंग्स

पंजाब किंग्स ने टीम में अर्शदीप के योगदान को स्वीकार करते हुए एक बयान में कहा, 'ढेर सारी हंसी, अनगिनत यादें और ढेर सारी मस्ती। यादों के लिए आभार अर्श।'' अर्शदीप आठ सत्र तक पंजाब की टीम से खेलने के बाद अब मुंबई की टीम में शामिल हो रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने 2019 में पंजाब की टीम से आईपीएल में पदार्पण किया था और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में अपनी छाप छोड़ी थी। उन्होंने आईपीएल के 96 मैच में 111 विकेट लिए हैं, जो पंजाब किंग्स की तरफ से रिकॉर्ड है। उन्होंने 2025 के सत्र में 21 और 2026 में 14 विकेट लिए। यह 27 वर्षीय खिलाड़ी टी20 प्रारुप में भारत का सबसे अधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज भी है। उन्होंने 104 मैचों में 151 विकेट लिए हैं।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

महज 75 मिनट में कोको को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचीं नोस्कोवा

एजेंसी ▶▶| इंडियन वेल्स

लिंडा नोस्कोवा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। नोस्कोवा ने कोको गॉफ को 75 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। नोस्कोवा 2011 में पेट्रा क्वितोवा के बाद अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, वह 2024 में गॉफ के बाद अपने पहले दो राउंड-रॉबिन मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं और 2021 में एनेट कोंटावेइट के बाद ऐसा करने वाली पहली नंबर 8 सीड हैं।

मैं अभी भी जीतना चाहती हूं : लिंडा

लिंडा नोस्कोवा ने कहा, मुझे तो यह भी नहीं पता था कि मैं सेमीफाइनल में हूं। मैच खत्म होने के ठीक बाद, मैं पहले से ही इस बात पर फोकस कर रही थी कि मैं दो दिन में जेसी (पेगुला) के साथ कैसे खेलूंगी। इसलिए मेरे लिए ज्यादा कुछ नहीं बदला है। मैं अभी भी जीतना चाहती हूं। मैं अभी भी जो भी स्कोर, जो भी जीत मुमकिन हो, हासिल करना चाहती हूं। मैं यहां असल में मैच नहीं खेल रही हूं, इसलिए यह कुछ अलग नहीं होने वाला है।

नोस्कोवा ने किया गॉफ को पांच बार ब्रेक

नोस्कोवा ने गॉफ को पांच बार ब्रेक किया, जिसमें शुरुआती सेट में चार बार शामिल हैं। उसने नौ में से पांच ब्रेक-पॉइंट मौकों को कन्वर्ट किया और गॉफ की दूसरी सर्व पर 75 प्रतिशत (24 में से 18) पॉइंट जीते। रिटर्न पर नोस्कोवा ने जो दबाव डाला, उससे उन्हें दोनों सेट में 4-1 की लीड बनाने में मदद मिली। यह नोस्कोवा के लिए इस सीजन की छठी टॉप-10 जीत है, जिसने जुलाई में विंबलडन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था।

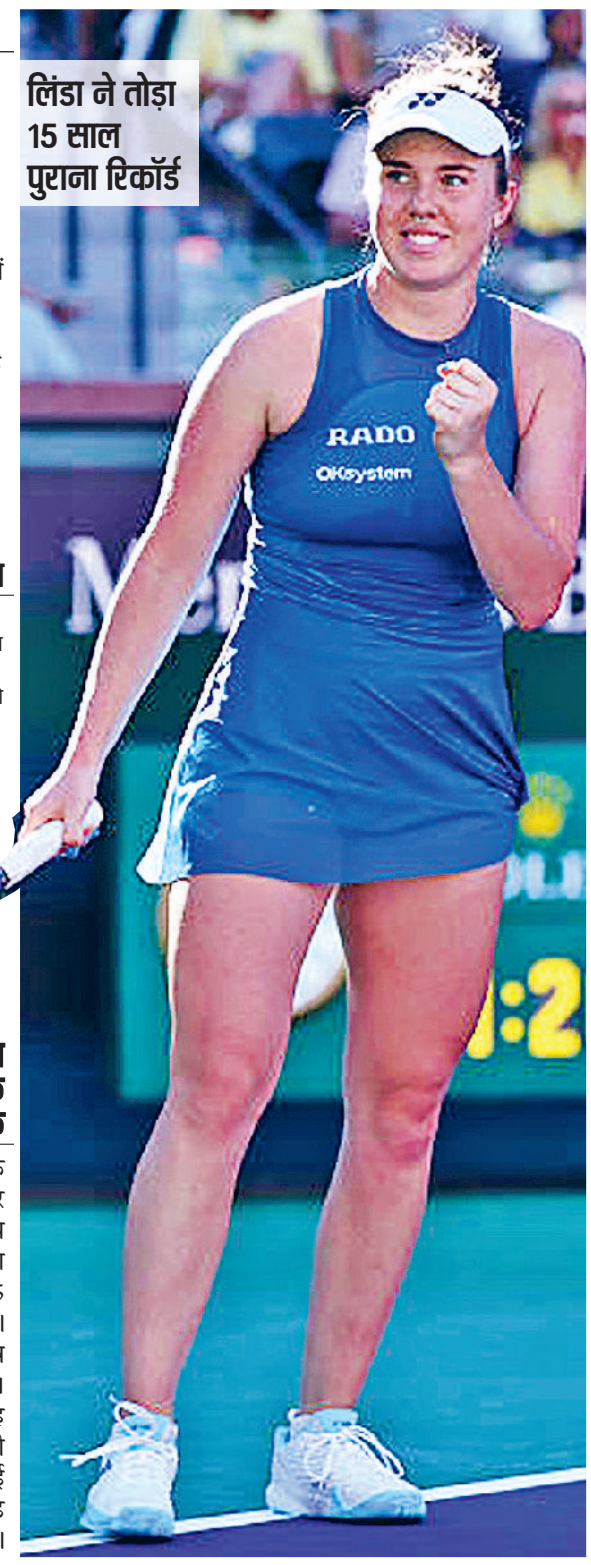

खबर संक्षेप



26 ऐतिहासिक बल्ले भेंट करेंगे सचिन

मुंबई। सचिन तेंदुलकर अपने करियर के 26 खास बल्ले मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय को भेंट करेंगे। इन बल्लों में वे बल्ले भी शामिल हैं, जिनसे सचिन ने अपने 100 अंतरराष्ट्रीय शतकों में से कई यादगार शतक जड़े थे। बल्लों के अलावा उनके हेलमेट, जर्सी और करियर के महत्वपूर्ण पलों से जुड़े निजी नोट्स सहित कई अन्य यादगार वस्तुएं भी संग्रहालय में प्रदर्शित की जाएंगी। इन अनमोल धरोहरों की प्रदर्शनी का अनावरण 16 नवंबर को एक विशेष समारोह में किया जाएगा। 'बैटोग्राफी' नाम से आयोजित इस प्रदर्शनी के माध्यम से सचिन के क्रिकेट सफर को उनके करियर के विभिन्न दौर में इस्तेमाल किए गए बल्लों के जरिए दर्शाया जाएगा।

लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत कुमामोतो मास्टर्स जापान के दूसरे दौर में



कुमामोतो। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने बुधवार को यहां चीनी ताइपे के ची यू जेन को सीधे गेम में हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने यह मुकाबला 21-19, 21-18 से अपने नाम किया। जर्मनी में हायलो ओपन का खिताब जीतने के बाद लक्ष्य का आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है। किदांबी श्रीकांत ने भी प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने डेनमार्क के रासमुस गेमके को 18-21, 21-16, 24-22 से हराया। हालांकि युगल मुकाबलों में भारत को निराशा का सामना करना पड़ा।

बराड़ ने लगाई लंबी छलांग, 48वें स्थान पर पहुंचे

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : पंत और गिल शीर्ष 10 में शामिल

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में विकेटकीपर ऋषभ पंत और कप्तान शुभमन गिल शीर्ष 10 में शामिल भारतीय बल्लेबाज हैं। पंत (713 रेटिंग अंक) आठवें और गिल (697) दसवें नंबर पर हैं। ये दोनों नवीनतम सूची में एक पायदान नीचे खिसके हैं। यशस्वी जायसवाल 13वें स्थान पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में पहले दो स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और जो रूट हैं। गेंदबाज गुरनूर बराड़ लंबी छलांग लगाकर 48वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह इससे पहले शीर्ष 100 में शामिल नहीं थे।



गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पर स्टार्क

आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसन, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन शीर्ष पांच गेंदबाजों में शामिल हैं।

रहमत शाह ने शीर्ष 10 में बनाई जगह

इस बीच अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह आईसीसी टेस्ट खिलाड़ियों की रैंकिंग की किसी भी श्रेणी में शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले अपने देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। रहमत ने शारजाह में अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच में 173 रन की शानदार पारी खेली थी, जिससे वह टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में छह स्थान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। यह रहमत के करियर का पांचवां टेस्ट शतक था, जिसके दम पर यह 33 वर्षीय खिलाड़ी गिल, दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस से ऊपर पहुंच गए हैं।

शूटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप

नीरज ने जीता ब्रॉन्ज, हासिल किया ओलंपिक कोटा

एजेंसी ▶▶| दोहा

भारतीय निशानेबाज नीरज कुमार ने बुधवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया। इस चैंपियनशिप में भारत का यह दूसरा ओलंपिक कोटा है। इससे पहले जयपाल मालवीय ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश के लिए पहला कोटा हासिल किया था। नीरज ने फाइनल में कुल 346.5 अंक हासिल किए। वह रजत पदक की दौड़ में भी बने हुए थे लेकिन अंतिम दौर में 9.4 अंक का निशाना लगाने के कारण उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।



पिमेनोव ने जीता रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण

व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी (एआईएन) के रूप में हिस्सा ले रहे दिमित्री पिमेनोव ने 362.8 अंक के विश्व जूनियर रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि स्लोवाकिया के पैट्रिक जानी ने रजत पदक जीता। पिमेनोव और जानी ने भी लॉस एंजिलिस ओलंपिक के कोटा हासिल किए। फाइनल में पहुंचे भारत के एक अन्य निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 323.7 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

हरियाणा के 12 खिलाड़ी ओडिशा में दिखाएंगे दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बिम्सटेक अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और ओडिशा एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने जा रही तीन दिवसीय बिम्सटेक (23 साल से कम आयु वर्ग) एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में हरियाणा के खिलाड़ी एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए तैयार हैं। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 25 से 27 नवंबर तक भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित की जाएगी। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा के लिए घोषित 95 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम में हरियाणा का दबदबा देखने को मिला है। राज्य से कुल 12 एथलीटों का चयन भारतीय दल में हुआ है, जिनमें 5 पुरुष और 7 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने चयनित खिलाड़ियों का त्साहवर्धन करते हुए कहा आपकी कड़ी मेहनत, लगन, अनुशासन और कोचों के मार्गदर्शन ने हरियाणा को देश के खेल मानचित्र पर और ऊँचा स्थान दिलाया है। आप केवल खिलाड़ी नहीं, बल्कि हरियाणा की शान और हमारे उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद हैं। भुवनेश्वर में पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरें, डर को पीछे छोड़ें और अपना शत-प्रतिशत योगदान दें। फरीदाबाद खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ ने आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि चयनित एथलीट अपनी-अपनी स्पर्धाओं में पदक हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वहीं, एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक और ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य राजकुमार मिटान ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेहनत और आत्मविश्वास से ही मेडल की राह सुगम होती है। पूरा प्रदेश इन युवा एथलीटों के साथ खड़ा है और सभी को इनके शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है।

विभिन्न स्पर्धाओं में हरियाणा के मुख्य एवं रिजर्व खिलाड़ी

- 1500 मीटर दौड़: हितेश (हिसार) तथा सोहित विजेंद्र (जींद - रिजर्व)
- शॉट पुट (गोला फेंक): अतुल (चरखी दादरी), अंशु धनखड़ (सोनीपत) और रिया वर्मा
- जेवलिन थ्रो (माला फेंक): आदित्य (जींद), पूनम, दीपिका (फतेहाबाद) तथा ज्योति (फतेहाबाद - रिजर्व)
- डिस्कस थ्रो (चक्का फेंक): प्रिया (भिवानी)
- 4x400 मीटर रिलेः तमन्ना (जींद)
- मीटर दौड़: रमिकेश (रिजर्व)

टेस्ट में रचिन रवींद्र की वापसी, लैथम संभालेंगे कप्तानी

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए उस टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखा है, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड को उसकी धरती पर हराया था, हालांकि, डेवोन कॉनवे, रचिन रविंद्र और विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल पूरी तरह फिट होने पर ही पहले टेस्ट मैच में खेल पाएंगे। वेलिंगटन में 19 नवंबर से शुरू होने वाली इस श्रृंखला में न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम की कप्तानी टॉम लैथम करेंगे। कॉनवे , रविंद्र और ब्लंडेल अभी चोटों से उबर रहे हैं लेकिन उनके टेस्ट श्रृंखला तक फिट होने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड की टीम में अधिकतर वही खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के दौरे में अपनी टीम को तीन मैच की श्रृंखला में 2-1 से जीत दिलाई थी।



टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप : कार्लसन ने जीता उद्घाटन ब्लिट्ज खिताब

वैशाली की दमदार जीत, एरिगैसी ने टॉप-5 में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| बुडापेस्ट

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट में वेस्ली सो और हैंस नीमन पर प्रभावशाली जीत दर्ज की, जबकि विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने इस प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में 9 राउंड के ब्लिट्ज स्विस टूर्नामेंट को जीता। भारतीय खिलाड़ियों में अर्जुन एरिगैसी ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। वह अलीरेजा फिरोजा, फैबियानो कारुआना, नीमन और रिचर्ड रैपोर्ट के साथ 5.5 अंक लेकर संयुक्त चौथे स्थान पर रहे।



वैशाली की यादगार जीत

महिला विश्व चैंपियनशिप की चैलेंजर वैशाली ने अपने शुरुआती तीन मैचों में दो जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन वह उस लय को बरकरार नहीं रख पाई और इसके बाद उन्होंने दो हार और तीन ड्रॉ का सामना किया। हालांकि विश्व में छठे नंबर के खिलाड़ी सो और विश्व में 36वें नंबर के नीमन पर उनकी जीत यादगार रही। आर प्रज्ञाननंदा ने एंड्रयू हांग पर जीत के साथ अपना सत्र समाप्त किया और कुल 4.5 अंक हासिल किए।

तालिका में शीर्ष पर कार्लसन

कार्लसन ने अपने नौ मैचों में से पांच में जीत हासिल की जबकि चार बाजियां ड्रॉ खेली। इससे वह सात अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रहे। फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव 6.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि आर्मेनियाई ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन ने छह अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद अब 'फास्ट क्लासिक' होगा, जिसके लिए लॉटरी के जरिए ग्रुप तय किए गए। कागजों पर ग्रुप बी सबसे मजबूत नजर आता है है, जिसमें कारुआना, प्रज्ञाननंदा और विंसेंट कीमर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

'युगे युगीन भारत संग्रहालय' को कैबिनेट की मंजूरी

नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय, 3,230 करोड़ रुपये होंगे खर्च

- देश की हजारों वर्षों की सभ्यतागत यात्रा, सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान परंपराओं को मिलेगा वैश्विक मंच
- ऐतिहासिक इमारतों के मूल वास्तुशिल्प को संरक्षित रखते हुए होगा विकास

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक पॉवर गैलरी, नॉर्थ और साउथ ब्लॉक परिसर में दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय विकसित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने 'युगे युगीन भारत संग्रहालय' के विकास को मंजूरी दे दी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर अनुमानित 3,230 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। संग्रहालय में भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक विविधता और हजारों वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा को एक व्यापक स्वरूप में प्रदर्शित किया जाएगा।



केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद बुधवार को मीडिया को जानकारी देते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह संग्रहालय भारत की संपूर्ण सभ्यतागत यात्रा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा। उन्होंने कहा कि युगे युगीन भारत संग्रहालय का उद्देश्य देश की मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को एकीकृत कथानक के माध्यम से प्रदर्शित करना है। यह संग्रहालय भारत की सभ्यता की निरंतरता, विविधता और समृद्धि को रेखांकित करेगा।

ऐतिहासिक इमारतों का मूल स्वरूप रहेगा संरक्षित

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि संग्रहालय का विकास ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक परिसरों के अनुकूल पुनः उपयोग के माध्यम से किया जाएगा। इस प्रक्रिया में इन इमारतों की स्थापत्य विशेषताओं और ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित रखा जाएगा। यानी नई उपयोगिता विकसित करने के साथ-साथ इन भवनों की विरासत और वास्तुशिल्पीय पहचान को भी बरकरार रखा जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि युगे युगीन भारत संग्रहालय दुनिया का सबसे बड़ा प्रदर्शन क्षेत्र बनने जा रहा है। इसमें विभिन्न विषयों पर आधारित विशेष दीर्घाएं, प्रदर्शनियां और व्याख्यात्मक प्रस्तुतियां होंगी, जिनके माध्यम से भारत के इतिहास और सभ्यतागत विकास को समझने का अवसर मिलेगा।

ज्ञान परंपराओं से लेकर कला और सांस्कृतिक विरासत तक का होगा प्रदर्शन

संग्रहालय में भारत की सभ्यतागत यात्रा को विभिन्न विषयगत दीर्घाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं, ज्ञान प्रणालियों, कलात्मक गतिविधियों, ऐतिहासिक धरोहरों और सामाजिक विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया जाएगा। इसका स्वरूप केवल ऐतिहासिक वस्तुओं के प्रदर्शन तक सीमित नहीं होगा, बल्कि भारत की अमूर्त विरासत, परंपराओं, विचारों, ज्ञान और सांस्कृतिक निरंतरता को भी सामने लाएगा। इसके जरिए देशी और विदेशी पर्यटकों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों तथा इतिहास एवं संस्कृति में रुचि रखने वाले लोगों को भारत की सभ्यतागत विरासत को व्यापक परिप्रेक्ष्य में जानने का अवसर मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने 2023 में की थी घोषणा

युगे युगीन भारत संग्रहालय की स्थापना की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 मई 2023 को की थी। अब केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति से मंजूरी मिलने के बाद इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है।

यह परियोजना राजधानी के ऐतिहासिक प्रशासनिक परिसर को भारत की सभ्यतागत और सांस्कृतिक विरासत के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। 3,230 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह संग्रहालय भारत के अतीत, उसकी ज्ञान परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता को एक ही स्थान पर प्रस्तुत करने का व्यापक मंच उपलब्ध कराएगा।

पीएम मोदी के प्रधान सचिव ने शोध, स्थानीय आंकड़ों और वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर नीतियां बनाने पर दिया जोर

जलवायु परिवर्तन अब पर्यावरण का मुद्दा नहीं, खेती, खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य के लिए भी चुनौती: मिश्रा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन को अब केवल पर्यावरण से जुड़ी समस्या मानकर नहीं देखा जा सकता। इसका सीधा प्रभाव कृषि उत्पादकता, जल उपलब्धता, खाद्य पदार्थों की कीमतों, जनस्वास्थ्य और लोगों की आजीविका पर पड़ रहा है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, कृषि की मजबूती, खाद्य सुरक्षा और पोषण से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, विस्तृत स्थानीय आंकड़ों और साक्ष्य आधारित नीतिगत फैसलों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. मिश्रा शुक्रवार को आईआईएम कोझिकोड में आयोजित एनवायरनमेंट फॉर डेवलपमेंट नेटवर्क की 20वीं वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि देश में पर्याप्त खाद्यान्न का उत्पादन हो रहा है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक व्यक्ति को किफायती, विविधतापूर्ण और पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि जलवायु संबंधी व्यवधानों के कारण दालों, फलों, सब्जियों, दूध और अन्य पोषक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता तथा कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। ऐसे में खाद्य सुरक्षा की नीतियों में पोषण संबंधी जरूरतों को भी समान महत्व देना होगा।



फसल विविधीकरण और मोटे अनाज को बढ़ावा देने पर जोर: प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने कृषि को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सुरक्षित बनाने के लिए फसल विविधीकरण की आवश्यकता रेखांकित की। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित कराने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस पहल से मोटे अनाज के पोषण संबंधी महत्व और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ी। साथ ही विविधतापूर्ण और जलवायु के अनुकूल खाद्य प्रणालियों में मोटे अनाज को शामिल करने के प्रयासों को भी प्रोत्साहन मिला।

310 कृषि जिले जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील: डॉ. मिश्रा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पूरे देश में एक जैसी नीति लागू करने के बजाय क्षेत्र विशेष की परिस्थितियों के अनुरूप रणनीति तैयार करनी होगी। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के राष्ट्रीय जलवायु अनुकूल कृषि नवाचार कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके तहत किए गए आकलन में देश के कुल 651 कृषि जिलों में से 310 जिलों को अत्यधिक या बहुत अधिक संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों की जलवायु, मिट्टी, पानी की उपलब्धता और कृषि परिस्थितियां अलग होती हैं। इसलिए स्थानीय कृषि-जलवायु परिस्थितियों के आधार पर विशेष योजनाएं और हस्तक्षेप तैयार करना जरूरी है। इससे किसानों को जलवायु परिवर्तन के जोखिमों से बचाने और कृषि उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलेगी।

अधिक आंकड़ों से ज्यादा जरूरी उनकी विश्वसनीयता: नीतिगत फैसलों में आंकड़ों की भूमिका पर जोर देते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्राथमिकता केवल अधिक से अधिक आंकड़े जुटाने की नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि उपलब्ध जानकारी समय पर मिले, विश्वसनीय हो, तुलनीय हो और उसके आधार पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने जिला स्तर के विस्तृत और अलग-अलग श्रेणियों में उपलब्ध आंकड़ों के अधिक इस्तेमाल की वकालत की। उनके अनुसार वर्षा, जल उपलब्धता, मिट्टी की स्थिति, फसल प्रदर्शन और पोषण संबंधी परिणामों का स्थानीय स्तर पर विश्लेषण करके अधिक प्रभावी नीतियां बनाई जा सकती हैं।

2047 तक विकसित भारत और 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य: भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने कहा कि देश वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने और वर्ष 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन दोनों लक्ष्यों के साथ आर्थिक विकास, गरीबी उन्मूलन और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भारत के अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) में 2031-2035 की अवधि के लिए जलवायु संबंधी महत्वाकांक्षाओं को और मजबूत किया गया है। देश का प्रयास है कि विकास की गति बनाए रखते हुए पर्यावरण संरक्षण और जलवायु संबंधी जिम्मेदारियों का भी प्रभावी ढंग से निर्वहन किया जाए।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग में भारत की अहम भूमिका: वैश्विक जलवायु कार्रवाई में भारत की भूमिका का उल्लेख करते हुए डॉ. मिश्रा ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) और आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) जैसी पहलों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि ये पहल स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु अनुकूल बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने के भारत के प्रयासों को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास, नए साझेदारी मॉडल और विभिन्न देशों की विकास संबंधी प्राथमिकताओं के अनुरूप समाधान जरूरी हैं। डॉ. मिश्रा ने विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच अनुसंधान सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि इन देशों को जलवायु की अनिश्चितता, प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव, कृषि पद्धतियों में बदलाव और पोषण सुरक्षा जैसी समान चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एनवायरनमेंट फॉर डेवलपमेंट नेटवर्क जैसे मंच अकादमिक अनुसंधान को वास्तविक नीतिगत जरूरतों से जोड़ने, अनुभवों और ज्ञान के आदान-प्रदान तथा संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इंडी गठबंधन की राजनीति के तीन ही लक्ष्य हैं-सत्ता में लूट, समाज में फूट और दिल में भारतीय संस्कृति तथा हिंदू धर्म के लिए घृणा: त्रिवेदी

विपक्ष चुनावी लाभ के लिए हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति के साथ छल कर रहा: भाजपा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर भारतीय संस्कृति एवं हिंदू धर्म का अपमान करने और कट्टरपंथी अल्पसंख्यकवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, इमरान मसूद और सोनिया गांधी के बयानों पर सवाल उठाते हुए इन्हें कांग्रेस की एंटी-इंडिया और एंटी-हिंदू सोच का प्रमाण बताया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर कारसेवकों पर गोली चलवाने और अब अयोध्या में दर्शन के नाम पर राजनीतिक दिखावा करने का आरोप लगाया।

त्रिवेदी ने कहा कि विपक्ष चुनावी लाभ के लिए हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति के साथ छल कर रहा है, जबकि भाजपा की नीतियों के केंद्र में विकास और सामाजिक एकता है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत की अर्थव्यवस्था को 'सो कॉल्ड डेड इकॉनमी' कहा था, लेकिन इसी अर्थव्यवस्था ने धनतेरस के दिन उतना सोना-चांदी खरीदकर दिखाया, जितना पूरा यूरोप तीन महीने में खरीदता है। इसके बावजूद विपक्षी नेताओं के मन में भारत की परंपराओं, धर्म और संस्कृति के प्रति कितनी अवमानना और घृणा भरी हुई है, यह उनके बयानों से स्पष्ट होता है। यह अवमानना केवल यहीं तक सीमित नहीं रही। कांग्रेस अध्यक्ष



मल्लिकार्जुन खड़गे ने दीपावली को 'खुशियों की ईद' कह दिया। यह बड़े आश्चर्य की बात है कि वे जिस कर्नाटक राज्य से आते हैं, वहां कन्नड़ भाषा में त्योहार के लिए 'उत्सव' या 'हब्बा' शब्द का प्रयोग होता है। ऐसे में यह 'ईद' शब्द कहां से आ गया? यह दर्शाता है कि विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस, भारतीय धर्म और संस्कृति का किस हद तक अपमान कर सकता है।

भाजपा सांसद ने कहा कि इससे पहले इंडी गठबंधन के नेता तमिलनाडु में आयोजित 'इरेडिकेशन ऑफ सनातन धर्म कॉन्फ्रेंस' में हिंदू धर्म को बैक्टीरिया और एचआईवी वायरस तक कह चुके हैं। अब इमरान मसूद प्रदूषण को मानव जनित रोग बता रहे हैं। इसी समय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का एक तथाकथित इंटरव्यू सामने आता है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि 6 दिसंबर को विवादित ढांचा गिरने पर उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। जबकि 6 दिसंबर 1992 को कोई लाइव टेलीकास्ट नहीं हो रहा था। उस समय अयोध्या जैसी जगह पर सैटेलाइट अपलिंकिंग की कोई सुविधा भी नहीं थी। ऐसे में सवाल उठता है कि वहां कौन संजय की तरह दिव्य दृष्टि से उन्हें वह दृश्य दिखा रहा था और उनकी आंखों में आंसू देख रहा था? ये तीनों बयान अलग-अलग घटनाएं नहीं हैं, बल्कि कांग्रेस पार्टी की एक सुव्यवस्थित एंटी-इंडिया और एंटी-हिंदू सोच का जीता-जागता प्रमाण हैं। इसके साथ ही सवाल यह भी उठता है कि ये सारे बयान इसी समय क्यों आ रहे हैं? क्या उत्तर प्रदेश के चुनावों में कट्टरपंथी वोट हासिल करने की चाहत और छटपटाहट में कांग्रेस हिंदू धर्म का अपमान करने की इस सीमा तक जाने को तैयार है? भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि हम यह कह सकते हैं कि हमें समाज की एकता की शक्ति दिखाई दी है। 12 दिसंबर को भारतीय समाज की एकता की शक्ति का प्रदर्शन होगा। इस चुनाव में भी समाज अपनी एकता का परिचय दे। ये चुनावी हिंदू इस बार श्रीरामलला के दर्शन करने गए हैं, अगले चुनाव में जय श्रीराम भी बोल देंगे। इसके साथ ही हमें यह समझना होगा कि हमारी नीतियों के केंद्र में विकास है, जबकि विपक्ष की नीतियों के केंद्र में केवल कट्टरपंथी अल्पसंख्यकवाद है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के पास केवल दो तरीके हैं। या तो हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति का अपमान करना या फिर इनके साथ छल करना। विपक्ष के आचरण में ये दोनों बातें स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। कारसेवकों को गाली और गोली देने वाले लोगों की बोली अब बदली हुई नजर आ रही है। इसके पीछे उनका क्या मंतव्य है, इसे प्रदेश की जनता भली-भांति समझती है। जो लोग हमेशा धर्म और संस्कृति का अपमान करते रहते हैं, वे केवल छल ही कर सकते हैं।

भारत-कनाडा के बीच सीईपीए पर वार्ता तेज

आर्थिक साझेदारी होगी मजबूत, बाजार तक बढ़ेगी सबकी पहुंच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और कनाडा ने अपने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने, बाजार तक पहुंच बढ़ाने और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगा। गोयल ने बताया कि उन्होंने कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत-कनाडा (सीईपीए) पर बातचीत को तेज करने और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा हुई। बैठक में दोनों पक्षों ने ऐसे संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को अंतिम रूप देने के महत्व पर विचार साझा किए, जिससे दोनों देशों के कारोबारियों को एक-दूसरे के बाजारों तक बेहतर पहुंच मिल सके। इसके साथ ही भारत और कनाडा की अर्थव्यवस्थाओं की एक-दूसरे की पूरक क्षमताओं का लाभ उठाकर व्यापार, निवेश और व्यावसायिक सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रस्तावित सीईपीए दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को गहरा करने और व्यापक आर्थिक सहयोग बढ़ाने का प्रमुख माध्यम बन सकता है।

बैठक में इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा परियोजनाओं पर फोकस, तेजी से काम पूरा करने के निर्देश

देरी करने वाले ठेकेदारों पर लगेगी पेनल्टी, लापरवाही बरतने वालों को भविष्य में नहीं दिया जाएगा काम: सैनी

सीएम सैनी की अध्यक्षता में 14वीं स्टेट प्रगति पोर्टल बैठक में 75 करोड़ से अधिक लागत वाली प्रमुख परियोजनाओं की हुई समीक्षा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रमुख विकास परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजनाओं के कार्य में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन परियोजनाओं के कार्य में देरी हो रही है, उनके लिए जिम्मेदार ठेकेदारों पर नियमानुसार पेनल्टी लगाई जाए।

इसके अलावा, जो ठेकेदार बार-बार कार्य में देरी करते हैं या निर्धारित मानकों के अनुरूप काम नहीं करते, उन्हें भविष्य में नए कार्य आवंटित न किए जाएं। मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ में आयोजित 14वीं स्टेट प्रगति पोर्टल की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्रदेश में चल रही 75 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली प्रमुख बुनियादी ढांचा और ऊर्जा क्षेत्र की परियोजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए परियोजनाओं में आने वाली बाधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करें, ताकि विकास कार्यों को समय पर पूरा किया जा सके।

गुरुग्राम ग्लोबल सिटी और श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय की समीक्षा



बैठक में गुरुग्राम ग्लोबल सिटी प्रोजेक्ट (फेज-I) की प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि परियोजना का कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है। क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए पटौदी रोड तथा सेंट्रल पेरिफेरल रोड से जोड़ने वाली सड़कों के टेंडर और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। इसी प्रकार, श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र की स्थापना से संबंधित परियोजना की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम के माध्यम से कार्यान्वित इस परियोजना के लिए टेंडर जारी किया जा चुका है और ठेकेदार के साथ अनुबंध भी कर लिया गया है।

सोहना में औद्योगिक आधारभूत ढांचे के विकास कार्यों में तेजी

बैठक में ईएमसी सोहना और आईएमटी सोहना की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि ईएमसी सोहना परियोजना में 77 प्रतिशत प्रगति दर्ज की जा चुकी है। यहां सड़कों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास का कार्य तेजी से किया जा रहा है। वहीं, आईएमटी सोहना परियोजना में 70 प्रतिशत प्रगति हासिल की गई है। यहां वाटर वर्क्स टावर और मुख्य सड़कों का निर्माण कार्य लगभग पूरा होने की ओर है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ निवेशकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

बिजली वितरण प्रणाली को मजबूत करने के लिए चल रहे कार्यों की समीक्षा

मुख्यमंत्री ने आरडीएसएस योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में चल रही ऊर्जा परियोजनाओं की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि सोहना डिविजन में बिजली वितरण प्रणाली के लॉस कम करने से संबंधित कार्य 93 प्रतिशत पूरा हो चुका है। करनाल में एपी कनेक्शन और वीजीएस योजना के तहत ट्रांसफार्मर तथा एच-पोल लगाने का कार्य 61 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इसी प्रकार, पंचकूला जोन में आरडीएसएस के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति 65.69 प्रतिशत है। इन कार्यों के तहत पुरानी बिजली लाइनों को बदलने और बिजली वितरण प्रणाली की क्षमता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, डीएचबीवीएनएल के विभिन्न जिलों में 46 मौजूदा 33/11 केवी सबस्टेशनों की क्षमता बढ़ाने का कार्य 65 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इससे बिजली आपूर्ति की क्षमता और गुणवत्ता में सुधार होगा तथा उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली सुविधाएं मिल सकेंगी।

आईएमटी खरखोदा और हिसार विनिर्माण क्लस्टर की प्रगति की समीक्षा

बैठक में आईएमटी खरखौदा में चल रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि यहां मास्टर स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है। भूजल स्तर को नियंत्रित करने के लिए डिवाटरिंग तकनीक का उपयोग करते हुए कार्य किया जा रहा है। एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर, हिसार की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि परियोजना के लिए पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त हो चुकी है और ईपीसी टेंडर की वित्तीय बोलियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। यह क्लस्टर विमानन, रक्षा सहित अन्य प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के विकास को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109